* वर्ष 40 * अंक 48 * प्रभात * पंजीयन सं. 46518/85 * पृष्ठ 8 * मूल्य ₹ 3 /- * संस्थापक : स्व. श्री कुंजबिहारी आचार्य

दैनिक पुकार

www.dainikpukar.com

उदयपुर गुरुवार दिनांक 14 नवम्बर 2024

दक्षिणी राजस्थान का प्रमुख हिन्दी दैनिक

राजस्थान उप चुनाव : 7 सीटों पर हुई 69.29% वोटिंग

जयपुर (पुकार)। राजस्थान में 7 सीटों पर उपचुनाव के लिए बुधवार को वोटिंग हुई। इन सीटों पर कुल 69.29% मतदान हुआ है। खींवसर में सबसे ज्यादा 75.62 प्रतिशत, जबकि सबसे कम दौसा में 62.10 प्रतिशत वोटिंग हुई। इसके अलावा रामगढ़ में 75.27%, झुंझुनूं में 65.80%, देवली-उनियारा में 65.10%, सलूंबर में 67.01% और चौरासी में 74.10% वोटिंग हुई है। झुंझुनूं के कलां गांव में फर्जी वोटिंग के विवाद में मारपीट हो गई। दावा किया जा रहा है कि निर्दलीय कैंडिडेट राजेंद्र गुढ़ा के एजेंट ने दूसरे प्रत्याशी के फर्जी वोटर को रोकने की कोशिश की तो दोनों में विवाद हो गया। मौके पर पहुंची पोलिंग पार्टी ने स्थिति संभाली। पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने प्रशासन पर फर्जी वोटिंग करवाने का आरोप लगाते हुए कहा- प्रशासन और पुलिस मिली हुई है। बूथ कैप्चर किया, वोट डालने नहीं दिए गए। इधर, खींवसर के कुचेरा में मतदान के दौरान एक बुजुर्ग कालूलाल घांची (68) को हार्टअटैक आ गया। बूथ पर मौजूद पुलिस के जवान अर्जुनलाल ने सीपीआर देकर उनकी जान बचाई।

23 को आएंगे उपचुनाव के नतीजे : उपचुनाव के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। सातों सीटों पर हो रहे उपचुनाव में 69 कैंडिडेट मैदान में है। उपचुनाव के नतीजे सरकार और विपक्ष दोनों के सियासी नरेटिव को तय करेगा।

देवली-उनियारा सीट उप चुनाव में वोटिंग के दौरान हुआ बवाल

समरावता गांव में निर्दलीय प्रत्याशी मीणा ने एसडीएम को जड़ दिया थप्पड़

बूथ के सामने धरने पर बैठे ग्रामीणों को हटाने आई पुलिस तो नरेश मीणा के समर्थकों ने कर दिया पथराव, गाड़ियों में लगाई आग, पुलिस ने भी दागे आंसू गैस के गोले

टोंक (पुकार)। देवली-उनियारा विधानसभा के समरावता गांव में पुलिस और निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा के समर्थक आमने-सामने हो गए। नरेश मीणा अपने समर्थकों के साथ मतदान केंद्र के सामने धरने पर बैठे थे। पुलिस को बूथ से मतपेटियां रवाना करनी थी। इसके लिए बूथ के सामने से भीड़ को हटाने आ रही थी। इसी दौरान नरेश मीणा के समर्थकों ने पथराव कर दिया और गाड़ियों में आग लगा दी।

पथराव में एसपी की गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हुई है। पुलिस ने लोगों को खदेड़ने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। पथराव में 10 से ज्यादा पुलिसकर्मियों समेत कई लोग चोटिल हुए हैं। धौलपुर से एसटीएफ और चुनाव में लगाए गए आसपास के सुरक्षाबलों को भी यहां तैनात कर दिया है। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर तनाव का माहौल है।

समर्थकों ने नरेश मीणा को पुलिस से छुड़ाया

नरेश मीणा ने आरोप लगाया कि उनके धरने में शामिल लोगों के लिए बाहर से खाना आया था। पुलिस ने टोल पर खाने के पैकेट रोक लिए। इस पर वह अकेले ही धरनास्थल से उठकर पुलिस अधिकारी से बात करने पहुंचे थे, लेकिन पुलिस ने उनको पकड़ लिया। जैसे ही समर्थकों को पता चला तो वे नरेश मीणा को छुड़ा ले गए।

दरअसल, निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने समरावता गांव में दोपहर करीब 1 बजे सेक्टर मजिस्ट्रेट (मालपुरा एसडीएम) अमित चौधरी के थप्पड़ मार दिया। मीणा की वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों से भी हाथापाई हुई थी। नरेश मीणा पर जबरन पोलिंग बूथ में घुसने का आरोप लगा। नरेश मीणा ने कहा- गांव के लोगों की उपखंड मुख्यालय बदलवाने की मांग को लेकर वोटिंग का बहिष्कार किया था, लेकिन प्रशासनिक अधिकारी जबरन लोगों को धमकाकर वोट डलवा रहे थे। मैंने इसी बात का विरोध किया था। मामला इतना बढ़ गया था कि मौके पर मौजूद पुलिस ने नरेश मीणा को बूथ से बाहर कर दिया। नरेश मीणा समर्थकों के साथ दोपहर करीब 2 बजे मतदान केंद्र के बाहर धरने पर बैठ गए थे। उनका कहना था- जब तक लिखित में इस गांव को देवली में शामिल करने का आश्वासन नहीं मिल जाता, वे धरने

पर बैठे रहेंगे।

नरेश मीणा के धरने के बीच इस बूथ पर दोपहर करीब 3.30 बजे मतदान शुरू हुआ था, जो रात 7.45 बजे तक चला था। मतदान खत्म होने के बाद पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के लिए पुलिस नरेश मीणा के समर्थकों को हटाने आई थी।

साढ़े तीन बजे शुरू हुई वोटिंग

नरेश मीणा ने आरोप लगाया- जबरन वोट डलवाने की जानकारी मिली तो मैं मौके पर पहुंचा। वहां मौजूद कर्मचारी ने बदतमीजी की। इसके बाद मैंने थप्पड़ मार दिया। नरेश मीणा ने धमकाया कि कोई कर्मचारी बीजेपी का एजेंट बनकर काम करेगा तो उसका यही हाल होगा। हालांकि अधिकारियों के समझाने के बाद करीब साढ़े आठ घंटे बाद दोपहर साढ़े तीन बजे वोटिंग शुरू हुई।

एसपी बोले- कार्रवाई की जाएगी

इधर, एसडीएम को थप्पड़ मारने के बाद मामला बढ़ गया। सूचना मिलने पर एसपी विकास सांगवान मौके पर पहुंचे। एसपी ने लोगों को वोट डालने के लिए भी समझाया। वहीं, थप्पड़ मामले में उनका कहना है कि इस मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आचार संहिता हटने के बाद नाम

आरएएस एसोसिएशन ने हड़ताल की चेतावनी दी

देवली-उनियारा से निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा के एसडीएम को थप्पड़ मारने की घटना पर आरएएस एसोसिएशन ने नाराजगी जताते हुए पैन डाउन हड़ताल की चेतावनी दी है। आरएएस एसोसिएशन ने नरेश मीणा को गिरफ्तार करने की मांग की है।

जोड़ने का होगा प्रयास : कलेक्टर

कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने बताया कि समरावता में ग्रामीण अपने गांव को देवली तहसील से हटवाकर उनियारा तहसील में जोड़ने की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार कर धरने पर बैठे थे। इसमें निर्दलीय प्रत्याशी भी शामिल थे। बूथ पर जाकर निर्दलीय प्रत्याशी ने सेक्टर मजिस्ट्रेट अमित चौधरी को थप्पड़ मार दिया। इस मामले में अमित चौधरी की ओर से जो भी रिपोर्ट आएगी, उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड में पहले चरण की वोटिंग : तमाड़ के आरहंगा में आजादी के बाद पहली बार पड़ा वोट

रांची (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा चुनाव के फर्स्ट फेज में मंगलवार को 15 जिलों की 43 सीटों पर शाम पांच बजे वोटिंग हो गई। शाम 5 बजे तक 64.86त्न मतदान हुआ है। हालांकि, अभी फाइनल आंकड़ा नहीं आया है। वहीं, बिना बताए गायब रहने पर गुमला के पुलिस ऑब्जर्बर किशन सहाय मीणा को चुनाव आयोग ने सस्पेंड कर दिया है। खास बात ये है कि इस बार रांची जिले के तमाड़ के आरहंगा में आजादी के बाद पहली बार पोलिंग बूथ बना है। वहां लोगों ने पहली बार भयमुक्त होकर वोट किया। पहले ये इलाका नक्सल प्रभावित था। इस कारण इसको प्रशासन रिलोकेट कर देता था। नक्सलियों के डर से लोग दूर जाकर वोट देने नहीं जाते थे। यदा-कदा कुछ लोग चोरी छिपे वोट डालते थे।

झारखंड के फर्स्ट फेज में पूर्व सीएम चंपाई सोरेन, उनका बेटा बाबूलाल सोरेन, पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा, मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा, रघुवर दास की बहू पूर्णिमा साहू, मंत्री मिथिलेश ठाकुर, मंत्री रामेश्वर उरांव, रांची विधायक सीपी सिंह और जेएमएम की राज्यसभा सांसद महुआ मांझी चुनावी मैदान में हैं। राज्य की 81 विधानसभा सीटों में बाकी बची 38 सीटों पर 20 नवंबर को वोटिंग होगी।

न्यूज एंकर को रक्षा मंत्री बना डोनाल्ड ट्रम्प ने चौंकाया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सेना में मेजर रहे और फॉक्स न्यूज के एंकर और होस्ट पीट हेगसेथ को नया रक्षा मंत्री बनाने का ऐलान किया है। उनकी इस घोषणा ने सबको चौंका दिया है क्योंकि उनका नाम इस पद की रेस में कहीं नहीं था। हेगसेथ अगले साल 20 जनवरी से पेंटागन का नेतृत्व करेंगे। इसके अलावा ट्रम्प ने एक पूर्व कांग्रेसी और राष्ट्रीय खुफिया विभाग के पूर्व निदेशक जॉन रैटक्लिफ को केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) के निदेशक के रूप में नियुक्त किया है। रैटक्लिफ ने ट्रम्प के बतौर राष्ट्रपति पहले कार्यकाल के अंतिम महीनों में राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के रूप में सेवा दी थी और कोरोनो वायरस महामारी के दौरान अमेरिकी सरकार की जासूसी एजेंसियों का भी नेतृत्व किया था। नव-निर्वाचित राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि उन्होंने अर्कांसस के पूर्व गवर्नर और कट्टर इजरायल समर्थक कट्टरपंथी माइक हकाबी को इज़रायल में राजदूत और अपने लंबे समय के दोस्त स्टीवन विटकॉफ़ को पश्चिम एशिया का विशेष दूत के रूप में नियुक्त किया है। इन्हें ईराक और अफगानिस्तान युद्ध का विशेष अनुभव है।

बुलडोजर एक्शन पर आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला, जारी की गाइडलाइन, कहा-

अफसर जज नहीं बन सकते, प्रॉपर्टी तोड़ने से पहले 15 दिन का नोटिस, वीडियोग्राफी जरूरी; अफसर दोषी तो निर्माण कराएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। घर सबका सपना होता है, ये बरसों का संघर्ष है और सम्मान की निशानी। अगर घर गिराया जाता है तो अधिकारी को साबित करना होगा कि यही आखिरी रास्ता था। अफसर खुद जज नहीं बन सकते। बुलडोजर एक्शन पर फैसला सुनाते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को यह कमेंट किया।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने बुलडोजर एक्शन पर पूरे देश के लिए 15 गाइडलाइन जारी कीं।

अदालत ने कहा कि अगर घर गिराने का फैसला ले लिया गया है तो 15 दिन का समय दिया जाए। घर गिराने की कार्रवाई की वीडियोग्राफी जरूरी है। अगर कोई अफसर गाइडलाइन का उल्लंघन करता है तो वो अपने खर्च पर दोबारा प्रॉपर्टी का निर्माण कराएगा और मुआवजा भी देगा।

उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में लगातार बुलडोजर एक्शन के बाद जमीयत-उलेमा-ए-हिंद ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। आरोप लगाया था कि भाजपा शासित राज्यों में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है और बुलडोजर एक्शन लिया जा रहा है।

केंद्र सरकार ने दलील दी थी कि कोर्ट अपने फैसले से हमारे हाथ ना बांधे। किसी की भी प्रॉपर्टी इसलिए नहीं गिराई गई है, क्योंकि उसने अपराध किया है। आरोपी के अवैध अतिक्रमण पर कानून के तहत एक्शन लिया गया है।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट के फाइनल कमेंट

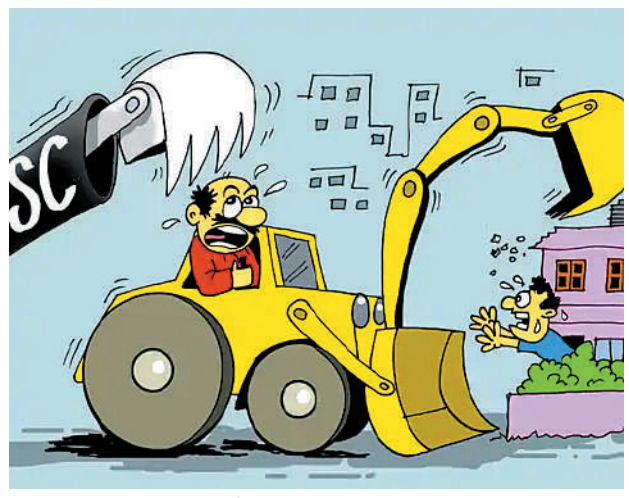

हर आदमी का सपना एक घर, क्या छीन सकते हैं

जस्टिस बीआर गवई बोले, एक आदमी हमेशा सपना देखता है कि उसका आशियाना कभी ना छीना जाए। हर एक का सपना होता है कि सिर पर छत हो। क्या अधिकारी ऐसे आदमी की छत ले सकते हैं, जो किसी अपराध में आरोपी हो? आरोपी हो या फिर दोषी हो, क्या उसका घर बिना तय प्रक्रिया का पालन किए गिराया जा सकता है?

अधिकारी जज नहीं, फैसला नहीं कर सकते कौन दोषी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर कोई व्यक्ति सिर्फ आरोपी है, ऐसे में उसकी प्रॉपर्टी को गिरा देना पूरी तरह असंवैधानिक है। अधिकारी यह तय नहीं कर सकते हैं कि कौन दोषी है, वे खुद जज नहीं बन सकते हैं कि कोई दोषी है या नहीं। यह सीमाओं को पार करना हुआ।

गलत नीयत वाले एक्शन पर अफसर को बख्शा ना जाए

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर कोई अधिकारी किसी व्यक्ति का घर इसलिए गिराता है कि वो आरोपी है, यह गलत है। अधिकारी कानून अपने हाथ में लेता है तो एक्शन लिया जाना चाहिए। मनमाना और एकतरफा एक्शन नहीं ले सकते। अफसर ऐसा करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई के लिए एक सिस्टम हो। अधिकारी को बख्शा नहीं जा सकता है।

घर गिराना आखिरी रास्ता, यह साबित करना होगा

जस्टिस गवई ने कहा, एक घर सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने का मसला है। ये सिर्फ एक घर नहीं होता है, यह बरसों का संघर्ष है, यह सम्मान की भावना देता है। अगर घर गिराया जाता है तो अधिकारी को साबित करना होगा कि यही आखिरी रास्ता था। जब तक कोई दोषी करार नहीं दिया जाता है, तब तक वो निर्दोष है। ऐसे में उसका घर गिराना उसके पूरे परिवार को दंडित करना हुआ।

सुप्रीम कोर्ट की अजित पवार गुट को नसीहत, कहा-

'अपने पैरों पर खड़े हों, शरद पवार की फोटो न करें इस्तेमाल'

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बीच सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपी अजित पवार गुट को नसीहत दी है। एनसीपी शरद की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एनसीपी अजित पवार अपने पैरों पर खड़ी हो। चुनाव में शरद पवार की फोटो का इस्तेमाल न करें। क्योंकि दोनों पार्टियों के बीच वैचारिक मतभेद हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार सुप्रीम कोर्ट के चक्कर लगाने की जगह चुनाव पर ध्यान दें। कोर्ट ने अजित पवार के वकील बलवीर सिंह से कहा कि अपने कार्यकर्ताओं से कहें कि चुनाव में शरद पवार की फोटो, पुरानी या नई वीडियो क्लिप का उपयोग न करें। अपने कार्यकर्ताओं, नेताओं और चुनाव से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच ऑनलाइन सूचना जारी करके ऐसे निर्देश दें। मामले पर सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि हालांकि भारत के लोग बुद्धिमान हैं जो अजित पवार और शरद पवार के बीच अंतर समझते हैं। लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के इस युग में वह धोखा भी खा सकते हैं। शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई मंगलवार को तय की है।

केंद्र ने नई गाइडलाइन जारी की

कोचिंग सेंटर्स 100% सिलेक्शन-जॉब्स का दावा नहीं कर सकते, बिना अनुमति टॉपर्स की फोटो नहीं छाप पाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोचिंग सेंटर्स अब 100% सिलेक्शन और 100% नौकरी देने का दावा नहीं कर पाएंगे। केंद्र सरकार ने बुधवार को कोचिंग सेंटर्स के लिए नई गाइडलाइन जारी कर दी। ऐसा भ्रामक विज्ञापनों पर रोक लगाने के लिए किया गया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) के अनुसार कोचिंग सेंटर अब ऐसे झूठे दावे नहीं कर सकते जो उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकते हैं। सरकार ने यह फैसला कई शिकायतों के बाद किया है। अब तक कोचिंग संस्थानों को 54 नोटिस जारी किए गए। इसके अलावा 18 कोचिंग इंस्टीट्यूट्स पर करीब 54.60 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया हैं और उन्हें भ्रामक विज्ञापन

वापस लेने का आदेश भी दिया गया है। ये गाइडलाइन एकेडमिक सपोर्ट, एजुकेशन, गाइडेंस और ट्यूशन सर्विस से जुड़े सभी संस्थान, कोचिंग सेंटर्स और ऑर्गनाइजेशन पर मान्य होगी। अगर कोचिंग सेंटर्स इसका पालन नहीं करते हैं तो उन पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

अफसर ने कहा- सरकार कोचिंग सेंटर्स के खिलाफ नहीं

कंज्यूमर अफेयर्स सेक्रेटरी निधि खरे ने कहा, 'हमने देखा कोचिंग सेंटर्स जानबूझकर स्टूडेंट्स को लुभाने के लिए सच्चाई छिपाते हैं। यही वजह है कि हमें कोचिंग इंडस्ट्री के लिए ये गाइडलाइन लानी पड़ी। सरकार कोचिंग सेंटर्स के खिलाफ नहीं है, लेकिन किसी भी एडवर्टाइजमेंट की क्वालिटी कंज्यूमर राइट्स के खिलाफ नहीं हो सकती।

एनसीएच ने स्टूडेंट्स को 1.15 करोड़ रुपए की फीस रिफंड कराई

नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन यानी एनसीएच को स्टूडेंट्स और पेरेंट्स से कई शिकायतें मिली थीं। इनमें से ज्यादातर शिकायतें एनरोलमेंट फीस रिफंड न होने की थी। इसके बाद एनसीएच ने पीड़ित स्टूडेंट्स को करीब 1.15 करोड़ रुपए रिफंड की पहल शुरू की और मुकदमेबाजी से पहले ही इन स्टूडेंट्स को उनका रिफंड मिल गया था।

शिक्षा मंत्रालय ने भी जनवरी में गाइडलाइन जारी की थी

इस साल जनवरी में स्टूडेंट्स की आत्महत्या के बढ़ते मामलों, क्लासेज में आग की घटनाओं और कोचिंग सेंटर्स में सुविधाओं की कमी के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने भी गाइडलाइन जारी की थी। इसके तहत कोचिंग इंस्टीट्यूट्स 16 साल से कम उम्र के बच्चों को एडमिशन नहीं दे सकेंगे। इसके अलावा भ्रामक वादे करना और अच्छे नंबरों की गारंटी देने पर भी पाबंदी लगा दी थी।

सीएम सिद्धारमैया का सनसनीखेज दावा

हमारे विधायकों को बीजेपी ने दिए 50-50 करोड़ के ऑफर

मैसुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को आरोप लगाया कि राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा ने उनकी सरकार को गिराने के लिए 50 कांग्रेस विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की लेकिन एक भी कांग्रेस विधायक भाजपा के प्रलोभन में नहीं फंसा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के एक भी विधायक ने इस पर सहमति नहीं दी, जिसके कारण भाजपा अब उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज करा रही है। पीटीआई के मुताबिक, मैसूरु जिले के टी नरसीपुरा विधानसभा क्षेत्र में 470 करोड़ रुपये के सार्वजनिक कार्यों का उद्घाटन करने के बाद सिद्धारमैया ने ये आरोप लगाए। उन्होंने पूछा, सिद्धारमैया सरकार को किसी तरह से गिराने के लिए उन्होंने (भाजपा ने) 50 विधायकों को 50 करोड़ रुपये की पेशकश की। उनके पास इतना पैसा कहां से आया? क्या पूर्व मुख्यमंत्रियों बीएस येदियुरप्पा, बसवराज बोम्मई, विपक्ष के नेता आर अशोक या भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने ये पैसे छापे हैं? उन्होंने कहा कि यह सब 'घूस का पैसा' है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, उन्होंने घूस में करोड़ों रुपये कमाए हैं। अब उसी पैसे का इस्तेमाल करके विधायक खरीदना चाहते हैं। उन्होंने प्रत्येक विधायक को 50 करोड़ रुपये की पेशकश की है। सिद्धारमैया ने कहा, लेकिन इस बार हमारा एक भी विधायक इसके लिए तैयार नहीं हुआ। इसलिए अब उन्होंने किसी तरह से इस सरकार को हटाने के लिए अभियान शुरू किया है। इसलिए वे अब झूठे मामले दर्ज कर रहे हैं। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब कांग्रेस नेताओं ने इस तरह के आरोप लगाए हों। पिछले महीने भी सिद्धारमैया ने आरोप लगाते हुए कहा था कि राज्य में 'ऑपरेशन कमल' की तैयारी चल रही है। तब उन्होंने सीधे-सीधे बीजेपी का नाम तो नहीं लिया था लेकिन कहा था कि उनका एक भी विधायक टूटने को तैयार नहीं है। इस बार उन्होंने घूस की रकम और भाजपा का नाम सीधे तौर पर लिया है।

संक्षिप्त समाचार

सांसद अग्रवाल व पूर्व नेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने महेंद्र सिंह मेवाड़ को दी श्रद्धांजलि

उदयपुर (पुकार)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ एवं भीलवाड़ा सांसद दामोदर लाल अग्रवाल ने समोर बाग स्थित विधायक विश्वराजसिंह मेवाड़ के निवास पहुंचे। मेवाड़ राजघराने के पूर्व सदस्य पूर्व सांसद स्व महेन्द्रसिंह मेवाड़ को श्रद्धांजलि अर्पित की एवं विधायक विश्वराजसिंह मेवाड़ और परिजनों को संबल प्रदान किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक हरीराम रणवा, शहर जिला अध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर,उपमहापौर पारस सिंघवी,पूर्व जिलाध्यक्ष भंवरसिंह पवार,महामंत्री गजपालसिंह राठौड़, प्रकाश चंद्र अग्रवाल,चंचलकुमार अग्रवाल किरणकुमार नागोरी,विक्रम अग्रवाल,राजेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

अंतर विद्यालय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में सेंट मेरीज़ न्यू फतेहपुरा बनी विजेता

उदयपुर (पुकार)। स्थानीय सेंट मेरीज़ कान्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, न्यू फतेहपुरा के तत्वाधान में आयोजित अंतर विद्यालयी बास्केटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में सेंट मेरीज़, न्यू फतेहपुरा ने सीडलिंग मॉडर्न पब्लिक स्कूल को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान के लिए रोमांचक मुकाबले में रॉकवुड्स हाई स्कूल ने सेंट पॉल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल को हराया। संस्था प्रधान सिस्टर ज्योत्सना ने बताया कि समापन समारोह के मुख्य अतिथि एडिशनल डीईओ स्पोर्ट्स लक्ष्मण सालवी और विशिष्ठ अतिथि अजय कोठारी मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डीईओ, मुख्य निर्णायक जसवंत सिंह जेतावत, सिस्टर रजत एवं मैनेजर सिस्टर सूचिता ने विजेता एवं उपविजेता को पारितोषिक वितरित किये।

शिक्षक की एक मूल भावी पीढी के भविष्य को डेमेज करती हैं : मुनि मेधांश

उदयपुर (पुकार)। शहर के महाप्रज्ञ विहार में शासन श्री मुनि सुरेश कुमार के सान्निध्य में त्रिदिवसीय जीवन विज्ञान दिवस के तहत दूसरे दिन तेरापंथ सभा व अणुव्रत समिति के संयुक्त तत्वाधान में द साइंस ऑफ लिविंग स्किल्स डवलेप्मेंट प्रोग्राम आयोजित हुआ। टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम को सम्बोधित करते हुए मुनि सम्बोध कुमार मेधांश ने कहा- साँसों का आना और जाना ही जीवन नहीं है। हम एक-एक साँस की कीमत समझे तो हमारा इस धरती पर आना सार्थक है। जीवन विज्ञान जीने की कला सीखाने वाला विज्ञान है। साइंस शरीर को जानना और देखना सीखाता है। साइंस ऑफ लिविंग जीवन के उतार-चढाओ के बीच संतुलित रहना सीखाता है। मुनि ने स्वास लेने की कला का प्रयोग करवाते हुए कहा- जो बेहतर स्वास लेते है वे बेहतरीन जीवन जीते हैं। शिक्षक भावी पीढी के सृजनहार है। शिक्षक की एक गलती भावी पीढ़ी के भविष्य को डेमेज कर देती है। अरत की शिक्षा पैसा, पैशन, पावर, की उपलब्धि के उद्देश्य के इर्द-गिर्द घुम रही है। मुनि ने ब्रेन बेलेंसिंग के साथ संकल्प का प्रयोग करवाया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथी विद्वान समिति अध्यक्ष डॉ. महिप भटनागर ने कहा- शिक्षक मिट्टी का ढेला रूप विद्यार्थी के जीवन में शेप देने के साथ रंग भी भरते है। शिक्षकों पर भविष्य की पीढी के निर्माण की जिम्मेदारी है, उस जिम्मेदारी का वहन तभी संभव है जब शिक्षक मानसिक स्तर पर समर्थ हो स्वागत तेरापंथ सभाध्यक्ष कमल नाहटा, आभार अणुव्रत समिति मंत्री कुंदन भटेवरा व मंच संचालन उपाध्यक्ष कमल पोरवाल ने किया।

इस अवसर पर समाज सेवी दिलीप गिलुंडिया, विद्या भवन की सचिव गोपाल बंब, श्रीमती प्रणीता तलेसरा , मंजू इंटोडिया,डॉ. सुषमा इँटोदिया भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में तुलसी निकेतन, विद्या भवन, सी.पी.एस, मिकाडो, उद्भव स्कूल के 100 प्राध्यापक व शिक्षक उपस्थित थे।

समग्र भारत एक भारत विषय पर चित्रकला शिविर का समापन

उदयपुर (पुकार)। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित चित्रांकन पेंटिंग शिविर का समापन बुधवार को शिल्पग्राम में हुआ। समापन समारोह की मुख्य अतिथि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा तथा विशिष्ठ अतिथि वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप समिति के अध्यक्ष प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा थे। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि 'समग्र भारत-एक भारत' (सामाजिक समरसता, पर्यावरण और लोक एवं जनजातीय संस्कृति चित्रांकन) विषय पर पांच दिवसीय चित्रांकन पेंटिंग शिविर का समापन शिल्पग्राम में बुधवार को हुआ। इस शिविर में देशभर से आए 15 कलाकारों ने भाग लिया। इस पांच दिवसीय चित्रकला शिविर के संयोजक डॉ. मदन सिंह राठौड़ थे। इस पांच दिवसीय शिविरों में कलाकारों ने बेहद सुंदर चित्र बनाए। सर्वप्रथम केन्द्र के सहायक निदेशक दुर्गेश चांदवानी और कार्यक्रम अधिशाषी हेमंत मेहता ने पुष्पगुच्छ से अतिथियों का स्वागत किया। शिविर संयोजक डॉ. मदन सिंह राठौड़ ने पांच दिवसीय शिविर की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उसके बाद शिविर के प्रतिभागियों ने इस शिविर के प्रति अपने अनुभवों के बारे में बताया। वाराणसी के कलाकार सुनील विश्वकर्मा जिन्होंने अयोध्या में विराजित रामलला के चित्र को बनाया था, की पारंपरिक रामलीला कृति को सभी ने सराहा।

मुख्य अतिथि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा ने अपने उद्बोधन में समग्र भारत एक भारत के विषय पर विभिन्न कलाकारों द्वारा केनवास पर बनाए गए सुंदर चित्रों की सराहना की तथा जनजातीय चित्र पेंटिंग को अद्भुत बताया।

सभी कलाकारों द्वारा बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, सेठ बिनानीदास कॉलेज नाथद्वारा तथा उदयपुर के कलाप्रेमियों ने देखकर सराहना की तथा केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सभी कलाकारों ने प्रशंसा की। अंत में सभी कलाकारों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर केन्द्र के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस शिविर में भोपाल से बंदना कुमारी तथा मयंक श्याम, डांग से दक्षिताबेन भोई तथा स्मितकुमार दिनेश भाई पटेल, वडोदरा से डेसिंग राठवा, उदयपुर से दिलीप कुमार डामोर, गुरूग्राम से डॉ. रेणु बारीवाल, दिल्ली से डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, इलाहाबाद से डॉ. संदीप कुमार मेघवाल, जयपुर से कृष्ण कुमार, पालघर से कृष्ण चंदू काडू, पिण्डवाड़ा से महेश कुमार कुमावत, मधुबनी से पद्मश्री शांति देवी, पुणे से प्रेम अवले, वाराणसी से सुनील कुमार विश्वकर्मा ने भाग लिया।

दीपावली स्नेह मिलन में विविध कार्यक्रम

सहस्त्रबाहु नारी शक्ति संगठन

शोभागपुरा

सेक्टर 14

जेएसजी संगिनी विजय

विज्ञान समिति

उदयपुर (पुकार)। सहस्त्रबाहु नारी शक्ति संगठन ने दीपावली स्नेह मिलन एवं सहस्त्रबाहु जयंती पारिवारिक माहौल के साथ चतुर बाग में धूमधाम से मनाई। अध्यक्ष रचना सुहालका ने बताया की नारी शक्ति , पुरुषों एवं बच्चों की उपस्थिति रही । समारोह की आयोजक पद्मा सुहालका, लता सुहालका, नम्रता चौधरी ,अलका चौधरी, प्रमिला चौधरी ,शर्मिला टाक, निर्मला जायसवाल, मीनाक्षी चौधरी ,श्वेता चौधरी ,डॉ चेतना चौधरी ने सभी का स्वागत कर विभिन्न प्रतियोगिताएं करवाई ।सभी ने आतिशबाजी कर समारोह का चार चांद लगा दिए। गीत नृत्य के साथ दीवाली मनाई एवं आयोजकों ने प्रत्येक नारी शक्ति को उपहार भेंट किए। पूर्व अध्यक्ष नम्रता चौधरी द्वारा प्रशासनिक पद पर पदोन्नति होने पर देविका टाक का सम्मान कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। स्वामीनारायण मंदिर में संगठन की ओर से अन्नकूट के अवसर पर सुखे मेवें की थाल के लिए जमना लाल सुहालका को राशि भेंट की गई। सचिव लता सुहालका एवं कोषाध्यक्ष माधवी सुहालका ने सभी को धन्यवाद दिया।

'रोशनी के रंग अपनों के संग' दीपोत्सव 2024 सम्पन्न : सामाजिक संस्था श्री महावीर युवा मंच संस्थान महिला प्रकोष्ठ द्वारा शोभागपुरा स्थित निजी रिसोर्ट में ''रोशनी के रंग अपनों के संग'' दीपोत्सव 2024 का रंगारंग आयोजन संस्थान के मुख्य संरक्षक राजकुमार फत्तावत के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समारोह में संस्थान के अध्यक्ष अशोक कोठारी, महामंत्री विजयलक्ष्मी गलूंडिया व समन्वयक चन्द्रप्रकाश चोरडिया बतौर विशिष्ठअतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाऐंगे राम आऐंगे.. पर आधारित रामायण हाऊजी का आयोजन था। जिसमें प्रभु श्री राम के जीवन चरित्र राम जन्म, राम-सीता विवाह, राम-रावण युद्ध तथा प्रभु श्रीराम का वनवास पूर्ण कर वापिस अयोध्या लौटना तक की पूरी कथा पर आधारित था। जिसमें सभी ने सिया वर राम चंद्र के जयकारे लगाए।

कार्यक्रम संयोजिका सरोज चित्तौड़ा एवं नेहा कोठारी ने बताया कि राजस्थानी एवं फिल्मी गानों की धून पर आकर्षक प्रस्तुति दी गई जिसमें मोनिका कोठारी एवं समूह प्रथम स्थान पर रहा। अर्चना जैन व मधु बड़ाला ने बताया कि कार्यक्रम में भगवान महावीर स्वामी के 2551वें निर्वाण महोत्सव पर निर्वाण लड्डू बनाने व सजाने की प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया जिसमें स्नेहा सिरोया विजेता व सुमन डामर उपविजेता रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक नमस्कार महामंत्र के मंगलाचरण से हुआ। शब्दों द्वारा स्वागत महिला प्रकोष्ठ अध्यक्षा ऋतु मारू द्वारा तथा महामंत्री प्रिया झगड़ावत ने वर्षभर की गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन सरोज चित्तौड़ा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आशा कोठारी, सोनल सिंघवी, सरोज चित्तौड़ा, मधु बड़ाला, नेहा कोठारी, अर्चना जैन, कल्पना वस्तावत आदि का विशेष सहयोग रहा।

सेक्टर 14 में स्थित इंद्रप्रस्थ बी विकास समिति का वार्षिकोत्सव एवं दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन समिति के पदाधिकारियों संरक्षक ललित प्रकाश जैन, अध्यक्ष दुष्यन्त अग्रवाल, उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह इसरानी, कोषाध्यक्ष गिरीश प्रसाद उपाध्याय के आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम के दौरान कृथा याग्निक, माही शर्मा एवं रेवती चौहान ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए। हिन्द गुप्ता ने कविता पाठ किया। 2 नवंबर की आयोजित की गई कविता पाठ , चित्र बनाओ एवं दीपावली पर मांडना प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरुस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया। कविता पाठ कनिष्ठ वर्ग में भव्य भट्ट प्रथम, ऋषिमा खंडेलवाल एवं आदित्य द्वितीय, लेशिया भटनागर तृतीय तथा वरिष्ठ वर्ग में हिया अग्रवाल प्रथम, दिया जोशी द्वितीय एवं हिन्द गुप्ता तृतीय रहे। चित्र बनाओ कनिष्ठ वर्ग प्रतियोगिता में कृथा याग्निक प्रथम, हित गुप्ता द्वितीय एवं युवान डबगर तृतीय रहे तथा वरिष्ठ वर्ग में प्रदीप्ता शर्मा प्रथम, हिया अग्रवाल द्वितीय एवं सिया डबगर तृतीय रहे। मांडना प्रतियोगिता में चित्रा शर्मा प्रथम, प्रशस्ति अरोड़ा एवं अनिता अग्रवाल द्वितीय एवं सिद्धि पुरबिया तृतीय रहे। जिन बच्चों ने इनमें भाग लिया उन्हें भी प्रोत्साहन उपहार प्रदान किए गए।

जेएसजी संगिनी विजय का दीपावली मिलन समारोह पार्क एग्जॉटिका में मनाया गया। अध्यक्ष निर्मला कोठारी ने बताया कि समेद शिखर जी की यात्रा करने वाली बहनों का अभिनंदन भी किया गया। साथ ही लक्ष्मी स्वरूपम प्रतियोगिता भी रखी गई जिसमें प्रथम संजीता कोठारी, द्वितीय जयमाला कोठारी ओर तृतीय एकता जैन रही। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मेवाड़ रीजन के सचिव महेश पोरवाल संगिनी कन्वीनर मधु खमेसरा सहित 60 बहने उपस्थित रही। रचित्ता मोगरा, गरिमा सियाल, वेलिका जैन, और ट्विंकल नाहर ने कार्यक्रम का संचालन किया। अंत में विभा जैन ने धन्यवाद की रस्म अदा की।

विज्ञान समिति वरिष्ठ महिला प्रकोष्ठ व नवाचार महिला प्रकोष्ठ ने आज संयुक्त रुप से अपना दिवाली स्नेह मिलन सांस्कृतिक कार्यक्रम मनाया। विज्ञान समिति सभागार मे आयोजित इस कार्यक्रम मे राजस्थानी, पंजाबी व फिल्मी गानों पर एकल, युगल व सामुहिक बीस प्रस्तुतियों का उपस्थित 125 सदस्याओं ने खूब आनंद लिया । मीडिया प्रभारी प्रोफेसर विमल शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत विज्ञान समिति कुलगीत - 'प्रथम वंदना धरती मां की' से हुई । नवाचार महिला प्रकोष्ट की अध्यक्षा संगीता भाणावत व वरिष्ठ महिला प्रकोष्ठ की कंचन सोनी ने सभी का स्वागत किया। संरक्षिका पुष्पा कोठारी ने आशीर्वचन देते हुए आगामी माह वार्षिकोत्सव का थीम 'अवतार' रखने की घोषणा की व सभी से उस अनुरुप तैयारी करने का आग्रह किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य सहयोग विजय लक्ष्मी गलुण्डिया, आभा झवर, कविता ख़िमावत, आशा कोठारी, मंजुला शर्मा, चद्रकला मेहता , उषा गुप्ता, मंजू सरुपरीया, बीना , विमला धाकड़, रेणु खमेसरा, इंद्रा जैन का रहा ।

शिक्षाविदों का महाकुंभ 'विजन फॉर विकसित भारत' राष्ट्रीय सम्मेलन

भारतीय शिक्षण मंडल के युवा आयाम द्वारा गुरुग्राम में 15 से 17 नवंबर तक आयोजन

डॉ. मोहन भागवत, इसरो अध्यक्ष डॉ. एस सोमनाथ और नोबल विजेता कैलाश सत्यार्थी करेंगे उद्घाटन

उदयपुर के प्रो. एसके अग्रवाल होंगे संयोजक

उदयपुर (पुकार)। भारतीय शिक्षण मंडल के युवा आयाम द्वारा संपूर्ण भारत के शिक्षाविदों के महाकुंभ राष्ट्रीय सम्मेलन 'विविभा' (विजन फार विकसित भारत)- 'अनुसंधान से साकारता' का आयोजन 15 से 17 नवंबर 2024 तक एस जी टी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम में आयोजित किया जाएगा।

विश्व संवाद केंद्र उदयपुर की साधारण सभा समिति के सदस्य, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में आचार्य व प्रचार प्रभारी प्रो. एस के अग्रवाल ने बताया कि सम्मेलन का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष डॉ एस सोमनाथ एवं नोबेल विजेता कैलाश सत्यार्थी करेंगे। उद्घाटन सत्र के प्रमुख वक्ता प्रसिद्ध भागवताचार्य संजीव कृष्ण ठाकुर (वृंदावन), गीता मनीषी महामंडलेश्वर ज्ञानानंद महाराज, प्रसिद्ध विचारक, लेखक एवं शिक्षाविद डॉ मनमोहन वैद्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार, भारतीय नौसेना अध्यक्ष दिनेश कुमार त्रिपाठी, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. सतीश रेड्डी होंगे।

भारत के लगभग 1000 से ज्यादा विश्वविद्यालय से 168000 शोध आलेख प्रविष्टियां प्राप्त

सम्मेलन हेतु 1 लाख 68 हजार शोध आलेख प्रविष्टियां भारत के लगभग 1000 से ज्यादा विश्वविद्यालय से प्राप्त हुई हैं। इसमें सर्वोत्तम 1200 आलेखों के लेखकों का चयन कर उन्हें सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण एवं सहभागिता हेतु आमंत्रित किया गया है। सर्वोत्तम आलेख लेखकों को भारत के राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों में अंतरिम प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इतिहास एवं उज्ज्वल भारत भविष्य दृष्टि, पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों पर गहन मंथन

सम्मेलन में विकसित भारत से जुड़े विधि एवं न्याय, सामाजिक सुरक्षा, कला, साहित्य एवं संस्कृति, भारतीय ज्ञान पद्धति, महिला सशक्तिकरण दृष्टि, ज्ञान विज्ञान एवं तकनीक, ग्रामीण विकास एवं स्वरोजगार, वाणिज्य अर्थशास्त्र एवं प्रबंधन, भारतीय शिक्षा- भूत वर्तमान एवं भविष्य, भारतीय इतिहास एवं उज्जवल भारत भविष्य दृष्टि, समृद्ध भारत एवं पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों पर गहन मंथन होगा।

भव्य प्रदर्शनी का रहेगा आकर्षण

प्रदर्शनी में भारतीय सनातन मूल्यों का आत्म भारत निर्माण में योगदान, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय सनातन संस्कृति के तत्व, अखण्ड भारत, भारतीय सांस्कृतिक विरासत एवं धरोहर, भारतीय इतिहास, वांग्मय, संस्कृति, ज्ञान, विज्ञान, कला, विधि, न्याय, साहित्य,भारतीय शिक्षण-प्रशिक्षण पद्धति, भारतीय वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र सामाजिक सुरक्षा, प्राचीन भारत में महिला सशक्तिकरण दृष्टि, जैसे महत्वपूर्ण विषय सम्मिलित होंगे।

समापन सत्र में योगगुरु स्वामी रामदेव सहित कई वक्त ाओं के उद्बोधन

समापन सत्र में कुलाधिपति पतंजलि पीठ स्वामी रामदेव, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री शंकरानंद बी. आर. एवं भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सच्चिदानंद जोशी का उद्बोधन होगा। सम्मेलन में अन्य प्रमुख वक्ता भारतीय शिक्षण मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति मुंबई विश्वविद्यालय प्रो. सुहास पेडणेकर, भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय महासचिव एवं मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष डां भारत शरण सिह, भारतीय शिक्षण मंडल के युवा आयाम के राष्ट्रीय प्रभारी अमित रावत, भारतीय शिक्षण मंडल के युवा आयाम के राष्ट्रीय सह प्रभारी शिव सिंह बघेल एवं डॉ जसपाल कौर, पूर्व मुख्य न्यायाधीश सर्वोच्च न्यायालय न्यायमूर्ति शरद बोबडे, पूर्व मुख्य न्यायाधीश सर्वोच्च न्यायालय एवं राज्यसभा सदस्य न्यायमूर्ति रंजन गोगोई, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो टी. जी. सीताराम, राष्ट्रीय तकनीकी परिषद के अध्यक्ष डॉ अनिल सहस्त्रबुद्धे, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव प्रो मनीष जोशी, ब्रह्मोस के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा संजीव कुमार जोशी, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो.रघुवेंद्र तंवर, डिक्की के अध्यक्ष पद्मश्री मिलिंद कामले, भारतीय अभिनेता एवं फिल्म निर्देशक पद्मश्री चंद्र प्रकाश द्विवेदी, जेएनयू दिल्ली की कुलपति प्रो. शांति श्री पंडित, भारतीय प्रबंध मंडल अध्ययन संस्थान, बोधगया की निदेशक डॉ विनीता एस सहाय होंगे।

उदयपुर के प्रो. अग्रवाल होंगे संयोजक

भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन विविभा के संयोजन व प्रचार प्रसार का दायित्व विश्व संवाद केंद्र उदयपुर की साधारण सभा समिति के सदस्य प्रो.सुरेश कुमार अग्रवाल को दिया गया है। प्रो. अग्रवाल वर्तमान में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में आचार्य पद पर कार्यरत है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय जनजाति महोत्सव 15 से

उदयपुर (पुकार)। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा भगवान बिरसा मुण्डा के 150वीं जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय जनजाति महोत्सव का शुक्रवार 15 नवंबर को शिल्पग्राम के मुक्ताकाशी रंगमंच पर सायं 6 बजे आयोजित किया जाएगा। जिसमें आमजन का प्रवेश निःशुल्क रहेगा। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि भगवान बिरसा मुण्डा के 150वीं जयंती पर दो दिवसीय राष्ट्रीय जनजाति महोत्सव आयोजित किया जा रहा है जिसमें प्रथम दिन शुक्रवार 15 नवंबर को देशभर से करीब 150 कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। राजस्थान से गवरी, सहरिया स्वांग, आदिवासी गैर, गुजरात से राठवा, महाराष्ट्र से सौंगी मुखौटे, गोवा से कुणबी, मध्यप्रदेश से पंथी, छत्तीसगढ़ से गौर-मारिया, कर्मा नृत्य, दमण-दीव से तारपा नृत्य सम्मिलित होंगे। साथ ही दूसरे दिन शनिवार 16 नवंबर को बिरसा मुण्डा नाट्य प्रस्तुति शिल्पग्राम के दर्पण सभागार में सायं 7 बजे दी जाएगी। दोनों ही कार्यक्रमों में आमजन का प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

मन का आत्मविश्वास और सकारात्मकता से बढ़ेगा मनोबल : संत विनोद मुनि

मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला

उदयपुर (पुकार)। तनावमुक्ति का सबसे सरल उपाय है वर्तमान में जीना है, तनाव का मुख्य कारण ही अतीत की चिंता या भविष्य की कल्पना है यदि कोई भी व्यक्ति यह छोड़ सिर्फ वर्तमान पर ध्यान दे केवल अपने वर्तमान को जिए तो किसी भी प्रकार का तनाव नहीं होगा यह बात आचार्य श्री विजयराज जी के शिष्य संत श्री विनोद मुनि ने भोपालपुरा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक कन्या विद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य कार्यशाला में कही।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को कैसे बढ़ाया जाय किस प्रकार तनाव और नकारात्मकता के भाव को कम किया जाएँ एवं मानसिक एवं व्यवहारिक परामर्श संत श्री विनोद मुनि द्वारा विद्यार्थियों को दिया जा रहा है, इसी क्रम में सोमवार को गुरु गोविन्द सिंह विद्यालय, मंगलवार को रेजीडेंसी विद्यालय एवं बुधवार को भोपालपुरा विद्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

उल्लेखनीय है कि आचार्य श्री विजयराज जी की प्रेरणा से कार्य कर रही सुसाइड फ्री यूनिवर्स (एसएफयु) संकल्प समिति वर्ष 2022 से कार्य कर रही है, अब तक 10 लाख से आत्महत्या नहीं करने का सकंल्प करवाया है और 60 हज़ार से अधिक विद्यार्थियों की काउन्सलिंग की है।

कार्यशाला में संस्थान के संरक्षक नरेंद्र हिंगड़ एवं मोती फाउंडेशन के अध्यक्ष, एजुकेशन काउंसलर विकास छाजेड़ ने भी विद्यार्थियों के समक्ष विचार व्यक्त किए।

कार्यशाला में संस्था प्रधान रंजना मिश्रा, प्रीती शर्मा, अध्यापिका इंदिरा करताल एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे, श्रमण संस्कृति की संपादक डॉ. हंसा हिंगड़, समिति के अजय मेहता, प्रेमलता मेहता आदि उपस्थित रहे।

टिम्बर पर कृषि मण्डी शुल्क लगने से कारोबारियों में रोष

उदयपुर (पुकार)। उदयपुर टिम्बर एंड प्लाइवुड मर्जेंट वेलफेयर सोसाइटी ने राज्य सरकार द्वारा टिम्बर पर कृषि मंडी शुल्क लगाए जाने के निर्णय का विरोध किया है। इससे व्यापारियों में भारी रोष है। व्यापारी इस निर्णय का विरोध कर रहे हैं और इसके विरुद्ध अपनी आवाज उठा रहे हैं। उनका मानना है कि यह निर्णय उनके व्यवसाय को प्रभावित करेगा और उनकी आय पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा। व्यापारियों के विरोध के कारणों में शामिल है। आगे की रणनीति बनानें हेतु रोटरी बजाज भवन मेंएक बैठक आयोजित की गई। अध्यक्ष रविंद्र सिंह चौहान ने बताया कि अतिरिक्त वित्तीय भारः शुल्क के कारण व्यापारियों को अतिरिक्त वित्तीय भार सहन करना पड़ेगा। व्यवसाय पर प्रभावः यह निर्णय उनके व्यवसाय को प्रभावित करेगा और उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को कम करेगा। व्यापारियों का मानना है कि यह निर्णय अन्यायपूर्ण है और कृषि मंडी शुल्क टिम्बर जैसे उत्पादों पर नहीं लगाया जाना चाहिए। टिम्बर व्यापारी सरकार से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की है।

टिम्बर और प्लाईवुड मार्चेंट वेल्फेयर सोसाइटी उदयपुर के पदाधिकारियों ने राज्य सरकार द्वारा टिम्बर पर कृषि मंडी शुल्क लगाए जाने के निर्णय का विरोध किया है। अध्यक्ष रविंद्र सिंह चौहान की अध्यक्षता में यह निर्णय लिया गया कि टिम्बर पर कृषि मंडी शुल्क का कोई तर्कसंगत आधार नहीं है, इसलिए व्यापारी इसे स्वीकार नहीं करेंगे। व्यापारियों का मानना है कि टिम्बर का कृषि से कोई संबंध नहीं है, बल्कि इसका संबंध वन से है, और यह एक वन उत्पाद है। इसलिए, टिम्बर पर कृषि मंडी शुल्क लगाना अनुचित है। उनका यह भी कहना है कि टिम्बर का कृषि मंडी से कोई संबंध नहीं है, इसलिए इस शुल्क को लागू करने का कोई औचित्य नहीं है। राजस्थान सरकार ने कृषि उपज मंडी में इमारती लकड़ी पर मंडी एवं कृषक कल्याण शुल्क लगाने का निर्णय लिया है, लेकिन व्यापारी इस से असहमत हैं। उदयपुर टिम्बर एंड प्लाइवुड मर्जेंट वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष रविंद्र सिंह चौहान और सचिव कीर्ति सोनी सहित अन्य व्यापारियों ने राज्य सरकार से अपील की है कि टिम्बर पर कृषि मंडी शुल्क लगाए जाने के फैसले को नए सिरे से लागू करने का कोई प्रयास नहीं किया जाए। उनका मानना है कि यह शुल्क पूरी तरह से अनुचित है।

डॉ. आशीष सिंघल को किया सम्मानित

उदयपुर (पुकार)। पारस हेल्थ उदयपुर ने 100 से अधिक सफ ल रोबोटिक घुटना सर्जरी की उपलब्धि के मौके पर वरिष्ठ सर्जन डॉ. आशीष सिंघल को सम्मानित किया। उनकी इस उपलब्धि ने न्यूनतम इनवेसिव और सटीक सर्जरी से मरीजों को तेजी से रिकवरी में मदद पहुंचाई है। इस कार्यक्रम में एंटी करप्शन ब्यूरो के डीआईजी राजेंद्र प्रसाद गोयल, उत्तर-पश्चिम रेलवे के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेश चंद मीना, महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान के अध्यक्ष भंवर सेठ और कुमावत वरिष्ठ नागरिक ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिशंकर कुमावत समेत कई सम्मानित अतिथि मौजूद रहे। डॉ. आशीष सिंघल के अनुसार, रोबोटिक तकनीक से घुटना सर्जरी अधिक सटीक, कम दर्दनाक और तेजी से रिकवरी में सहायक होती है। यह तकनीक सर्जन को इंप्लांट्स को बेहतर ढंग से एलाइन करने में मदद करती है, जिससे मरीजों को कम दर्द और जल्दी स्वस्थ होने का लाभ मिलता है। डॉ. सिंघल ने कहा - हमारा उद्देश्य मरीजों को कस्टमाइज्ड और प्रभावी इलाज देकर लंबे समय तक बेहतर परिणाम देना है। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने पारस हेल्थ उदयपुर की पहल की सराहना की। डॉ. महेश चंद मीना ने कहा - आर्थोपेडिक देखभाल में पारस हेल्थ का नवाचार और मरीजों की गतिशीलता व स्वतंत्रता को बेहतर बनाने का समर्पण प्रशंसनीय है। प्रत्येक रिकॉर्ड के साथ, हॉस्पिटल गुणवत्ता, सटीकता और रोगी संतुष्टि पर अपना ध्यान केंद्रित करता है।

बी प्लस

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन 2025 तक 3500 स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस स्थापित करेगा

उदयपुर (पुकार)। एचडीएफसी बैंक ने अपनी सीएसआर पहल 'परिवर्तन' के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से पूरे भारत में यंग माइंड्स के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को याद करते हुए बाल दिवस मनाया। इस अवसर पर बैंक ने 'लिटिल स्माइल बिग ड्रीम्सथ' नामक एक डिजिटल अभियान शुरू किया है, जिसमें 'एचडीएफसी बैंक परिवर्तन' द्वारा समर्थित स्कूलों के प्रतिभाशाली युवा छात्रों को दिखाया गया है। पिछले 10 वर्षों में, परिवर्तन ने 2.16 करोड़ से अधिक छात्रों के जीवन को प्रभावित किया है, 20.22 लाख से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है और 2.87 लाख से अधिक स्कूलों को सहायता प्रदान की है।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने 2025 को देखते हुए, स्पष्ट उद्देश्य निर्धारित किए हैं, जिनमें यह सुनिश्चित करना कि स्कूलों में 20 लाख छात्र कक्षा-उपयुक्त सीखने के स्तर को प्राप्त करें। 3,500 स्कूलों में डिजिटल शिक्षा और प्रौद्योगिकी को अपनाते हुए स्मार्ट कक्षाएं स्थापित करना एवं 25,000 वंचित छात्रों को सहायता प्रदान करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करना, ताकि निरंतर शिक्षा और उज्जवल भविष्य तक पहुँच सुनिश्चित हो सके, इत्यादि शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय ने तीन कंपनियों के साथ किया करार

उदयपुर (पुकार)। राइजिंग राजस्थान 2024' के तहत राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय उदयपुर ने बुधवार को तीन कंपनियों के साथ करार सम्पन्न किए। महाविद्यालय के ट्रेनिंग-प्लेसमेंट व एमओयू प्रभारी ललित कुमार राजक ने बताया कि आर्कगेट, एमएसएमई व टाइटेनियम एजुकेशन उदयपुर के साथ ट्रेनिंग, प्लेसमेंट, टेक्निकल विजिट एवं एक्सपर्ट लेक्चर के लिए करार हुए, जो महाविद्यालय के फेकल्टी, स्टाफ एवं छात्रों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य सीएस टांक व तीनों कंपनियों के प्रतिनिधि के मध्य यह करार संपन्न हुआ। इस अवसर पर आर्कगेट के प्रतिनिधि मनीष जोशी, एमएसएमई उदयपुर के गणेश एम एवं टाइटेनियम एजुकेशन के मुकेश जनवा उपस्थित रहे।

बुलडोजर न्याय पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला, तानाशाही पर रोक लगाने वाला

उदयपुर (पुकार)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) जिला कमेटी उदयपुर, बुलडोजर न्याय पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश व फैसले का स्वागत करती है। भाजपा सरकार बनने के बाद उतरप्रदेश, मध्यप्रदेश, उतराखंड, राजस्थान, हरियाणा, आसाम, दिल्ली सहित अन्य स्थानों पर भाजपा ने विरोधी नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, अल्पसंख्यक लोगों तथा अपराध मिटाने के नाम पर एफ आई आर दर्ज होते ही घर का नक्शा, अवैध जगह और बुलडोजर न्याय के नाम पर बिना नोटिस, पर्याप्त सुनवाई का अवसर दिये बगैर लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाकर 2022 और 2023 में 1.53 लाख घरों को बुलज़ोडर से ढहा दिया. जिसके चलते गाँव, देहात और शहर में क़रीब 7.38 लाख लोग बेघर कर दिये गये।

माकपा जिला सचिव राजेश सिंघवी ने कहा कि बुलडोजर न्याय पर सर्वोच्च न्यायालय बुलडोज़र का फैसला भाजपा सरकार और नौकरशाही की तानाशाही पर रोक लगाने का काम करेगा। नौकरशाही में बैठे अधिकारी संवैधानिक दायित्व निभाने की बजाय भाजपा अधिकारियों की कठपुतली बनकर बुलडोजर चला रहे थे। उदयपुर में मकान मालिक का पता तक न कर भाजपा नेताओं को संतुष्ट करने के लिए बुलडोजर चला दिया। माकपा शहर सचिव हीरालाल सालवी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से संविधान और हजारों लोगों के घर बुलडोजर से बचेगे। देश में भाजपा नेता किसी के घर पर बुलडोजर चलाने की धमकी देते रहते थे। संविधान में सरकार का काम किसी को बेघर करना नहीं बल्कि बेघर को घर देना है। बुलडोजर न्याय प्रशासन द्वारा अपनी नाकामी छिपाने का खेल था।

भाजपा देहात जिला अध्यक्ष का मनाया जन्मदिवस

उदयपुर (पुकार)। भारतीय जनता पार्टी देहात जिला अध्यक्ष चंद्रगुप्त सिंह चौहान का जन्मदिवस दक्षिण विस्तार स्थित भारतीय जनता पार्टी के नवीन कार्यालय में मनाया गया। सलूंबर मतदान की संपूर्ण प्रक्रिया को पूर्ण करने एवं मतदान संपन्न होने के पश्चात कार्यकर्ताओं को पार्टी कार्यालय पर एकत्रित किया गया एवं केक काटकर जिला अध्यक्ष चंद्रगुप्तसिंह चौहान को स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, पूर्वमंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी, सांसद मन्नालाल रावत, राज्यसभासासद चुन्नीलाल गरासिया, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष मांगीलाल जोशी, पूर्व जिला उप प्रमुख सुंदर लाल भाणावत, शैलेंद्र चौहान, महामंत्री दीपक शर्मा, आकाश वागरेचा, पूर्व जिला प्रमुख शांतिलाल मेघवाल, उप जिला प्रमुखपुष्कर तेली, महिला प्रदेश उपाध्यक्ष पिंकी मांडावत, पूर्व महापौर रजनी डांगी, निकाय प्रकोष्ठ के संभागीय सयोजक नानालाल वया, मीडिया संभाग प्रभारी चंचल कुमार अग्रवाल, भाजयुमो पूर्व मंडल महामंत्री राजेश स्वर्णकार आदि उपस्थित थे।

3100 ताम्र कलशों की निकली जल यात्रा

बांसवाड़ा (पुकार)। घाटोल कस्बे में आयोजित 8 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा एव गंगोज के धार्मिक आयोजन का समापन मुख्य यजमान नरेंद्रदास पुत्र नारायण दास वैष्णव व परिवार के सानिध्य में 3100 तांबे के कलशो की भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। शिवशक्ति परिसर से ताम्र कलशो में पवित्र गंगाजल भर कर गाजे बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो मुख्य मार्ग से होते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची। मार्ग में धार्मिक गीतों पर महिलाओं ने नृत्य किया। कार्यक्रम स्थल पर शोभायात्रा का विराम हुआ। महाप्रसादी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में यजमान परिवार सहित वैष्णव समाज जनों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कथावाचक अनुजदास महाराज, लालीवाव मठ के हरिओम शरणदास महाराज, गौसेवा प्रमुख भुवनमुकुंद पंड्या, जयमाला सहीत कई जानी माना हस्तियां मौजूद रही। अतिथियों का स्वागत नरेंद्रदास, मितेश, रजत, बालकृष्ण, दिलीप वैष्णव ने स्वागत किया। संचालन डॉ. सुंदरलाल पंचाल, कवि दीतेश दीप जोशी ने किया जबकि आभार कुलदीप गृहस्थी ने माना।

3 टॉवरों से उपकरण चोरी

उदयपुर (पुकार)। सुखेर थाना क्षेत्र में इंडस टॉवर कंपनी के तीन टॉवरों से अज्ञात चोर उपकरण चुरा ले गए।

पुलिस सूत्रों के अनुसार बम्बोरा निवासी सुरक्षाधिकारी सांवतसिंह ने रिपोर्ट दी कि इन्डस टावर कम्पनी का मोबाइल टावर जोशियों की बावडी सबलपुरा, प्रतापपुरा व आरटीओ आफिस के पास स्थित टॉवर के उपकरण चोरी हो गए। ये चोरियां तकनीकी जानकारी रखने वाले द्वारा की गई है। इनमें राज सैनी, पवन, विनोद, आकाश शामिल हो सकते है।

संविदा कर्मियों के नियमितीकरण की मांग

बांसवाड़ा (पुकार)। राजस्थान पंचायत शिक्षक विद्यालय संघ के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाध्यक्ष बालचंद निनामा के नेतृत्व में जिला शिक्षाधिकारी प्रारंभिक कार्यालय में संस्थापना शाखा के कार्मिकों से संविदा कर्मियों के नियमितीकरण के लिये राज्य सरकार द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया की पालना में शिक्षा विभाग के आदेश अब तक जारी नही होने के संदर्भ में चर्चा की। संघ ने शीघ्र आदेश जारी करते हुए पंचायत शिक्षकों एवं विद्यालय सहायकों को प्रक्रिया में शामिल करते हुए राहत देने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल में जिला महासचिव जगदीश यादव, जिला संगठन मंत्री राकेश रावल, जिला कोषाध्यक्ष वीरेंद्रसिंह चौहान, महिला प्रतिनिधि निताशा राठौड़, प्रियंका पाठक शामिल रहे।

विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत

उदयपुर (पुकार)। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में डेढ़ साल पूर्व प्रेम विवाह करने वाली युवती की संदिग्ध परिस्थितयों में मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार लकड़वास फलां उदयनिवास निवासी तुलसी गमेती (20) ने डेढ़ वर्ष पूर्व इंद्र गमेती से प्रेम विवाह किया था। यह डांगियों की पंचोली निवासी भंवरलाल गमेती की पुत्री है। मंगलवार के उसे अचानक खून की उल्टी हुई और पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवती को एमबी चिकित्सालय लाई जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सर्दी बढ़ने के साथ ही झीलों की नगरी में कोहरे का असर दिखने लगा

उदयपुर (पुकार)। सुबह-शाम सर्दी का असर तेज होने के साथ ही उदयपुर जिले में कोहरे का असर दिखने लगा है। इन दिनों झीलों के आसपास और हाइवे पर सुबह के समय कोहरे का असर साफ नजर आ रहा है। उदयपुर के मादड़ी क्षेत्र में हाईवे पर बुधवार सुबह 7 बजे तक भी कोहरा छाया रहा। कोहरे के चलते सूर्योदय से पहले हाइवे पर वाहनों की स्पीड कम नजर आ रही है। जैसे जैसे ठंड बढ़ेगी झीलों के आसपास भी कोहरे का असर ज्यादा नजर आने लगेगा। बात रात के तापमान की करे तो उदयपुर में रात का तापमान 15 डिग्री पर आ गया है। इसके चलते रात के समय सर्दी का असर ज्यादा है। दिन का तापमान 32 डिग्री के करीब है इसके चलते उदयपुर में दिन के समय अभी भी गर्मी का असर बना हुआ है।

फोटो : लकी जैन, उदयपुर

मनुष्य गति के जीव संतों के दर्शन कर सम्यक्त्व प्राप्त करते हैं : आचार्य विजयराज

उदयपुर (पुकार)। केशवनगर स्थित अरिहंत वाटिका में आत्मोदय वर्षावास में बुधवार को हुक्मगच्छाधिपति आचार्य जी विजयराज जी म.सा. ने कहा कि चारों गति के जीव सम्यक् दर्शन की प्राप्ति कर सकते हैं। नारकीय जीव वेदना से, तिर्यंच के जीव संवेदना से, मनुष्य गति के जीव संत दर्शन से एवं देवता देशना सुनते-सुनते एवं प्रभु की भक्ति करते-करते सम्यक्त्व की प्राप्ति कर सकते हैं। नरक में वेदना भोगते-भोगते नारकियों की भाव दया, परिणाम धारा हलुकर्मी बन जाती है तो नरक के जीव सम्यक्त्व प्राप्त कर लेते हैं। तिर्यंच गति के जीव संवेदनाशील होते हैं। मेघ कुमार ने हाथी के भव में खरगोश पर दया करके उसका जीवन बचाया और सम्यक्त्व की प्राप्ति की। मनुष्य गति के जीव संतों के दर्शन कर सम्यक्त्व प्राप्त करते हैं। भगवान महावीर के समकालीन महाराजा श्रेणिक ने अनाथी मुनि के रूप को देखा और फिर नित्य आत्म स्वरूप को समझ कर सम्यक्त्व प्राप्त किया। देवता त्याग-प्रत्याख्यान तो नहीं कर सकते हैं पर प्रभु की देशना का श्रवण अवश्य कर सकते हैं, इसी प्रकार प्रभु की भक्ति करते हुए भी सम्यक्त्व प्राप्त कर लेते हैं। आपने कहा कि यहां प्रवचन सभा में उपस्थित जन वेदना का अनुभव भी करते ही हैं, आप संवेदनशील भी हैं, संतों के दर्शन भी आप कर रहे हैं एवं जिनवाणी की देशना भी सुन रहे हैं। आप में से जिन जीवों में आत्मावलोकन घटित होता है वे सम्यक्त्व प्राप्त कर लेते हैं। सम्यक्त्व की प्राप्ति के बाद इसकी सुरक्षा भी जरूरी है। उपाध्याय श्री जितेश मुनि जी म.सा. ने कहा कि कर्ज एवं मर्ज को, घाव को छोटा मत समझो। समय रहते कर्ज का चुकारा करना एवं मर्ज को प्रारम्भ में ही पहचान कर उसका इलाज करवाना बुद्धिमत्ता है। हम पर जन्मदाता माता-पिता, जीवन को चलाने में छह काय जीवों का, जीवन को संस्कारित करने वाले गुरूजनों का एवं रोजी-राटी देने वालों का भी कर्ज एवं उपकार है। हमसे गलती से भी थोड़ा सा पाप हो जाए तो तुरन्त उसकी आलोचना कर हल्का बनें एवं समय पर उपकारकर्ताओं का कर्जा चुकाएं। मंत्री पुष्पेन्द्र बड़ाला ने बताया कि प्रवचन सभा में मंगलवाड़ से श्रद्धालुओं की बस आई जिसमें पूर्व विधायक ललित ओस्तवाल ने प्रज्ञारत्न जी के चातुर्मास हेतु विनती रखी।

बाइक आगे चल रहे ट्रोले में जा घुसी, दो युवकों की मौत

उदयपुर (पुकार)। शहर के गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में बाइक आगे चल रहे ट्रोले के टकराने से दो युवकों की मौत हो गई।

पुलिस के अुनसार काया स्वागतद्वार के पास बुधवार को खेरवाड़ा की ओर से बाइक पर आ रहे दो युवक आगे चल रहे ट्रोले के चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने से बाइक समेत ट्रोले में जा घुसे। दुर्घटना में गंभीर घायल नया गांव खेरवाड़ा निवासी नवीन (19) पुत्र रमेशचंद्र परमार की कल मध्य रात्रि को उपचार के दौरान मौत हो गई थी। जबकि इसके साथी शेखर प्रसाद निनोमा को बुधवार को मौत हो गई।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

उदयपुर (पुकार)। सविना थाना क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार तीन दिन पूर्व महाराज का अखाड़े के पास रेलवे ट्रेक पर अज्ञात युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई थी जिसकी शिनाख्त बुधवार को उसके पिता ने की। मृतक की पहचान विजय सिंह पथिक नगर सवीना निवासी सायर (31) पुत्र पन्नालाल लौहार के रूप में हुई। यह गत 10 नवम्बर को महाराज के अखाड़े की तरफ रेलवे लाइन पर चल रहा था कि ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौत हो गई थी।

युवती ने फांसी लगाई, प्रेमी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज

उदयपुर (पुकार)। शहर के रेती स्टैंड क्षेत्र में युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने उसके प्रेमी पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कराया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार बावलवाड़ा हाल रेती स्टैंड निवासी मोनिका (19) पुत्री लक्ष्मण लाल खराडी अपने भाई के साथ किराये के कमरे में रहते हुए एसटीसी की तैयारी कर रही थी। बुधवार सुबह साढे नौ बजे भाई के काम पर जाने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने बताया कि उसका प्रेमी उस पर शादी के लिए दबाव बना रहा था। पिता ने प्रेमी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करवाया।

विश्व गुणवत्ता दिवस पर हिन्दुस्तान जिंक ने उच्च गुणवत्ता और नवाचार के प्रति दोहराई प्रतिबद्धता

हिन्दुस्तान जिंक की विशाल उत्पाद श्रृंखला उच्च गुणवत्ता वाले अंतर्राष्ट्रीय मानकों के लिए प्रमाणित है

उदयपुर (पुकार)। विश्व गुणवत्ता दिवस के अवसर पर देश की सबसे बड़ी और विश्व की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों और नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। कंपनी के व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो में जिंक, लेड और सिल्वर जैसे महत्वपूर्ण खनिज शामिल हैं, जो उच्चतम अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए प्रमाणित हैं। हिन्दुस्तान जिंक भारतीय जिंक और लेड उद्योग में पहली ऐसी कंपनी है, जिसने प्रतिष्ठित नेशनल एक्रेडीटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एण्ड कैलिब्रेशन लेबोरेटरिज से प्रमाणित है जो गुणवत्ता और विश्वसनीयता में वैश्विक मानकों के अनुरूप है।

इसके अलावा, कंपनी के जिंक और लेड उत्पादों को लंदन मेटल एक्सचेंज में भी पंजीकृत किया गया है, जो उनके अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के निर्विवाद प्रमाण के रूप में कार्य करता है। कंपनी को 99.99 प्रतिशत शुद्ध सिल्वर के उत्पादन और कच्चे माल के जिम्मेदार सोर्सिंग को सुनिश्चित कर अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के पालन के लिए प्रतिष्ठित लंदन बुलियन मेटल एसोसिएशन से भी प्रमाणन प्राप्त हुआ है।

हिन्दुस्तान जिंक के पास आरईएसीएच प्रमाणन भी है, जो यूरोपीय संघ को उत्पादों का निर्यात करने के लिए आवश्यक है। यह प्रमाणन सुनिश्चित करता है कि हिंदुस्तान जिंक के उत्पाद सभी 27 यूरोपीय संघ सदस्य राज्यों में कड़े सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय मानकों का पालन करते हैं। कंपनी भारत में भी उतने ही उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करती है जितने कि यूरोप और अन्य विकसित बाजारों में।

इन गुणवत्ता मानकों को प्राप्त करने के लिए, कंपनी धातु निर्माण में अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग, उन्नत प्रक्रियाओं का लाभ, और गहन अनुसंधान और विकास में निवेश करने के साथ ही विश्व में श्रेष्ठ प्रौद्योगिकियों का उपयोग करता है। उत्पाद उत्कृष्टता में लगातार उच्च स्तर को बढ़ाकर, हिंदुस्तान जिंक बदले में अपने ग्राहकों को उच्च-गुणवत्ता वाले अंतिम उत्पाद विकसित करने में सशक्त बनाता है जो बुनियादी ढांचे, इस्पात, ऑटोमोटिव और हाई-टेक विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी प्रौद्योगिकियों और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे उद्योगों में विकसित मांगों को पूरा करते हैं।

हुंडैस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्यकार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने कहा कि, 1990 के दशक की शुरुआत में भारत की अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद से, भारतीय कंपनियों ने आईएसओ 9000 मानकों को तेजी से अपनाकर लागत दक्षता और वैश्विक गुणवत्ता मानकों में अपनी प्रतिस्पर्धा का प्रदर्शन किया है। भारत खुद को एक वैश्विक विनिर्माण शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है, बेहतर गुणवत्ता भारतीय कॉर्पोरेशन्स के लिए भारत की विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा देने का केंद्र बिंदु बन गई है। हिंदुस्तान जिंक के लिये ग्राहक प्रसन्नता हमारे सभी प्रयासों के केंद्र में है, उत्पाद और सेवा उत्कृष्टता को बढ़ावा देती है। इस विश्व गुणवत्ता दिवस पर, हम अपने व्यवसाय के हर पहलू में कुल गुणवत्ता प्रबंधन के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। जिंक, लेड और सिल्वर के उत्पादन में विनिर्माण उत्कृष्टता से लेकर खरे मानदंडों तक, हम अपने ग्राहकों को एक विशिष्ट प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त और बेजोड़ मूल्य प्रदान करने के लिए हर कदम पर गुणवत्ता को प्राथमिकता दे रहे हैं।

डॉक्टर दंपती के साथ मारपीट व लूट के मामले में 3 गिरफ्तार

बांसवाड़ा (पुकार)। सदर थाना पुलिस ने गांव गुर्जरवाड़ा नेशनल हाईवे पर डॉक्टर दंपत्ति के साथ मारपीट कर लूट करने के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया ने बताया कि 10 नवंबर को प्रार्थी रविन्द्र डामोर निवासी नरवाली टामटिया थाना खमेरा ने रिपोर्ट दी कि वह अपनी पत्नी उषा चरपोटा व पांच वर्षीय पुत्र नव्यांश डामोर के साथ कार से बांसवाड़ा जाने के लिये लगभग साढ़े पांच बजे रवाना हुए। राह में मित्र लोकेश की दुकान के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेने के लिये वे रुके और साढ़े छः बजे खमेरा से बांसवाड़ा के लिये निकले। राउमावि सुरपुर तिराहा मोड़ पर सामने से एक बोलेरो गाड़ी का चालक तेज गति व लापरवाही से चलाता हुआ गाड़ी को लहराते हुए प्रार्थी की गाड़ी की दाहिनी तरफ का साईड ग्लास तोड़ते हुए आगे निकल गया।

बोलेरो गाड़ी वालों ने वापस गाड़ी घुमाकर प्रार्थी की गाड़ी का पीछा किया और गाड़ी रुकवाने का प्रयास किया। साथ में पत्नी व बच्चा होने से प्रार्थी ने गाड़ी दौड़ाई। गुर्जरवाड़ा पर बोलेरो चालक ने ऑवरटेक करते हुए गाड़ी आगे लाकर रुकवा दी।

गाड़ी रुकते ही बोलेरो से पांच-छः लड़के उतरे और पत्थरों तथा लातो-घुसों से हमला कर दिया। जिससे गाड़ी के आगे का मेन ग्लास व ड्राइवर साइड के फाटक का ग्लास टूट गया तो इन लोगों ने हाथ डालकर कपड़े फाड़ दिये और प्रार्थी को खीचकर नीचे उतारा जिससे उसे चोटे आयी।

इस दौरान पत्नी ने बीच बचाव किया तो इन लोगों ने उसके कपड़े अस्त- व्यस्त कर दिये और जबरदस्ती करने लगे।

गाली-गलौच करते हुए मोबाईल छीन लिया। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया।

जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने घटना के शीघ्र खुलासे के निर्देश दिये। जिस पर थानाधिकारी बुधाराम बिश्नोई मय जाप्ता जिसमें सहायक उपनिरीक्षक हरिशचंद्र सिंह, रमेशचंद्र, परीक्षित, हैड कांस्टेबल कांतिलाल, फुलशंकर, कांस्टेबल यशवर्धन सिंह राव, सुरेन्द्र सिंह, गौरव कुमार, राहुल, चालक कांस्टेबल लोकेन्द्र सिंह की टीम ने बदमाशों की तलाशी शुरु की।

पुलिस ने मामले में रकमचंद पुत्र मनजी मईड़ा, दिनेश पुत्र मनजी मईड़ा तथा दिनेश पुत्र फुलिया मईड़ा सभी निवासी गणेशलाल पाड़ला थाना भूंगड़ा को डिटेन कर पूछताछ की एवं घटना में प्रयुक्त बोलेरो गाड़ी जब्त की गयी।

लूटे गये मोबाईल फोन की बरामदगी व अनुसंधान के लिये तीनों आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

पौने तीन किलो अफीम परिवहन करते युवक गिरफ्तार

बांसवाड़ा (पुकार)। पुलिस थाना खमेरा ने 2 किलो 71 ग्राम अवैध अफीम परिवहन करते एक युवक को गिरफ्तार कर टेम्पों जब्त किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि नाकाबंदी के दौरान थाना खमेरा के सामने एनएच 56 टेम्पो की तलाशी में खेमराज पुत्र अंबालाल मीणा निवासी ढलमु मानपुरा थाना धमोतर जिला प्रतापगढ़ के कब्जे से अफीम जब्त की गयी वहीं टेम्पो जब्त किया गया। अनुसंधान मोटागांव थानाधिकारी रामसिंह करेंगे। पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला, एएसपी डॉ. राजेश भारद्वाज, वृत्ताधिकारी महेन्द्र कुमार के निर्देशानुसार थानाधिकारी मय हेड कांस्टेबल महीपाल सिंह, कांस्टेबल भोपराज, रमणलाल ने नाकाबंदी के दौरान प्रतापगढ़ की तरफ से आते हुए टेम्पों को रोका तो टेम्पों के केबिन में चालक सीट के नीचे उक्त अवैध अफीम पायी गयी। पुलिस टीम में रमेशचन्द्र सेन, हैड कांस्टेबल महीपाल सिंह व रणछोड़लाल बुनकर, कांस्टेबल रमणलाल रेबारी, भोपराज व मोहनलाल रेबारी शामिल रहे। मामले में थानाधिकारी रमेशचंद्र सेन एवं कांस्टेबल भोपराज मीणा की विशेष भूमिका रही।

ब्रह्मकुमारी विवि के नवीन परिसर का भूमि पूजन

बांसवाड़ा (पुकार)। शास्त्री नगर अगरपुरा में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के नवीन परिसर का भूमि पुजन संस्था की राजस्थान जॉन प्रभारी पूनम व रीटा दीदी के सानिध्य में किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रुप में नगर परिषद सभापति जैनेन्द्र त्रिवेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष लाभचंद पटेल व पार्षद श्याम राणा मौजूद रहे। प्रारंभ में उदयपुर जॉन प्रभारी रीटा दीदी ने स्वागत उद्बोधन दिया।

राज्य जॉन प्रभारी पूनम दीदी ने कहा कि हमारा उद्देश्य स्व से विश्व परिवर्तन है वहीं ईश्वरीय ज्ञान देकर राजयोग के माध्यम से भीतर की शक्तियों को जगाकर परमात्मा से मन के तार जोड़कर आंनद की अनुभूति

कैसे प्राप्त हो यह सिखाया जाता है। सभापति जैनेन्द्र त्रिवेदी ने कहा कि संस्था के सेंटरों द्वारा मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वच्छ मन व तन से निरोगी बनाने के प्रयास सराहनीय है। भाजपा जिलाध्यक्ष लाभचंद पटेल ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्मकुमारी संस्था वर्षों से समाज में नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों का प्रचार-प्रसार कर रही है। यह संस्था समाज को शांति, संयम और सच्चाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि नवीन केंद्र से न केवल क्षेत्र में बल्कि दूरदराज के लोगों को भी ईश्वर से जुड़ने, सकारात्मकता को अपनाने और आत्मिक उन्नति का मार्ग प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि यह आध्यात्मिक केंद्र समाज में नई चेतना का संचार करेगा। पार्षद श्यामा राणा ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति संकल्पिक होकर अपने जीवन में दिव्य गुणों को धारण करे।

राष्ट्रीय तीरंदाजी में सात गोल्ड एवं 1 ब्रॉन्ज मेडल लेकर लौटा विद्यालयी दल

बांसवाड़ा (पुकार)। राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में राज्य के दल ने सात गोल्ड एवं एक ब्रांज मेडल जीतकर गुजरात के नड़ियाद में राजस्थान दबदबा कायम किया है। राष्ट्रीय टीम के दलाधिपति एवं उप जिला शिक्षा अधिकारी शारीरिक शिक्षा बापूलाल माली ने बताया कि दल के व्यक्तिगत स्पर्धा में 50 मीटर एकल के प्रथम राउण्ड में सेंट जेवियर स्कूल बहरोड़ के वासु यादव ने 360 में से 352 अंक, 50 मीटर एकल के द्वितीय राउण्ड में वासु यादव ने 360 में से 352 अंक, ऑल ऑवर एकल राउण्ड में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं दलीय स्पर्धा में भी सर्वाधिक अंक अर्जित करने पर वासु यादव को चार गोल्ड मेडल मिले। वहीं दलीय स्पर्धा में गंगानगर के प्रबल प्रताप, जोधपुर के आदित्य भाटी एवं जयपुर के किशनगोपाल ने राजस्थान के लिए स्वर्ण पदक जिता। छात्रा वर्ग में डाल्फिन स्कूल जयपुर की धृति शर्मा ने 17 वर्ष आयु वर्ग में 60 मीटर दूरी पर 360 में से 336 अंक अर्जित कर ब्रांज मेडल जीता।

प्रदेश के दल के साथ गये टीम कोच आनन्द स्वामी, महेश गरासिया, टीम मैनेजर यशोदा गरासिया, प्रशान्त पड़वाल, राकेश कटारा, अचल मालोत व राजेश्वरी व्यास का बुधवार को अभिनन्दन किया गया। इस मौके पर शारीरिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विनोद पानेरी, क्रीड़ा भारती के जिलाध्यक्ष सतीश भण्डारी, संयुक्त कर्मचारी महासंघ के विरेन्द्रसिंह राठौड़ सहित विभिन्न पदाधिकारियों ने स्वागत किया।

फिल्म के माध्यम से दिया जल संरक्षण का संदेश

बांसवाड़ा (पुकार)। आरयूआईडीपी के सामुदायिक जागरूकता एवं जन सहभागिता कार्यक्रम के तहत शहर के महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी स्कूल हाउसिंग बोर्ड में परियोजना के तहत किये जाने वाले आधारभूत विकास कार्यो एवं वर्तमान समय में जल संरक्षण की आवश्यकता व पेयजल बचाने के उपायों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को जलसंरक्षण पर बनी फिल्म पानी पर हक हैं हमारा दिखाई गई। सामुदायिक जागरूकता एवं जन सहभागिता इकाई के सामाजिक विकास विशेषज्ञ सुजीत शरण ने परियोजना के तहत शहर के विकास में किये जाने वाले कार्यो पेयजल एवं सीवरेज लाईन के साथ बनाये जाने वाले स्वच्छ जलाशयों, उच्च जलाशयो तथा पानी के नेटवर्क के बारे में जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को जल का महत्व बताते हुए कहा कि यदि जल का दुरूपयोग नहीं रोक पाये तो आने वाले समय में भारी परेशानियों का सामना करना पडेगा अतः सबको जल बचाने की ओर ध्यान व आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

उन्होंने विद्यार्थियों को पेयजल का महत्व बताते हुए इसके संरक्षण के उपाय बताते हुए कहा कि हमने भूजल का अत्यधिक दोहन कर भूमिगत जल एवं पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया है। साथ ही विद्यार्थियों से विद्यालय के साथ घर, परिवार एवं मोहल्ले में लोगों को पानी बचाने के लिये प्रेरित करने की अपील करते हुए जल संरक्षण के विभिन्न तरीको की जानकारी दी।

विद्यार्थियों को फिल्म के माध्यम से जल संरक्षण के छोटे-छोटे तरीको की जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में सहायक सामाजिक विकास विशेषज्ञ हेमांग जोशी ने विद्यार्थियों को जल संरक्षण के छोटे-छोटे उपायों के माध्यम से जानकारी देते हुए सभी से अपील की कि अपने विद्यालय के साथ अपने घरो में भी जल की बचत पर ध्यान दे। उन्होंने परियोजना द्वारा की जा रही सीवरेज कार्य की जानकारी भी दी।

प्रधानाचार्य रमेश चन्द्र तेली, अध्यापक दिपेश जोशी, भावना दवे तथा भावना पाठक सहित विद्यालय के लगभग 70 विद्यार्थियों ने जल संरक्षण एवं अन्यों को भी इसके लिये प्रेरित करने की शपथ ली। आयोजन में एसओटी ज्योति जोशी, शालिमा पंडया, गोपाल एवं विद्यालय स्टाफ ने सहयोग प्रदान किया।

राहगीर से चाकु की नोंक पर मोबाइल लूट का आरोपी गिरफ्तार, एक अपचारी डिटेन

उदयपुर। सविना थाना पुलिस ने चाकू दिखा मोबाइल लूटने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही एक अपचारी को डिटेन किया है। थानाधिकारी अजयसिंह राव ने बताया कि राजू पुत्र तुलसीराम मेघवाल निवासी मोरडी से भौमिया बायजी मन्दिर के पास चाकू दिखाकर मोबाइल लूटने के मामले में आरोपी करण पुत्र उदयलाल ओड निवासी विजय सिंह पथिक नगर को गिरफ्तार किया, जबकि एक अपचारी को डिटेन किया।

मकान निर्माण का काम आने वाली प्लेटें चोरी

उदयपुर। सविना थाना क्षेत्र में मकान निर्माण का काम करने वाले ठेकेदार की लोहे की प्लेंटों को एक बाड़े से अज्ञात चोर चुरा ले गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार मावली निवासी शंकर लाल पुत्र सवाजी मेघवाल ने रिपोर्ट दी कि वह ठेकेदारी में मकान बनाने का काम करता है। उसने बिल्डिंग निर्माण में काम आने वाला सामान आम्बा फला रोड पर भगवती लाल मेनारिया के बाडे में रखा था, जहां से 20 अक्टूबर की रात चोर करीब 36 लोहे की प्लेटें चुरा ले गए।

सम्पादकीय

तंत्र पर पटाखों के ठहाके

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में जानलेवा प्रदूषण के दौरान जमकर हुई पटाखेबाजी पर तल्ख टिप्पणी की है। प्रदूषण संकट को देखते हुए इस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है कि कोई भी धर्म प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधि को प्रोत्साहित नहीं करता। यही वजह है कि कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों पर लगे प्रतिबंध को सालभर के लिये लागू करने हेतु एक पखवाड़े के भीतर ही फैसला ले। वहीं दूसरी ओर सरकारों को जिम्मेदारी का अहसास कराते हुए कोर्ट ने याद दिलाया कि अनुच्छेद 21 के तहत प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहना आम नागरिक का मौलिक अधिकार है। वहीं कोर्ट ने धर्म की वास्तविक व्याख्या को बताते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी धर्म द्वारा किसी ऐसे काम को प्रोत्साहित नहीं किया जाता है, जो समाज या व्यक्ति के लिये नुकसानदायक हो। यानी धर्म तो मानव मात्र के कल्याण के लिये सदैव आकांक्षी रहता है। निश्चित रूप से अदालत ने स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया कि किसी सामूहिक या व्यक्तिगत खुशी के लिये विषम परिस्थितियों में पटाखे चलाना दूसरे व्यक्ति के नागरिक अधिकारों का भी हनन है। विडंबना यह है कि पटाखों पर प्रतिबंध को लोग धार्मिक अस्मिता से जोड़ लेते हैं। हम यह याद नहीं रखते हैं कि पटाखों से होने वाले प्रदूषण से उन लोगों पर क्या गुजरती होगी, जो श्वसनतंत्र से जुड़े रोगों से जूझ रहे हैं। कमोबेश यही स्थिति उम्रदराज नागरिकों, अस्पतालों में उपचार हेतु भर्ती लोगों तथा धमाकों के प्रति अधिक संवेदनशील व्यक्तियों को लेकर भी होती है। यह सवाल तार्किक है कि क्या खुशी की अभिव्यक्ति का कोई रिश्ता पटाखों से होता है? वह भी उस स्थिति में जब देश की राजधानी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में गिनी जाती हो। कोर्ट ने इस मामले में दिल्ली पुलिस को भी फटकार लगाई कि वह पटाखों पर लगे प्रतिबंध को अमल में नहीं ला पायी। हालांकि, पुलिस की मजबूरी का एक पहलू पर्व की संवेदनशीलता व इस मामले में राजनीतिक हस्तक्षेप भी रहता है।

हालांकि, आलोचक पर्व-त्योहार पर पटाखों पर प्रतिबंध की तार्किकता को लेकर सवाल भी उठाते हैं। उनका कहना होता है कि यदि दिवाली पर पटाखों पर प्रतिबंध लगता है तो अन्य धर्मों के पर्वों पर यह नियम-कानून लागू होना चाहिए। वे सवाल उठाते हैं कि क्या पटाखों पर प्रतिबंध से दिल्ली का प्रदूषण खत्म हो जाएगा? क्या वास्तव में प्रतिबंध के परिणाम प्रभावी होते हैं? क्या अदालत प्रदूषण के अन्य बड़े कारकों के प्रति भी ऐसा ही सख्त रवैया अपनाती है? वे मानते हैं कि पटाखे चलाने की गतिविधि एक-दो दिन की होती है,लेकिन प्रदूषण तो राजधानी में बारह महीनों होता है। कहा जाता है कि पिछले कुछ वर्षों में सर्दियों में दिल्ली समेत देश के व्यापक क्षेत्रों में वातावरण जहरीला हो जाता है। आलोचकों का तर्क होता है कि राज्य सरकारें व प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण में अपनी नाकामी का ठीकरा पटाखों के सिर फोड़ते हैं। लेकिन सवाल सिर्फ दिल्ली का ही नहीं है राजधानी की आबोहवा में प्रदूषण बढ़ाने में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने वाले अन्य राज्यों में स्थित शहरों की भूमिका भी होती है। वहीं एक सवाल यह भी रहता है कि शीर्ष अदालत दिल्ली की स्थिति को लेकर तो सख्त रहती है लेकिन देश के अन्य राज्यों के कई शहरों में दिल्ली जैसा प्रदूषण विद्यमान रहने पर ऐसी सक्रियता नजर नहीं आती। देश के अन्य भागों की ओर भी ध्यान देने की जरूरत है। साथ ही आबोहवा में जहर घोलने वाले प्रमुख कारकों की तलाश करके इस दिशा में गंभीर पहल किए जाने की भी आवश्यकता है। इसके अलावा इस दिशा में सामाजिक जागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को वातावरण साफ रखने के मिशन से जोड़ा जाना चाहिए। एक हकीकत यह भी है कि जागरूकता के अभाव में हम जीवन-व्यवहार में बहुत कुछ ऐसा करते हैं जो कालांतर प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका निभाता है। निश्चित रूप से पूरे देश में यह सोच विकसित करनी होगी कि हमारे किसी कार्य से दूसरे व्यक्ति के जीवन के अधिकारों का अतिक्रमण नहीं किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें...

आमेट के आराध्यदेव जयसिंह श्याम जी को धराया खाटुश्याम का श्रृंगार एवं 201 किलो खीर का भोग

आमेट। देवउठनी एकादशी एवं खाटूश्याम जयन्ति पर नगर के आराध्य भगवान श्री जयसिंह श्याम जी के मन्दिर पर कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मन्दिर के पुजारी ने बताया की श्री जयसिंह श्याम नवयुवक मण्डल द्वारा श्री खाटूश्याम जन्मोत्सव पर 201 किलो दुध की खीर बनाई गई एवं भगवान जयसिंह श्याम जी को श्री खाटू श्याम जी का विशेष श्रृंगार धराया गया एव सायः को महाआरती का आयोजन किया गया। तथा जयसिंह श्याम जी के भक्तों द्वारा देवउठनी एकादशी पर छप्पन भोग का आयोजन कर भगवान को छप्पन तरह के पकवान का भोग धराया गया। पश्चात खीर एवं छप्पन भोग का प्रसाद वितरण किया गया। तथा सन्ध्या आरती के बाद भगवान के विशेष श्रृंगार के दर्शनों की लम्बी कतारे लगी एव मंदिर पर विधुत व फुलो द्वारा विशेष सजावट कि गई। जो बडी मनमोहक लग रही थी।

राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग के सदस्य श्री रामचंद्र सिंह झाला गुरुवार को चित्तौड़गढ़ प्रवास पर

चित्तौड़गढ़। राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग के सदस्य श्री रामचंद्र सिंह झाला गुरुवार को चित्तौड़गढ़ प्रवास पर रहेंगे। अति. जिला कलक्टर (प्रशासन) प्रभा गौतम ने बताया कि प्रस्तावित यात्रा कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार को चित्तौड़गढ़ जिले की किसी एक पुलिस थाने का निरीक्षण करेंगे। तत्पश्चात जिला कारागृह, चित्तौड़गढ़ का निरीक्षण करेंगे एवं इसके पश्चात चित्तौड़गढ़ से सायं 5.30 बजे तलावदा पहुंचेंगे एवं श्रीराम पैलेस, तलावदा में रात्रि विश्राम करेंगे। उन्होंने बताया कि सदस्य शुक्रवार को चित्तौड़गढ़ जिले की बड़ी सादड़ी उपखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में मानव अधिकारों के प्रचार-प्रसार हेतु मीटिंग करेंगे। पश्चात उदयपुर के लिए रवाना होंगे।

टांक को जलविज्ञानीय स्थितियां पर शोध के लिए मिली पीएचडी की मानक उपाधि

निम्बाहेड़ा। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर की ओर से निम्बाहेड़ा निवासी आशीष टांक को स्टडी ऑफ हाईड्रोजियोलोजिकल कंडीशंस इन मकराना ब्लॉक ऑफ नागौर डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल पार्ट ऑफ राजस्थान इंडिया विषय (भूजल विज्ञान) पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। टांक ने अपना शोध कार्य शोध पर्यवेक्षक भूगर्भ शास्त्र में प्रो. डॉ अरुण व्यास के पर्यवेक्षण में राजकीय बांगड़ महाविद्यालय डीडवाना के भूगर्भ शास्त्र विभाग से किया। शोध पर्यवेक्षक प्रोफेसर व्यास वर्तमान में राजकीय कन्या महाविद्यालय सूरसागर जोधपुर में प्राचार्य पद पर कार्यरत है। टांक के यह उपलब्धि अर्जित करने पर उनके परिजनों, इष्ट मित्रों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए मंगलकामना की है।

श्री चमत्कारी सांवरिया सेठ मन्दिर पर 14 को भव्य भजन संध्या एवं 15 को होगा अन्नकूट महोत्सव

चित्तौड़गढ़। श्री चमत्कारी सांवरिया सेठ मन्दिर मंडल व्यवस्थापक आशीष उपाध्याय द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि 14.11.24 गुरुवार को प्रभु सांवरिया सेठ को छप्पन भोग लगाया जाएगा। इसी के साथ भव्य भजन संध्या रात्रि 7 बजे से प्रारम्भ होगी। मंदिर पर विशेष पुष्पों से साज श्रृंगार के साथ ही शुक्रवार 15.11.24 को सांय 5 बजे से अन्नकूट प्रसादी रखी गई है।

जिला अभिसरण समिति की बैठक कल

भीलवाड़ा। विभाग की सेवाओ की गुणवत्ता में सुधार, प्रबंधन तथा पर्यवेक्षण व विभिन्न विभागों में समन्वय एवं अभिसरण की दृष्टि से जिला स्तरीय अमृत हाट आयोजन समिति/बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत जिला टास्क फोर्स/अभिसरण एवं समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) के पोषण अभियान अन्तर्गत जिला अभिसरण समिति की बैठक जिला कलक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में 14 नवंबर को सांय 5 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित होगी।

निंबाहेड़ा की सामाजिक संस्था बन्धन विवाह समिति द्वारा सर्व धर्म सर्व समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन हुआ आयोजित

विवाह सम्मेलन में 30 जोड़े बंधे वैवाहिक बन्धन में जन्मों जन्मों तक एक दूसरे का साथ निभाने का लिया संकल्प

निंबाहेड़ा (पुकार)। निंबाहेड़ा में यहां देवउठनी ग्यारस के अवसर पर बन्धन विवाह सम्मेलन समिति द्वारा 12 नवम्बर मंगलवार को सर्व धर्म सर्व समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन दशहरा मैदान परिसर में आयोजित किया गया।

बन्धन विवाह सम्मेलन समिति के पदाधिकारियों ने विवाह के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह सर्व धर्म सर्व समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन 10 वां आयोजित किया गया हैं,तथा मंगलवार को हुए विवाह सम्मेलन में कुल 30 जोड़े वैवाहिक बन्धन में बंधे। इन वैवाहिक 30 जोड़ों में 25 हिन्दू समाज और 5 मुस्लिम समाज के जोडे थे इन वर वधुओं को अपने अपने सामाजिक रीति रिवाज़ के अनुसार पंडित जी द्वारा लग्न के फेरे और मौलाना सा. द्वारा निकाह पढ़ाया गया। उक्त सर्व धर्म सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में वैवाहिक जोड़ों के साथ बड़ी संख्या में परिवारजन, रिश्तेदार, महिलाएं, पुरुष, बच्चे, बच्चियां एवम् बाराती गण उपस्थित थे। सभी ने नवविवाहित जोड़ों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर आचार्य कृष्णा पंडित,पंडित राजेश शर्मा,सीमा मैडम, गुड्डू भाई वकील, मांगीलाल सोलंकी, नरेन्द्र लोहार, विकास बैरागी, प्रभुलाल मीणा, उदयराम पहाड़िया, मयंक आहूजा,सचिन सालवी, सुनील माली, राम बाबू सोनी, बाबूलाल तेली, लादू राम, रेखा मंडल, शंकर लाल जाट, प्रवीण सिंघवी, अंबालाल, गोपाल सुथार, रामदेव प्रजापत, सुरेश धाकड़, गोविन्द रैगर, ललित माहेश्वरी, राधेश्याम कुमावत, सुनील एवं रमेश सेन इत्यादि समिति के पदाधिकारियों ने अपनी सहभागीदारी निभाते हुए सेवाएं प्रदान की।

जिला निष्पादन समिति की बैठक संपन्न

विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर रहे फोकस- एडीएम ओमप्रकाश मेहरा

भीलवाड़ा (पुकार)। जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देशानुसार जिला निष्पादन समिति तथा मिड-डे-मील कार्यक्रम की समीक्षा बैठक अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन ओमप्रकाश मेहरा की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती अरूणा गारू, एडीपीसी समग्र शिक्षा योगेश चन्द्र पारीक, सीएमएचओ डॉ सीपी गोस्वामी सहित ब्लॉक स्तरीय शिक्षा अधिकारी आदि मौजूद रहे। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश मेहरा ने जिला रैंकिंग, विद्यार्थियों के आधार प्रमाणीकरण, यू-डाईस प्रगति, पीएमश्री योजना अन्तर्गत शैक्षणिक गतिविधियों आदि की समीक्षा की। बैठक में एडीपीसी समग्र शिक्षा योगेश चंद्र पारीक ने बताया कि गत माह में जिला रैंकिंग में सुधार हुआ है तथा भीलवाड़ा राज्य में पांचवे स्थान पर रहा है। एडीएम ने इस पर संतुष्टि जाहिर की व साथ ही कहा कि जिला रैंकिंग को प्रभावित करने वाले सभी कारकों की पालना के साथ प्रगतिरत रहे। उन्होंने विद्यार्थियों के आधार प्रमाणीकरण की स्थिति का मूल्यांकन किया तथा इसमें अपेक्षित प्रगति लाने को कहा। एडीएम मेहरा ने मिड डे मील कार्यक्रम की समीक्षा भी की। इस दौरान उन्होंने स्कूलों में एमडीएम की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालय में सभी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है, इसलिए सभी शिक्षक विद्यार्थियों की क्वालिटी एजुकेशन पर ध्यान देवें। बैठक में कुछ विद्यालयों में चोरी होने की समस्या एडीएम के समक्ष रखी। इस पर उन्होंने चोरों के पकड़े जाने तथा भविष्य में चोरी न हो इसके दृष्टिगत सुरक्षा गार्ड आदि की नियुक्ति या इसके वैकल्पिक समाधान किए जाकर चोरी की रोकथाम के लिए आवश्यक कारवाई किए जाने का आश्वासन दिया।

आकोला में खाटूश्याम जी के भक्तों ने मनाया जन्मोत्सव

आकोला। आकोला में खाटूश्याम जी के भक्तों ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ केक काटकर मनाया जन्मोत्सव।खाटू श्याम जी के भक्तों को पूरे साल बाबा के जन्मदिन का बेसब्री से इंतजार रहता हैं। हर साल कार्तिक महीने की शुक्ल पक्ष की ग्यारस यानी एकादशी के दिन कलयुग के देवता खाटू श्याम जी का जन्मदिन मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जो भी भक्त सच्चे दिल से खाटू श्याम जी का नाम लेते हैं। उनको जीवन में आने वाली सभी संकट और बाधाओं से मुक्ति मिल जाती हैं। मंगलवार को मुख्य बस स्टैंड महादेव मंदिर परिसर में श्याम मित्र मंडल एवं ग्रामीणों द्वारा जन्मोत्सव पर छप्पन भोग महाआरती के साथ प्रसाद वितरण कर जन्मोत्सव मनाया गया। वही जवाहरनगर यादव मोहल्ले में भजन संध्या का आयोजन किया गया। सभी भक्तों को जय हो हारे के सहारे भगवान श्री श्याम की। भजन कलाकारों द्वारा भजन प्रस्तुत किये -मत घबराना विपदा से, श्याम दीवानों घड़ी-घड़ी। तुझ पर आने से पहले, विपदा को हरले मोर छड़ी। कलाकारों द्वारा भजनों से भक्तों को देर रात तक बांधे रखा।

चारण समाज का पांचवा सामूहिक विवाह सम्मेलन हुआ संपन्न

पूर्व सहकारिता मंत्री आंजना ने विवाह सम्मेलन में शिरकत कर 54 जोड़ो को दिया आशीर्वाद 'सामाजिक उत्थान के लिए ऐसे आयोजनों को मिले बढ़ावा'–मुख्यातिथि आंजना

निंबाहेड़ा/मण्डला चारण (पुकार)। निंबाहेड़ा में यहां समीपवर्ती ग्राम मंडला चारण में आई श्री सोनल चारण समाज द्वारा पांचवा चारण समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें तुलसी विवाह सहित 54 जोड़ों ने विवाह के पवित्र सूत्र में बंधकर एक दूसरे का हाथ थामा और जीवन भर एक दूजे का साथ निभाने का वादा किया। विवाह सम्मेलन में पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने शिरकत की और सभी जोड़ो को आशीर्वाद प्रदान कर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए ईश्वर से उनके सफल सुखी दांपत्य जीवन कामना की।

पूर्व मंत्री आंजना के विवाह सम्मेलन स्थल पर पहुंचने पर आयोजन समिति के पदाधिकारीयों एवं गणमान्य जनों द्वारा उनको मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर, ओपर्णा ओढ़ाकर और माल्यार्पण कर उनका आत्मीय स्वागत अभिनंदन किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित समाजजनों और गणमान्य जनों एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि उदय लाल आंजना ने कहा कि समाज द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन करने से समाज में अच्छा संदेश जाता है इससे फिजूल खर्ची पर लगाम लगती है और समाज के विकास को बढ़ावा मिलता है समाजिक उत्थान के लिए इस तरह के आयोजन होते रहना चाहिए मैं आयोजन समिति को इस आयोजन के लिए बहुत-बहुत बधाई शुभकामनाएं एवं साधुवाद देता हूं और आशा करता हूं कि भविष्य में भी वह इस तरह के सामाजिक सरोकार को आगे बढ़ाते हुए समाज हित और भी नवाचार करते रहें।

विवाह सम्मेलन में पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना ने परम पूज्य आई श्री कंकु केशर मां से आशीर्वाद भी प्राप्त किया। विवाह सम्मेलन के आशीर्वाद समारोह कार्यक्रम में निंबाहेड़ा नगर पालिका अध्यक्ष सुभाष चन्द्र शारदा, क्रय विक्रय सहकारी समिति के अध्यक्ष एवम् पूर्व प्रधान गोपाल लाल आंजना, ज़िला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवम् पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पुरुषोत्तम लाल झंवर, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष संपत लाल धाकड़, ज़िला कांग्रेस कमेटी के महासचिव मनोहर सिंह मीणा एवं विधानसभा क्षेत्र युवा कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत सिंह आंजना इत्यादि अतिथियों का भी आयोजन समिति द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में चारण समाज के समाज जन,गणमान्यजन सहित विवाह में पधारे हुए बाराती बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संघर्ष समिति कार्यकारिणी का गठन

भागीरथ मेनारिया अध्यक्ष, शंकर लाल गाड़री-नाहरमल रेगर उपाध्यक्ष

आकोला (पुकार)। राजस्थान पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संघर्ष समिति ब्लॉक उपखण्ड की डाक बंगला पर कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर भागीरथ मेनारिया व वरिष्ठ उपाध्यक्ष शंकर लाल गाड़री एवं उपाध्यक्ष नाहरमल रेगर, महामंत्री विनोद कुमार भाण्ड, कोषाध्यक्ष दिनेश वैष्णव, जिला प्रतिनिधि मनोज कुमार, प्रवक्ता बाला कुमारी, मंत्री कविता सुखवाल, उपाध्यक्ष पृथ्वीराज जाट, नरेश कुमार, सहमंत्री यशवंत पालीवाल, महासचिव, भगवान लाल माली, का निर्विरोध चुना गया। इस मौके पर संगठन के सभी सदस्य राजकुमार छीपा, नाथु लाल, लादूलाल शर्मा, चंचल कुमार वैरागी, आशा खटीक, हिम्मत लाल जाट, परसराम भील, गोविन्द चन्देल आदि उपस्थित थे।

गृह विज्ञान का प्रायोगिक परीक्षा 19 को

प्रतापगढ़। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ़ के गृह विज्ञान विषय की प्रथम सेमेस्टर की समस्त छात्राओं की गृह विज्ञान की प्रायोगिक परीक्षा दिनांक 19 नवम्बर 2024 को प्रातः 11.00 बजे कमरा नम्बर 14 में आयोजित की जायेगी। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि सभी गृह विज्ञान की छात्राऐं फाईल तथा फर्स्ट् एड बॉक्स के साथ 14 नम्बर कमेरे में उपस्थित हों।

विद्यालय में मनाया बाल दिवस

प्रतापगढ़। पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रतापगढ़ में 12 नवंबर से 14 नवंबर तक प्लास्टिक कचरा प्रबंधन थीम आधारित बाल दिवस मनाया जा रहा है। विद्यालय के प्रधानाचार्य लालूराम मीणा ने एन एस एस प्लस टू की स्वयंसेविकाओं और विद्यालय की बालिकाओं को सिंगल यूस प्लास्टिक का उपयोग न करने व दैनिक कार्य में बाजार से लाने वाली वस्तुओं के लिए कपड़े के थेले का उपयोग करने के लिए बालिकाओं को प्रेरित किया। एन एस एस कार्यक्रम प्रभारी तृप्ति शर्मा ने विद्यार्थियों को प्लास्टिक का उपयोग न करने एवं करवाने संबंधी शपथ दिलवाई। उसके पश्चात प्लास्टिक कचरा संग्रहण और प्लास्टिक की थेली, प्लास्टिक की पानी की बॉटल, दूध की थैली इत्यादि कचरे से उपयोगी सामग्री निर्माण हेतु निर्देश प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त स्टाफ साथी उपस्थित रहे।

जनजातीय गौरव दिवस की 150 वीं जयंती पर होंगे विविध कार्यक्रम

प्रतापगढ़,(पुकार)। भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयन्ती, जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर केन्द्र एवं राज्य सरकार के स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर ने बताया कि 15 नवम्बर को राज्य स्तरीय कार्यक्रम बांसवाडा जिला मुख्यालय पर माननीय मुख्यमंत्री महोदय राजस्थान श्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में जनजाति गौरव दिवस समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। इस वर्ष कार्यक्रम का विषय 'नवादि युगधारा प्रणेता समागम' होगा जिसमें जनजाति समाज में विशिष्ट उपलब्धि वाले व्यक्तियों उन्नत किसान, महिला उद्यमी, शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में विशेष पहचान रखने वाले एवं नवाचार कर जनजाति विकास में योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रणेता के रूप में पहचान दिलायी जावेगी। इस कार्यक्रम में एक प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जायेगा, जिसमें वनधन विकास केन्द्रो. ट्राईफेड, मेजिक बस, Unicef, AIIMS जोधपुर एवं HHMR के द्वारा स्टॉल लगाई जायेगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा वनाधिकार अधिनियम अन्तर्गत वन क्षेत्रों के विकास हेतु नवीन योजना 'गोविन्द गुरू जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना' की रूपरेखा का विमोचन किया जायेगा। राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन माननीय प्रधानमंत्री महोदय की उपस्थिति में जिला जमुई, बिहार में आयोजित किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम का प्रसारण राज्य स्तरीय कार्यक्रम एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अन्तर्गत चयनित 34 जिले, (जहां आदर्श आचार संहिता लागू नहीं है) उन जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अन्तर्गत राज्य के ऐसे 12 जिले जहां इस योजना में 100 से अधिक ग्राम चयनित है (जहां आदर्श आचार संहिता लागू नहीं है), वहां जिले के प्रभारी मंत्री की उपस्थिति में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

14 नवंबर को होगा संचार सेतु का शुभारंभ

जिला कलक्टर ने बताया कि 15 नवम्बर से 26 नवम्बर तक की अवधि में जनजातीय गौरव दिवस पखवाडा मनाया जायेगा। इस पखवाड़े में राज्य में 14 नवम्बर, 2024 को संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष हस्तक्षके सहयोग से विभाग के आवासीय विद्यालयों व छात्रावासो में अकादमिक सूचना तंत्र के संचार हेतु स्थापित 'संचार सेतु' का शुभारम्भ किया जायेगा।

15 को चयनित ग्रामों में होगा विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन

उन्होंने बताया किदिनांक 15 नवम्बर, 2024 से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के प्रचार-प्रसार कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जायेगा। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में चयनित ग्रामों से संबंधित ग्रामों में दिनांक 15 नवम्बर, 2024 को विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें उस क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं हितधारकों का पेसा, वनाधिकार एवं सतत् विकास लक्ष्यों पर अभिविन्यास किया जायेगा।

15 से 17 नवंबर तक होंगे विविध कार्यक्रम आयोजित

साथ ही दिनांक 15 से 17 नवम्बर, 2024 को 'जनजाति चित्रकला एवं हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन बागोर की हवेली, उदयपुर में किया जाएगा, जिसमें राज्य के लगभग 40 जनजाति कलाकारों के हस्तशिल्पों की प्रदर्शनी लगायी जाएगी। दिनांक 15 से 17 नवम्बर, 2024 जनजाति छात्रावासों में कला एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन उपायुक्त, टीएडी कार्यालयों के माध्यम से किया जाएगा।

19 से 21 नवंबर को उदयपुर में राष्ट्रीय युवा महोत्सव आयोजित

उन्होंने यह भी बताया कि दिनांक 19 से 21 नवम्बर, 2024 तक 'राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन उदयपुर में किया जाएगा।

यह कार्यक्रम भी होंगे आयोजित

साथ ही दिनांक 29 नवम्बर से 08 दिसम्बर, 2024 तक ट्राईफेड, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में जवाहर कला केन्द्र, जयपुर में 'आदि महोत्सव' अन्तर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल की उपस्थिति में दिनांक 29 नवम्बर, 2024 को किया जायेगा।

मुख्यमंत्री का निर्णय - माह के द्वितीय गुरूवार को होगा ब्लॉक स्तरीय अटल जन सेवा शिविर का आयोजन

प्रतापगढ़। राज्य सरकार द्वारा पारदर्शी एवं संवेदनशील सुशासन हेतु आमजन की परिवेदनाओं के त्वरित गति से समाधान हेतु मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप त्रिस्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत प्रत्येक माह के पहले तीन गुरूवार को आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई के अतिरिक्त प्रत्येक माह के द्वितीय गुरूवार को ब्लॉक स्तर पर अटल जन सेवा शिविर आयोजित करने का फैसला लिया गया है। जिला कलक्टर डॉ. अंजलि राजोरिया ने बताया कि प्रत्येक माह के द्वितीय गुरूवार को ब्लॉक स्तर पर आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई को समायोजित करते हुए प्रातः 10 बजे से सायं 4.30 बजे तक अथवा जनसुनवाई पूरी होने तक अटल जन सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा।

ब्लॉक स्तर पर जनसुनवाई एवं अटल जन सेवा शिविर हेतु व्यवस्थाएं

ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाली जनसुनवाई एवं अटल जन सेवा शिविर के लिए संबंधित अधिकारी नोडल अधिकारी होंगे। साथ ही प्रत्येक ब्लॉक के समस्त जनप्रतिनिधिगणों की भागीदारी भी अटल जन सेवा शिविरों में सुनिश्चित की जाएगी।

ब्लॉक स्तर पर अटल जन सेवा शिविर के संबंध में पर्यवेक्षण व्यवस्था

ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाले अटल जन सेवा शिविर के समय परिवादियों के बैठने, हवा-पानी, छाया की समुचित व्यवस्था ब्लॉक के संबंधित पंचायत समिति के विकास अधिकारी द्वारा की जाएगी। वहीं संबंधित तहसीलदार शिविरों में उपस्थित रहकर प्रभावी पर्यवेक्षण किया जाना सुनिश्चित करेंगे। उक्त शिविरों के दौरान जिला कलक्टर एवं जिला स्तरीय अधिकारी चक्रीय क्रम में भाग लेंगे। समस्त विभागों द्वारा निरंतर उक्त शिविरों का पर्यवेक्षण भी किया जाएगा।

खाटू वालो सेठ सांवरियो आयो आज पांवणों सगला नाचो–नाचो....

● श्री श्याम जन्मोत्सव पर भोर तक जमी भजन संध्या में श्याम प्रेम में खूब थिरके श्रद्धालु

राजसमंद (पुकार)। प्रभु श्री खाटूश्याम के जन्मोत्सव पर मंगलवार रात को कांकरोली पुराना बस स्टैण्ड पर श्याम सेवा समिति और जेसी ग्रुप वेलफेयर सोसायटी के सान्निध्य में आयोजित भजन संध्या में गायकों ने भक्ति के ऐसे सुर छेड़े कि श्रद्धालु भोर तक पाण्डाल में जमे रहने को मजबूर हो गए। भजन संध्या का शुभारंभ गायक उमेश पुरोहित ने गणपति वंदना व बालाजी महाराज की वंदना प्रस्तुत करते हुए की। इसके बाद उन्होंने श्याम आयेंगे-आयेंगे श्याम आयेंग और थाने हेला पे हेला देऊ मारी मां भजनों की प्रस्तुतियों से भक्ति का महौल बनाया। इसके बाद गायिका मंजू गुर्जर ने हंसता रे हंसता ठाकुरजी पधारिया व खम्मा रे खम्मा म्हारा सांवरिया सरकार ने घणी खम्मा... भजन पेश करके चारभुजानाथ व सांवरिया सेठ को नमन किया। इसके बाद गायक योगेश शर्मा गुरु और मंजू गुर्जर ने जुगलबंदी करते हुए म्हारी कुटिया पधारो दीनानाथ जिमाऊ थाने मेजबानी... भजन पेश कर अपनी गायकी का लोहा मनवाया। इसके बाद नागौर से आए गायक महावीर सांखला ने गुरु वंदना पेश करने के बाद भक्ति के स्वर छेड़े। उन्होंने कौनी भूलूं सा गुण थारो, सदगुरू सा म्हारो जन्म सुधारो, चरण चाकरी देशो चरना में पड़ियों रैस्यूं, भजन पेश किया। वहीं, जब उन्होंने तेजाजी बावजी का भजन तेजल म्हारी लिलन सिणगारी एवं म्हारा हंसला रे उड़ जा उड़ जा हंसले वाली चाल भजन पेश किया तो श्रद्धालु इसकी धुन पर भावनृत्य किए बिना नहीं रह पाए। कार्यक्रम की अगली कड़ी में डीजे किंग के नाम से प्रसिद्ध भीलवाड़ा के गायक प्रेम शंकर जाट ने तीन बाण के धारी तीनों बाण चलाओ ना भजन से शुरुआत करने बाद जैसे ही खाटू वालो सेठ सांवरो आज आयो पावणों सगला नाचो-नाचो भजन पेश किया तो श्रद्धालु श्रद्धा भाव से नृत्य करने लगे। इसके बाद उन्होंने सेठों में सेठ म्हारो सांवरियो सेठ, वारे सांवरिया मंडफिया वाला एवं सुन ले सांवरा मंडफिया वाला काली गाडी लाणी है... जैसे भजनों पर श्रद्धालुओं को बराबर नचाए रखा। इसके बाद उन्होंने गायिका मंजू गुर्जर के साथ म्हारा चारभुजा रा नाथ म्हारा गड़बोरिया रा श्याम थे तो काला पन घणा रुपाला भजन पेश किया। वहीं, भक्तों की फरमाइश पर गाडियां-गाडियां और होटलां पे नाम लिख्यो सांवरिया को... भजन पेश करके एक बार फिर श्रद्धालु को भावों से झूमने को मजबूर कर दिया। इसके बाद कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में एक बार फिर महावीर सांखला ने महाराणा प्रताप पर मायड़ थारो वो पूत कठे... गीत की प्रस्तुति दी। वहीं, देश भक्ति तराने के साथ संदेश आते हैं हमें तड़पाते हैं व यह देश है वीर जवानों का जैसे गीतों से पाण्डाल को देशभक्ति का रंग दिया। वहीं, अंत में जेसी ग्रुप के सदस्य नरेंद्रसिंह की स्मृति में मेरे दोस्त लौट के आजा की प्रस्तुति से माहौल को भावुक कर दिया। संचालन डालचंद कुमावत ने किया।

ये रहे अतिथि

भक्ति संध्या में अतिथि जिला प्रमुख प्रतिनिधि माधवलाल चौधरी, डॉ ललित कुमावत जयपुर, जेल उपाधीक्षक हेमंत कुमार, पूर्व चेयरमैन नारायण सुथार, पार्षद भूरालाल कुमावत, हिम्मत कीर, परसराम पोरवाड़, सुंदरलाल सिंगरवाल, अशोक डुंगरवाल, ओम कुमावत, कन्हैयालाल कुमावत, सोनू कुमावत थे। अतिथियों का स्वागत जेसी ग्रुप वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष व नगर परिषद सभापति अशोक टांक, पार्षद हेमंत रजक, बहादुर जैन, सुरेश भाट, प्रभुसिंह, राजू बैरवा, दुष्यंत कुमावत, रतन कुमावत व पवन कुमावत ने किया। इस दौरान जिन्नाल, रवि कुमावत, मुकेश नायक, जितेंद्र मेहता, चेतन अग्रवाल, राधे कुमावत, नानालाल गाडरी सहित कार्यकर्ता का व्यवस्थाओं में सहयोग रहा।

सजाई बाबा की आकर्षक झांकी

भजन संध्या में प्रभु श्री खाटूश्याम बाबा की आकर्षक श्रृंगारित झांकी सजाई गई। जिसके समक्ष छप्पनभोग धराया गया। वहीं, पंडित कैलाश पालीवाल ने पूजा-अर्चना की।

जिला कलक्टर ने विवाद एवं शिकायत निवारण तंत्र की बैठक में दिए दिशा-निर्देश

उद्योगों के विकास और समस्याओं के निवारण को लेकर रहें प्रतिबद्ध

राजसमंद (पुकार)। जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में उद्योगों के विकास और इससे संबंधित समस्याओं को दूर करने की दृष्टि से विवाद एवं शिकायत निवारण तंत्र की बैठक ली। कलक्टर ने निर्देश दिए कि अधिकारी और औद्योगिक संगठन आपस में समन्वय रखते हुए समस्याओं का समाधान करें एवं जिले को औद्योगिक दृष्टि से आगे ले जाएं। कलक्टर ने जिले में उद्योगों के विकास एवं समस्याओं को जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए कई दिशा-निर्देश दिए। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना अंतर्गत उद्योगों को अधिकाधिक लाभान्वित करने पर भी चर्चा की। उन्होंने बजट घोषणा के अनुसार जिले के विभिन्न क्षेत्रों में रीको औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना की प्रगति, डम्पिंग यार्ड प्रबंधन, औद्योगिक प्रयोजनार्थ भू-रूपांतरण, रीको के अतिरिक्त अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली व रास्ते की समस्या आदि को लेकर चर्चा करते हुए दिशा-निर्देश दिए। इसके अलावा सियाणा, जेतपुरा, बामन टुकडा आदि अन्य क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों तक पक्की रोड नहीं होने से आवागमन की समस्या, बिजली कटौती संबंधी समस्याओं, औद्योगिक क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण, ऐसे ही कुम्भलगढ क्षेत्र में बिजली व सडकों की समस्या, बग्गड औद्योगिक क्षेत्र में भूखण्ड आवंटन की समस्या आदि को लेकर दिशा-निर्देश दिए। कलक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन उद्योगों के विकास को लेकर दृढ़ संकल्प के साथ कार्य कर रहा है। क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन द्वारा कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। नए उद्योगों की स्थापना में सहूलियत देने, निवेशकों को प्रोत्साहित करने और रोजगार के अवसरों का सृजन करने की दिशा में ठोस नीतियां अपनाई जा रही हैं। उद्योगों को आवश्यक संसाधनों, आधारभूत ढांचे और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल सकें। इन प्रयासों का उद्देश्य न केवल आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देना है बल्कि क्षेत्र की समग्र प्रगति और सामाजिक विकास को भी सुदृढ़ बनाना है। इस दौरान जिला उद्योग केंद्र महाप्रबंधक भानु प्रतापसिंह राणावत, रीको के क्षेत्रीय प्रबंधक आरके गुप्ता, राज्य कर उपायुक्त रविंद्रसिंह चुंडावत, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता बीएस शर्मा, खनिज अभियंता (प्रथम) जिनेश हुम्मड, विकास अधिकारी महेश गर्ग, राजसमंद तहसीलदार विजय रैगर, मार्बल गैंगसा एसोसिएशन अध्यक्ष सत्यप्रकाश काबरा, पूर्व अध्यक्ष रवि शर्मा, ग्राम पंचायत पसूंद सरपंच अयन जोशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। जिन्होंने उद्योगों के विकास को लेकर विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए। जिला कलक्टर ने मार्बल गैंगसा एसोसिएशन को शहर के कोई भी दो चौराहे गोद लेने की भी बात कही।

न्यायाधीश ने किया जिला कारागृह का निरीक्षण

राजसमंद(पुकार)। जिला प्राधिकरण अध्यक्ष राघवेन्द्र काछवाल के निर्देशानुसार प्राधिकरण सचिव संतोष अग्रवाल ने बुधवार को जिला कारागृह का निरीक्षण कर कारागृह की भोजन, सफाई, आवास, सुरक्षा इत्यादि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अग्रवाल ने बताया कि निरीक्षण के समय कारागृह में कुल 131 बंदी निरुद्ध मिले। निरीक्षण के समय बंदियों से मिलने आए हुए उनके परिजनों से वार्ता की गई, उनके द्वारा अपने परिचितों से मिलने में कोई परेशानी नहीं होना बताया। नवीन प्रवेशित बंदियो से संवाद किया गया, सभी ने अपने प्रकरण में पैरवी के लिए अधिवक्ता नियुक्त होना बताया। कारागृह में कोई भी बंदी 18 साल से कम उम्र का निरूद्ध नहीं पाया गया। चिकित्सक द्वारा बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण करना बताया। अग्रवाल ने कारागृह में सजायाफ्ता बंदियों की जानकारी प्राप्त की। बंदियों के मनोरंजन के लिए बैरक में टेलीविजन लगी हुई है तथा सुरक्षा के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील अवस्था में हैं। बंदियों से वार्ता करने पर उन्होंने किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होने तथा भोजन व्यवस्था के प्रति संतोष व्यक्त किया। इस दौरान जेल उपाधीक्षक हेमन्त सालवी उपस्थित थे।

शुभ मुहूर्त में ठाकुरजी के माता तुलसा संग विवाह के बाद बिखरे भक्ति के सुर

● बजरंग चौराहा के बालाजी मंदिर पर धूमधाम से चढ़ाई ध्वजा

राजसमंद (पुकार)। शहर के सौ फीट रोड पर बजरंग चौराहा स्थित बालाजी मंदिर की नवम वर्षगांठ के उपलक्ष में आयोजित तुलसी विवाह महोत्सव में मंगलवार शाम को ठाकुरजी संग तुलसी माता के शुभ मुहूर्त में विवाह की रस्म पूर्ण की गई। इसके बाद हुई भक्ति संध्या में देर रात तक ठाकुरजी के विवाह की खुशी में भक्तों ने भजनों पर भाव नृत्य कर विवाह का पूरा आनंद लिया। वहीं, महोत्सव के अंतिम दिन बुधवार को बालाजी मंदिर पर शुभ मुहूर्त में नव ध्वजा चढ़ाई गई, जिसके बाद श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया। श्री बालाजी महाराज सेवा समिति के अध्यक्ष कैलाश निष्कलंक ने बताया कि तुलसी विवाह महोत्सव के तहत मंगलवार को दोपहर बाद ठाकुरजी की बारात मालीवाड़ा के प्रभु श्री चारभुजानाथ मंदिर से पूरे लाव-लश्कर, ढोल-नगाड़ों एवं डीजे के साथ बारात रवाना हुई। राजनगर के प्रमुख मार्गो से होकर बारात सौ फीट रोड स्थित विवाह स्थल बालाजी मंदिर पर पहुंची। जहां विवाह के पूरे रस्मो-रिवाज के तहत बारात का स्वागत किया गया और ठाकुरजी से तोरण की रस्म को भी पूर्ण करवाया गया। बारात में महिलाओं के साथ ही युवा भक्त पूरे रास्ते में भजनों की धुनों पर भावों से नाचते हुए चल रहे थे। महिलाएं इस दौरान विवाह के पारंपरिक गीत गाते हुए बारात में शामिल हुई। मंदिर के द्वार पर बारात स्वागत की सभी रस्में पूर्ण होने के बाद ठाकुरजी को हवन मंडप में विराजित किया गया। यहां पर हवन में आहुतियां देते हुए गोधुली वेला में मंत्रोचार के साथ पंडित शशिकांत के सान्निध्य में पंडितों ने तुलसा माता संग ठाकुरजी के विवाह की रस्में पूर्ण की। इसके बाद महोत्सव के अंतिम दिन बुधवार को बालाजी मंदिर में हवन में आहुतियों के साथ पूजा-पाठ किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं ने संगीत के साथ हनुमान चालीसा के 11 पाठ किए गए। इसके बाद पूर्णाहुति दी गई और बालाजी महाराज और प्रभु श्री राम के जयकारों के बीच तथा ढोल-नगाड़ा वादन के साथ मंदिर पर नई ध्वजा चढ़ाई गई। इस दौरान सुरेश माली, मुकेश माली, दिलीपसिंह, रोशन माली, सुरेश प्रजापत सहित समिति के सदस्यों एवं भक्तों ने सेवाएं दी।

भजन संध्या में देर रात तक बरसा भक्तिरस

महोत्सव में तुलसी विवाह की रस्म के बाद मंगलवार रात करीब साढ़े नौ बजे से गायक पूरण गुर्जर की गणपति वंदना प्रस्तुति के साथ भजन संध्या की शुरुआत हुई। इसके बाद गायक गुर्जर ने म्हारो हेलो सुणो बजरंग बालाजी... भजन प्रस्तुत करते हुए हनुमानजी महाराज की स्तुति की। इसके बाद उन्होंने राम सियाराम जय-जय सियाराम भजन पेश करते हुए श्रद्धालुओं से भी संकीर्तन करवाया। पूरण ने जब बिंद बणिया रे म्हारा चारभुजा जी... भजन पेश किया तो पाण्डाल में मौजूद भक्त भावातिरेक होकर पूरे भजन के दौरान भक्ति नृत्य करते रहे। यहां से भक्तों के पैर जो भक्ति में उठे तो फिर थमे नहीं क्योंकि अगली कड़ी में पूरण ने सांवरिया थाने कुण सजााया जी एवं बन्नो म्हारो चारभुजा रो नाथ बन्नी तो म्हारी तुलसा लाडली..., सुन ले सांवरिया मंडफिया वाला काली गाडी लाणी है..., जैसे भजनों की प्रस्तुतियों से ऐसा भक्तिरस बरसाया कि श्रद्धालुओं के पैरों ने थमने का नाम नहीं लिया। इसके साथ ही गायिका त्रिशा सुथार ने फुलड़ा ले आवे मालिका मारे घर आवेला भगवान..., बेठो यो सेठा को सेठ पल में दुखड़ा देवे मेट..., पार्वती महलों की रानी..., जैसे मधुर भजनों की प्रस्तुतियों से एक बार फिर श्रद्धालु श्रोताओं को भक्ति नृत्य करने पर मजूबर कर दिया।

नगर परिषद कर्मचारी संघ की बैठक सम्पन्न

नविन कार्यकारिणी का किया गठन

राजसमंद (पुकार)। नगर परिषद कर्मचारी संघ की बैठक बुधवार को नगर परिषद आयुक्त दुर्गेश रावल संरक्षकता तथा राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन के प्रांतिय संरक्षक रिछपाल सिंह चौधरी एवं अधिशाषी अभियन्ता तरूण कुमार बायती की उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक में मौजूद सदस्यों की सर्वसम्मति से नविन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें किशनलाल प्रजापत को स्थानिय निकाय का अध्यक्ष, गणेश पालीवाल उपाध्यक्ष, गिरीराज गर्ग महामंत्री, रेणु शर्मा मंत्री एवं रिचा सहीवाला को कोषाध्यक्ष मनोनयन किया गया। इसके साथ ही राजसमन्द जिला ईकाई द्वारा बलवंत सिंह राठौड़ को जिलाध्यक्ष, किशनलाल प्रजापत को जिला उपाध्यक्ष, मनोज कुमार भारद्वाज जिला महामंत्री तथा हरिसिंह व बाबूसिंह को सदस्य का सर्वसम्मति से सदस्य निर्वाचन किया गया।

देश के भविष्य को शिक्षा के अवसरों से दिशा दिखाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा हिन्दुस्तान जिंक

जिम्मेदार कार्पोरेट के रूप में कंपनी की परियोजनाओं से 2 लाख से अधिक होनहार लाभान्वित

राजसमंद (पुकार)। हिन्दुस्तान जिंक देश के भविष्य बनने वाले बच्चों को शिक्षा से दिशा दिखाने में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। हिंदुस्तान जिंक एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के रूप में प्रदेश के 2 लाख से अधिक बच्चों को अपनी संचालित विभिन्न शिक्षा परियोजनाओं से उन्हें दिशा दिखाते हुए उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर कर रहा है। आज के बच्चें ही कल के भारत का भविष्य है एवं सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य मिल सके इस उद्धेश्य को पूरा करने के लिये प्रदेश के 7 जिलों के स्कूली छात्र -छात्राओं को सर्वोत्तम शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं जिससे वे मजबूत राष्ट्र और बेहतर कल का निर्माण कर सकें।

बालविकास परियोजना और नंद घर ने बदल दी आंगनवाड़ी की परिभाषा

हिन्दुस्तान जिंक बच्चों के समग्र विकास के लिये बाल विकास परियोजना का संचालन कर रहा है। जिसके तहत प्रदेश के पांच जिलों- उदयपुर, सलूंबर, राजसमंद और चित्तौड़गढ़ में 14 आंगनवाडी केंद्रों में आईसीडीएस विभाग के साथ मिलकर बच्चों के सर्वागींण विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। परियोजना के तहत आंगनवाडी केन्द्रों पर समेकित बाल विकास योजना द्वारा प्रदत्त सभी 6 मुख्य सेवाओं को मजबूत करना है। जिसमें पोषक तत्वों से पूर्ण पूरक पोषाहार उपलब्ध करवाना, शाला पूर्व शिक्षा का सुचारू क्रियान्वयन, रेफरल सुविधाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छता को बेहतर बनाते हुए समुदाय की भागीदारी को बढ़ाना और बुनियादी निर्माण में सहयोग करना है। हिंदुस्तान जिंक ने प्रदेश के 15 जिलों में 3292 आंगनवाडी केन्द्रों को क्रमोन्नत करते हुए उन्हें डिजिटल लर्निंग केंद्र के रूप में बदल दिया। इन्हें नन्दघर नाम दिया गया। एक आदर्श नन्दघर में बच्चों के लिए ढेर सारे खिलौने, ई-लर्निंग के लिए स्मार्ट टीवी, साफपेयजल के लिए आरओ, बाल अनुरूप शौचालय, बाल सुलभ चित्रकारी, बिजली सहित सुरक्षित माहौल दिया गया। बच्चों और समुदाय का केंद्र से लगाव बढ़ाया और परिजनों ने निजी स्कूलों से बच्चों को वापस केंद्र भेजना शुरू किया। आज नन्दघर बच्चों के प्री स्कूल बनकर उभरे हैं।

शैक्षिक और खेलों के विकास पर बल

कंपनी के शिक्षा संबल कार्यक्रम के तहत विज्ञान, गणित और अंग्रेजी विषयों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। वर्तमान में 72 राजकीय विद्यालयों में 8 हजार से अधिक विद्यार्थी इससे लाभांवित हो रहे हैं। इस कार्यक्रम से विद्यालयों के बोर्ड परिणाम में भी सुधार हुआ हैं। शिक्षा संबल परियोजना में विगत 7 वर्षो में 55 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं। ऊंची उड़ान कार्यक्रम में शिक्षा संबल की नींव पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को राष्ट्रीय ख्यातिनाम इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश करने का अवसर प्रदान करन की कोचिंग दी जाती है।

जालनाथ भेरू विकास समिति का महाभक्ति कार्यक्रम 9 दिसंबर को

राजसमंद (पुकार)। श्री देवनारायण भगवान की जन्म भूमि मालसेरी आसींद में आगामी 9 दिसंबर को जालनाथ भेरुजी फाउंडेशन घाटकोपर मुंबई के तत्वावधान में महाभक्ति कार्यक्रम आयोजन को लेकर बैठक हेमराज पोसवाल की अध्यक्षता में हुई। विकास समिति के मुख्य ट्रस्टी अशोक धीग एवं निलेश धीग ने बताया कि मालासेरी एवं अमरतिया गांव में अलग-अलग बैठक आयोजित करके 9 दिसंबर को आयोजित भाव भरी भक्तिसंध्या कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए जालनाथ भेरु भक्तों को दायित्व सौंपा गया है। धीग ने बताया कि लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला के मुख्य अतिथि में आयोजित महाभक्ति संध्या में राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहरसिंह बैढम, भीलवाड़ा के सांसद दामोदर अग्रवाल, दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह विधूड़ी, मालासेरी मंदिर के मुख्य ट्रस्टी हेमराज पोसवाल, पूर्व मंत्री एवं कुंभलगढ़ विधायक सुरेंद्रसिंह राठौड़, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी एवं भीम विधायक हरिसिंह रावत की उपस्थित रहेगी। उन्होने बताया कि भावभरी महाभक्ति संध्या में मशहूर गायक कलाकार भगतीलाल सुथार, प्रकाश टेलर एवं गोपालसिंह अपनी प्रस्तुति देंगे। जालनाथ भेरुजी मंदिर अमरतिया के मुख्य सेवादार सोहनलाल धीग ने बताया कि जालनाथ भेरूजी मंदिर के भक्त मंडली द्वारा वरघोड़ा का आयोजन किया जाएगा। उसके बाद छप्पन भोग एवं महाप्रसाद का आयोजन रखा रात्रि में महाभक्ति का आयोजन होगा।

श्री साक्षी गौपाल मंदिर में हुआ अन्नकूट महोत्सव का आयोजन

राजसमंद (पुकार)। जिला मुख्यालय पर कांकरोली में बडे दरवाजे के बाहर स्थित श्री साक्षी गौपाल मंदिर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बुधवार को भव्य अन्नकूट महोत्सव का आयोजन हुआ। मंदिर के मुखिया राजेन्द्र प्रसादिया ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति प्रभु श्री साक्षी गोपल प्रभु को भव्य अन्नकूट आरोगाया गया। दर्शन में भक्तों की भारी भीड़ रही। सभी ने अलोकिक दर्शन का लाभ लिया। इस कार्यक्रम में समस्त गोपाल मंदिर परिवार का सहयोग रहा। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

बीएन गर्ल्स कॉलेज में जिला स्तरीय मॉडल एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन

राजसमंद (पुकार)। जिला मुख्यालय स्थित बीएन गर्ल्स कॉलेज में भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से जिला स्तरीय मॉडल एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ अपर्णा शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में विज्ञान के प्रति रूचि पैदा करना तथा आने वाले समय में किस प्रकार के टेक्नोलॉजी की आवश्यकता है, उसके बारे में ज्ञान प्राप्त करना रहा है। उपाचार्य डॉ इन्द्रसिंह राठौड़ ने बताया कि छात्राओं ने वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को मॉडल एवं पोस्टर के माध्यम से आमजन तक पहुंचाने का प्रयास किया है। भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ सांत्वना बापना ने बताया कि मॉडल प्रतियोगिता में छात्राओं ने बहुत ही आकर्षक मॉडल्स का निर्माण किया है जिनमें प्रमुख मेन्सट्रल साइकल, लेटेस्ट डायलिसिस प्रोसेस, ऑटोमेटिक कार चार्जिंग, रॉकेट लांचिंग प्रोसेस, फेफड़ों का कार्य, आंखों से इमेज फॉरमेशन, लेटेस्ट एग्रीकल्चर प्रोसेस, वाहनों की गति से ऊर्जा का उत्पादन, कम्प्यूटर नेटवर्किंग, स्मार्टसिटी आदि प्रोजेक्ट थे। पोस्टर प्रतियोगिता का विषय विकसित भारत 2047 रखा गया। जिसमें छात्राओं ने 2047 के भारत का अनोखा रूप अपने पोस्टरों के माध्यम से प्रस्तुत किया। मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम माही सांखला, द्वितीय तन्वी जोशी(एलपीएस स्कूल), तृतीय खुशी अजमेरा तथा प्रिंसी शर्मा (आलोक स्कूल) ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रजेंटेशन में प्रथम नियति गुर्जर (एलपीएस स्कूल), द्वितीय नियति जांगिड़ (आलोक स्कूल) तथा तृतिय निकिता पालीवाल व सेजल सेन (राउमावि सुन्दरचा) रहे। साथ ही 10 छात्राओं को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ अनुसुया उपाध्याय, डॉ ललिता राठौड़, डॉ गजेन्द्रसिंह चारण, डॉ सांत्वना बापना, डॉ सुमना श्रीमाली तथा डॉ मंजु बोहरा रहे। विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। संचालन डॉ सुमना श्रीमाली तथा श्वेता गग्गड़ ने किया।

Akme Fintrade (India) Ltd.

Branch:- Head Office: Akme Business Center (ABC), 4-5, Subcity, Centre, Savina Circle, Opp. Krishi Upaz Mandi, Udaipur - 313001 (Raj.), Ph.:- 0294-2489501-02, Email:- info@akmefintrade.com

परिशिष्ठ-4 (नियम 8 (1) कब्जे की सूचना) (स्थावर सम्पत्ति के लिए)

अधोहस्ताक्षरी ने जो वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति-हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अधीन एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड शाखा उदयपुर का प्राधिकृत अधिकारी है, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) 'एक्ट' 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्न ऋणी / सहऋणी / जमानतदार को एक मांग पत्र उसमें उल्लिखित राशि जो नीचे दर्शायी गई है, उक्त सूचना की प्राप्ति की तारीख से 60 दिन के भीतर प्रतिदाय करने की 'मांग करने' के लिए जारी किया गया।

ऋणी / सहऋणी / जमानतदार द्वारा रकम का भुगतान करने में असफल रहने पर, ऋणी / सहऋणी / जमानतदार एवं जनसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्तनियमों के नियम 8 के साथ पठित धारा 13 (4) व नियम 8(1) के अधीन प्रदत्त शक्त्यिों का प्रयोग करते हुए निम्न सम्पत्तियों का कब्जा उल्लेखित दिनांक को ले लिया है। ऋणी / सहऋणी / जमानतदार को सावधान किया जाता है कि धारा 13 (8) के प्रावधानों के संदर्भ में उपलब्ध समय में बंधक सम्पत्ति को मुक्त करवाने हेतु उनको निमंत्रण दिया जाता है। ऋणी व जमानतदार को विशिष्ट रूप से एवं जनसाधारण को सामान्य रूप से इसके द्वारा सावधान किया जाता है कि नीचे वर्णित सम्पत्ति के सम्बंध में कोई व्यवहार नहीं करें। इन सम्पत्ति के सम्बंध में किया गया कोई भी व्यवहार एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड की उक्तशाखा प्रभार के अधीन होगा।

शाखा	ऋणी / सहऋणी /जमानती का नाम	बंधक रखी गई सम्पत्ति का विवरण	मांग पत्र तिथि एवं बकाया राशि (रु.)	कब्जे की दिनांक एवं बकाया राशि (रु.)
उदयपुर	(1) श्री मांगी लाल गुर्जर पुत्र श्री गिरधारी लाल गुर्जर, (2) श्रीमती सोहनी पत्नी श्री मांगी लाल गुर्जर पता - ग्राम सकरदा (लावा सरदारगढ़), तहसील आमेट, जिला राजसमंद (राज.) 313330, (3) श्री रोशन लाल गुर्जर पुत्र श्री राम लाल गुर्जर, पता सबलोका खेड़ा, पोस्ट ऑफिस सकरदा तहसील आमेट जिला उदयपुर, राजस्थान 31330	रहवासी भूमि एवं भवन, ग्राम साकरदा तहसील आमेट जिला राजसमंद (राज.) में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 1289.60 वर्गफीट है जो कि श्री मांगी लाल पुत्र श्री गिरधारी लाल गुर्जर के नाम से है। चतुर्थ सीमाएं :- पूर्व- रास्ता, पश्चिम खुली भूमि, उत्तर- मांगी लाल / गोकल जी का मकान, दक्षिण लच्छु / मोती गुर्जर का मकान।	दिनांक 17.01.2024 एवं बकाया राशि रूपये 22,81,652/- (अक्षरे रूपये बाईस लाख इक्यासी हजार छह सौ बावन मात्र) दिनांक 16.01.2024 तक एवं इसके पश्चात् के ब्याज व खर्च अतिरिक्त।	दिनांक 08.11.2024 एवं बकाया राशि रूपये 22,81,652/- (अक्षरे रूपये बाईस लाख इक्यासी हजार छह सौ बावन मात्र) दिनांक 16.01.2024 तक एवं इसके पश्चात् के ब्याज व खर्च अतिरिक्त।
	दिनांक : 08.11.2024, स्थान: ग्राम साकरदा, जिला राजसमंद, प्राधिकृत अधिकारी, एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड			
	(1) श्री प्यारे लाल मेवाड़ा पुत्र श्री चुन्नी लाल कलाल, (2) श्रीमती प्रेमी देवी पत्नी श्री प्यारे लाल मेवाड़ा, पता ग्राम व पोस्ट निचलावास कुण्डेली, तहसील देवगढ़, जिला राजसमंद (राज.) 313331, (3) श्री दिनेश चंद्र पुत्र श्री भगवती लाल सेन, पता ग्राम व पोस्ट पीपलीनगर, तहसील भीम, जिला राजसमंद(राज.)313331	रिहायशी भूमि एवं भवन, ग्राम कुण्डेली, ग्राम पंचायत सांगावास तहसील देवगढ़ जिला राजसमंद(राज.) में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 1350 वर्गफीट है। चतुर्थ सीमाएं:- पूर्व- शेषमल का मकान, पश्चिम सड़क उसके बाद मांगीलाल, उत्तर- कस्तूर चंद का मकान, दक्षिण- शेषमल का मकान।	दिनांक 22.04.2024 एवं बकाया राशि रूपये 23,52,845/- (अक्षरे रूपये तेईस लाख बावन हजार आठ सौ पैंतालीस मात्र) दिनांक 31.03.2024 तक एवं इसके पश्चात् के ब्याज व खर्च अतिरिक्त।	दिनांक 08.11.2024 एवं बकाया राशि रूपये 23,52,845/- (अक्षरे रूपये तेईस लाख बावन हजार आठ सौ पैंतालीस मात्र) दिनांक 31.03.2024 तक एवं इसके पश्चात् के ब्याज व खर्च अतिरिक्त ।
	दिनांक: 08.11.2024, स्थान: ग्राम कुण्डेली, जिला राजसमंद, प्राधिकृत अधिकारी, एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड			
	श्री भैरू लाल साल्वी पुत्र श्री दाउ राम साल्वी, (2) श्रीमती मीना पत्नी श्री भैरू लाल साल्वी, पता - ग्राम व पोस्ट ओडा, विजयपुरा, तहसील देवगढ़, जिला राजसमंद, (3) श्री जयंती लाल साल्वी पुत्र श्री भूरा लाल साल्वी, पता - ग्राम व पोस्ट संग्रामपुरा, तहसील देवगढ़, जिला राजसमंद	रिहायशी भूमि एवं भवन, ग्राम विजयपुरा-ओडा, तहसील देवगढ़ जिला राजसमंद (राज.) में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 2700 वर्गफीट है। चतुर्थ सीमाएं:- पूर्व- रोड, पश्चिम रतन लाल पुत्र भूरा का मकान, उत्तर- वरदाराम पुत्र कुमा का मकान, दक्षिण - चुन्नी पुत्र दाउ का मकान।	दिनांक 13.04.2024 एवं बकाया राशि रूपये 24,26,291/- (अक्षरे रूपये चौबीस लाख छब्बीस हजार दो सौ इकरानवे मात्र) दिनांक 11.04. 2024 तक एवं इसके पश्चात् के ब्याज व खर्च अतिरिक्त।	दिनांक 08.11.2024 एवं बकाया राशि रूपये 24,26,291/- (अक्षरे रूपये चौबीस लाख छब्बीस हजार दो सौ इकरानवे मात्र) दिनांक 11.04. 2024 तक एवं इसके पश्चात् के ब्याज व खर्च अतिरिक्त।
	दिनांक : 08.11.2024, स्थान: ग्राम विजयपुरा ओडा, जिला राजसमंद, प्राधिकृत अधिकारी, एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड			

दिनांक : 08.11.2024
स्थान : राजसमन्द

प्राधिकृत अधिकारी
एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड

पानी पीकर हम शरीर को हाइड्रेट और स्वस्थ्य रख सकते हैं। मानसून के दनिों में भी शरीर को हाइड्रेट रखना जरूरी है। पानी का सेवन करने से मानसकि और शारीरकि स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। मानसून के दनिों में भी चपिचिपाहट और नमी से भरे मौसम में ठंडा-ठंडा पानी पीने का मन करता है। इस वजह से लोग फ्रजि से ठंडा पानी नकिालकर पी लेते हैं। लेकनि आपको बता दें कि ऐसा करने से सेहत खराब हो सकती है। फ्रजि का ठंडा पानी पएिंगे, तो बीमार पड़ सकते हैं। वैसे तो फ्रजि का पानी पीना कसिी भी मौसम में सेहत के लिए अच्छा नहीं होता, लेकनि खासकर मानसून के दनिों में फ्रजि का ठंडा पानी पीने से सेहत बगिड़ सकती है। इस लेख में जानेंगे मानसून में फ्रिज का पानी पीने के नुकसान और इस मौसम में पानी पीने का सही तरीका।

मानसून में ठंडा पानी पीने के नुकसान-

ठंडा पानी गले के टशिूज सिकुड़ सकते हैं और इस वजह से गले में खराश या सर्दी हो सकती है।
ठंडा पानी पीने से पाचन प्रक्रिया धीमी हो सकती है, क्योंकि ठंडा पानी पेट की लाइनगिं को प्रभावित करता है और फूड पाइप में ब्लड सर्कुलेशन को कम कर देता है।
मानसून के दौरान तापमान और नमी का अस्थिरता बढ़ जाती है और इससे शरीर का तापमान भी प्रभावित होता है।
ठंडा पानी पीने से शरीर का तापमान अचानक गिर सकता है, जिससे सर्दी और खांसी होने का खतरा बढ़ जाता है।
ठंडा पानी शरीर के इम्यून सिस्टम को कमजोर कर सकता है, जिससे संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है।
ठंडा पानी पीने से बार-बार प्यास लगती है, क्योंकि यह शरीर के तापमान को अस्थिर कर देता है।
हालांकि, यह सभी लोगों पर समान रूप से लागू नहीं होता है, और कुछ लोगों को इससे कोई समस्या नहीं होती। लेकनि इसके बावजूद भी मानसून में फ्रजि का ठंडा पानी पीने से बचना चाहए।

मानसून में कैसा पानी पीना चाहिए

मानसून के दौरान पानी पीते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, क्योंकि इस मौसम में नमी और तापमान में बदलाव के कारण स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं।
मानसून में गुनगुना या हल्का गर्म पानी पीना बेहतर होता है। यह न केवल पाचन को बेहतर बनाता है, बल्कि सर्दी और गले की समस्याओं से भी बचाता है।
मानसून में गंदे पानी से होने बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए फिल्टर किया हुआ पानी या उबला हुआ पानी पीना सुरक्षित होता है।हमेशा ताजा और साफ पानी पीने की कोशिश करें। बासी या लंबे समय तक खुले में रखा हुआ पानी पीने से बचें। इसके अलावा पानी का टीडीएस लेवल भी समय-समय पर चेक करवाएं।

हम पानी यों पीते हैं?

पानी शॉक अब्जोर्वर का काम भी करता है. मनुष्य के शरीर में मौजूद जॉइंट्स के आलावा दिमाग और स्पाइनल कॉड की झटकों से सुरक्षा के लिए बेहद ज़रूरी है. पानी धीरे-धीरे घूंट-घूंट करके पीना चाहिए जिससे वह शरीर के तापमान के मुताबिक ही अन्दर जाए. इसलिए गिलास के जरिये होंठ लगाकर पानी पीने का तरीका सबसे बेहतर माना जाता है.शरीर का दो तिहाई हिस्सा पानी या तरल पदार्थ का बना होता है. रक्त, जिसे हम मानव शरीर की जीवनरेखा कहते हैं, उसका भी 83% पानी होता है.
पानी हम सभी के जीवन का इतना ज़रूरी शब्द है कि इसके न होने की कल्पना करना भी काफी मुश्किल काम नज़र आता है. पृथ्वी ने लेकर मानव शरीर का सबसे बड़ा हिस्सा पानी ही है. पृथ्वी का 71 प्रतिशत हिस्सा पानी से ढका हुआ है, अनुमान के मुताबिक पृथ्वी पर कुल 32 करोड़ 60 लाख खरब गैलन पानी है. इंसानी शरीर की बात करें तो एक वयस्क पुरुष के शरीर का 65% जबकि महिला के शरीर का 52% हिस्सा पानी होता है. वयस्क मनुष्य के शरीर में हमेशा 35 से 40 लीटर पानी मौजूद रहता है.
- पानी न सिर्फ मनुष्य की बाहरी सफाई के लिए ज़रूरी है बल्कि शरीर के अन्दर की सफाई के लिए भी पानी बेहद आवश्यक है. पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने का काम भी पानी ही करता है.
- मनुष्य के शरीर के अधिकतर अंगों में पानी पाया जाता है. बेहद कम लोग जानते होंगे लेकिन ठोस और कड़ी महसूस होने वाली हमारी हड्डियों में भी 22% पानी होता है. हमारे दांतों में 10%, स्किन में 20%, दिमाग में 74.5%, मांसपेशियों में 75.6% जबकि खून में 83% पानी होता है. रिसर्च के मुताबिक एक इंसान बिना भोजन के 15 दिन तक भी जीवित रह सकता है लेकिन बिना पानी के 5वें दिन उसकी मौत हो जाएगी.
- प्यास लगने के पीछे का गणित भी यही है कि जैसे ही शरीर में 1% भी पानी की कमी होती है तो आपको प्यास लगने लगती है. जब ये कमी 5% तक पहुंच जाती है तो शरीर की नसें खिंचने लगती है और स्टेमिना में कमी महसूस होने लगती है.
- जैसे ही ये कमी 10% पहुंचती है तो इंसान को धुंधला दिखाई देने लगता है और वो बेहोश हो जाता है. शरीर में पानी की कमी 20% हो जाने पर इंसान की मौत भी हो सकती है. वैज्ञानिकों के मुताबिक पानी बेहद ज़रूरी है इसलिए ही शरीर में समय-समय पर प्यास लगने का ये मैकेनिज्म विकसित हुआ है.
हमारे शरीर का दो तिहाई हिस्सा पानी या तरल पदार्थ का बना होता है. रक्त, जिसे हम मानव शरीर की जीवनरेखा कहते हैं, उसका भी 83% पानी होता है. रक्त शरीर के हर अंग तक विटामिन, मिनरल्स, अन्य जरूरी पोषक तत्व जैसे हीमोग्लोबिन, ऑक्सीजन आदि को पहुंचाने का काम करता है.
- पेशाब भी हमारे शरीर का एक अहम तरल पदार्थ है, जो शरीर से टॉक्सिक (हानिकारक) पदार्थों को बाहर निकालने का काम करता है. अगर हमारे शरीर में पानी की मात्रा कम है, तो शरीर में बनने वाले विषाक्त पदार्थ बाहर नहीं जाएंगे और इस से कई समस्याएं जैसे त्वचा का सूखापन, कब्ज, सिरदर्द आदि हो सकती हैं।

शंख बजाने से घर आती है सुख-शांति

सनातन धर्म में शंख का काफी महत्व है। शंख को नियमित रूप से बजाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होने के साथ गृह-क्लेश से निजात मिलती है। माता लक्ष्मी के साथ-साथ भगवान विष्णु का आशीर्वाद बना रहता है। जानिए शंख बजाते समय किन बातों का रखना चाहिए ध्यान। शास्त्रों के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान शंख की उत्पत्ति हुई थी जो चौदह रत्नों में से एक माना जाता है। इसलिए शंख को माता लक्ष्मी का भाई माना जाता है। इसी कारण इसका संबंध भगवान विष्णु से है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शंख को भगवान विष्णु के शस्त्रों में से एक माना जाता है। भगवान विष्णु के हाथों में चक्र, गदा, कमल का फूल और शंख होता है। इसलिए कहा जाता है कि जिस घर में शंख वादन किया जाता है तो इसकी ध्यान से भगवान विष्णु आकर्षित होकर घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह करते हैं।

शंख बजाने के नियम

अगर आप शंख घर में रखते हैं तो एक नहीं बल्कि 2 शंख लेकर आए। एक शंख बजाने के लिए और दूसरा अभिषेक आदि करने के लिए।
जिस शंख से आप भगवान की पूजा करते हैं उसे कभी भी बचना नहीं चाहिए। क्योंकि वह झूठा हो जाता है। वहीं जिस शंख को आप बजाने के लिए इस्तेमाल करते हैं उससे कभी भी पूजा के लिए इस्तेमाल न करें।पूजा घर में एक ही शंख रखना चाहिए जोकि पूजा वाला होना चाहिए।दूसरे शंख के पूजा घर के आसपास सफेद रंग के कपड़े में लपेटकर रखना चाहिए।भगवान विष्णु को शंख से जल अर्पित करना शुभ माना जाता है। लेकिन कभी भी भगवान शिव और सूर्य देवता को अर्पित नहीं करना चाहिए।शंख बजाने से पहले एक बार गंगाजल से उसे धो जरूर लेना चाहिए। अगर गंगाजल नहीं है तो आप पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं।पूजा वाले शंख में हमेशा जल भर कर रखना चाहिए। रोजाना पूजा-पाठ करने के बाद पूरे घर में इस जल को छिड़कना चाहिए। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती हैं और सुख-शांति बनी रहती है।कभी भी अपना शंख किसी को इस्तेमाल करने को नहीं देना चाहिए और न ही किसी दूसरे का इस्तेमाल करना चाहिए।शंख को सुबह और शाम के समय बजाना चाहिए। इसके अलावा किसी अन्य समय नहीं बजाना चाहिए।
क्या आप जानती हैं शंख रखने का सही स्थान क्या है? इस दिशा में रखने से मिलते हैं अनगिनत फायदे घर के मंदिर में शंख रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और सदैव खुशहाली बनी रहती है। यदि आप इसे वास्तु के नियमों का ध्यान रखते हुए स्थापित करें तो इसके पूर्ण लाभ हो सकते हैं।
वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में हर चीज एक निश्चित दिशा और स्थान पर रखनी चाहिए। जिस प्रकार पूजा और इससे जुड़ी सामग्रियों के लिए एक स्थान निर्धारित होता है। उसी तरह से घर के मंदिर से लेकर उसमें रखी कोई भी चीज वास्तु के नियमों के अनुसार रखने से आपके जीवन में सदैव खुशहाली बनी रहती है। इन्हीं में से एक चीज है शंख। घर के मंदिर या किसी अन्य स्थान पर शंख रखना बहुत शुभ माना जाता है और यह वास्तु नियमों के अनुरूप भी होता है।
यदि हम शंख को सही दिशा में रखते हैं और इसके लिए सही स्थान का चुनाव करते हैं तो आपको इसके पूरे लाभ मिलते हैं। सही दिशा में शंख रखने से इसके सकारात्मक प्रभाव बढ़ सकते हैं और यह आपके घर में सद्भाव ला सकता है। आइए ज्योतिर्विद पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी से जानें कि आपको शंख घर के किस स्थान और दिशा में रखना चाहिए जिससे यह पूर्ण सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करे।

या शंख रखने के लिए उ र-पूर्व दिशा ठीक है

यदि हम वास्तु की माने तो शंख रखने के लिए उत्तर-पूर्व दिशा को सबसे शुभ माना जाता है। दरअसल यह दिशा जल से संबंधित होती है और इस पर ईश्वर का का शासन होता है। मुख्य रूप से इस दिशा को देवताओं की दिशा ही माना जाता है और इस स्थान पर शंख रखने से समस्त देवताओं का आशीष मिलने के साथ घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह भी सुचारु रहता है। उत्तर-पूर्व दिशा में शंख रखने से व्यक्ति का आध्यात्मिक विकास होता है। घर में शांति आती है और आस-पास का वातावरण शुद्ध होता है।

या पूर्व दिशा शंख रखने के लिए ठीक है

पूर्व दिशा उगते सूरज से जुड़ी होती है और यह हमेशा से ही नई शुरुआत, विकास और समृद्धि का प्रतिनिधित्व करती है। घर की पूर्व दिशा में शंख रखने से स्पष्टता, सफलता और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। यही नहीं इस दिशा में शंख रखने से उगते सूरज का आशीर्वाद भी आपको मिलता है, जिससे शंख और सूर्य की ऊर्जा के मिलने से कई गुना ऊर्जा का विकास होता है।

या पश्चिम दिशा में शंख रखना ठीक है

वास्तु शास्त्र के अनुसार, पश्चिम दिशा स्थिरता और मजबूती का प्रतीक है। इस दिशा में शंख रखने से जीवन में स्थिरता और संतुलन आता है। यह दिशा नकारात्मक प्रभावों से बचाव करती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह सुनिश्चित करती है।
पश्चिम दिशा में शंख रखने से आपके जीवन में स्थिरता और मजबूती बनी रहती है। यह दिशा आपके जीवन के विभिन्न पहलुओं में संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। इस दिशा में शंख रखने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मकता का वातावरण बनता है।
शंख को हमेशा पश्चिम दिशा में रखने से आपको नकारात्मक प्रभावों से बचाव मिलता है। यह दिशा आपको मानसिक और शारीरिक मजबूती प्रदान करती है। शंख की ध्वनि से घर के वातावरण में शुद्धता आती है, जिससे आपके मन और मस्तिष्क को शांति मिलती है।

या उ र दिशा में शंख रखना ठीक है

उत्तर दिशा को धन के देवता कुबेर की दिशा माना जाता है, जो वित्तीय समृद्धि और विकास का प्रतीक है। यदि आप घर के मंदिर में या किसी अन्य स्थान पर इस दिशा में शंख रखते हैं, तो यह आपके घर में धन को आकर्षित करता है और आर्थिक स्थिरता में सुधार लाता है।
इस दिशा में शंख रखने से शंख की ऊर्जा से घर में सकारात्मकता फैलती है, जिससे वित्तीय स्थायित्व बढ़ता है। शंख की उपस्थिति से घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। उत्तर दिशा में शंख रखने से न केवल धन का आगमन होता है, बल्कि यह आपके आर्थिक जीवन को भी संतुलित और स्थिर बनाता है।

पूजा-पाठ में शंख बजाने का चलन युगों-युगों से है। देश के कई भागों में लोग शंख को पूजाघर में रखते हैं और इसे नियमित रूप से बजाते हैं। ऐसे में ये उत्सुकता एकदम स्वाभाविक है कि शंख केवल पूजा-अर्चना में ही उपयोगी है या इसका सीधे तौर पर कुछ लाभ भी है। दरअसल, सनातन धर्म की कई ऐसी बातें हैं, जो न केवल आध्यात्मिक रूप से, बल्कि कई दूसरे तरह से भी फायदेमंद हैं। शंख रखने, बजाने व इसके जल का उचित इस्तेमाल करने से कई तरह के लाभ होते हैं। शंख कई प्रकार के होते और इनके कई फायदे हैं। आइए जानते हैं कि किस शंख से कौन सा लाभ प्राप्त होता है? गणेश शंख इस शंख की आकृति भगवान श्रीगणेश की तरह ही होती है। ये शंख दरिद्रता नाशक और धन प्राप्ति का कारक है। अन्नपूर्णा शंख अन्नपूर्णा शंख का उपयोग घर में सुख-शान्ति और श्री समृद्धि के लिए अत्यन्त उपयोगी है। गृहस्थ जीवन यापन करने वालों को प्रतिदिन इसके दर्शन करने चाहिए। कामधेनु शंख कामधेनु शंख का उपयोग तर्क शक्ति को और प्रबल करने के लिए किया जाता है। इस शंख की पूजा-अर्चना करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मोती शंख इस शंख का उपयोग घर में सुख और शांति के लिए किया जाता है। मोती शंख हृदय रोग नाशक भी है। मोती शंख की स्थापना पूजा घर में सफेद कपड़े पर करें और प्रतिदिन पूजन करें, लाभ मिलेगा। ऐरावत शंख ऐरावत शंख का उपयोग मनचाही साधना सिद्ध को पूर्ण करने के लिए, शरीर की सही बनावट देने तथा रूप रंग को और निखारने के लिए किया जाता है। प्रतिदिन इस शंख में जल डाल कर उसे ग्रहण करना चाहिए। शंख में जल प्रतिदिन 24 - 28 घण्टे तक रहे और फिर उस जल को ग्रहण करें, तो चेहरा कांतिमय होने लगता है। विष्णु शंख इस शंख का उपयोग लगातार प्रगति के लिए और असाध्य रोगों में शिथिलता के लिए किया जाता है। इसे घर में रखने भर से घर रोगमुक्त हो जाता है। पौण्ड्र शंख पौण्ड्र शंख का उपयोग मनोबल बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग विद्यार्थियों के लिए उत्तम है। इसे विद्यार्थियों को अध्ययन कक्ष में पूर्व की ओर रखना चाहिए। मणि पुष्पक शंख मणि पुष्पक शंख की पूजा-अर्चना से यश कीर्ति, मान-सम्मान प्राप्त होता है। उच्च पद की प्राप्ति के लिए भी इसका पूजन उत्तम है।

भारी बस्ते बच्चों में बढ़ा सकते हैं Scoliosis का जोखिम

बच्चों के कंधों पर भारी बैग के बोझ से उनको कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। एक्सपर्ट्स की मानें तो कंधों पर भारी वजन के बैग्स उठाने से उनके पोश्चर में बदलाव हो सकता है। साथ ही, उनको कई पीठ और रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्या का सामना भी करना पड़ सकता है। इसका ज्यादा नुकसान छोटी उम्र के बच्चों को उठाना पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि उनका शरीर बढ़ रहा होता है, ऐसे में भारी वजन के बैग्स से उनकी हाइट और पीठ आगे की ओर झुकने का जोखिम अधिक होता है। इतना ही नहीं, छोटी उम्र के बच्चों को स्कोलियोसिस (स्थ्ष्द्यद्बश्च्द्बह्य) होने का जोखिम भी बढ़ जाता है। यह एक रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्या है, इसमें रीढ़ की हड्डी का असामान्य धुमाव हो जाता है। यह घुमाव स या ष्ट के आकार का हो सकता है। सही समय पर पहचान कर स्कोलियोसिस का इलाज किया जा सकता है। इस लेख में यशोदा अस्पताल की पीडियेट्रिक्स दीपिका रुस्तगी से जानते हैं कि स्कोलियोसिस क्या होता है। साथ ही इसके लक्षण और इलाज के बारे में भी आगे विस्तार से जानेंगे।

बच्चों में स्कोलियोसिस के लक्षण -

स्कोलियोसिस के शुरुआती लक्षण बहुत हल्के होते हैं, इसलिए इसे पहचानना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। बच्चों में स्कोलियोसिस के कुछ सामान्य लक्षण आगे बताए गए हैं।
पीठ दर्द- कई बच्चों को हल्का पीठ दर्द हो सकता है, जो खेलने या अन्य गतिविधियों के दौरान बढ़ सकता है।
पीठ का झुका होना- पीठ को देखते समय रीढ़ की हड्डी एक तरफ झुकी हुई दिखाई दे सकती है।
एक कंधा या कूल्हा ऊंचा होना- स्कोलियोसिस के कारण एक कंधा या कूल्हा दूसरे से ऊंचा हो सकता है।
कमर की असमानता- बच्चों की कमर असामान्य दिख सकती है, और कपड़े सही तरीके से फिट नहीं आते।
शरीर का संतुलन बिगड़ना- इस स्थिति में बच्चे को चलने में परेशानी हो सकती है, और संतुलन बनाना मुश्किल हो सकता है।

या कहते हैं डॉ टर

पीठ दर्द के अलावा, भारी बैग से कंधे में झुकाव हो सकता हैं। साथ ही, गर्दन और कंधे में दर्द हो सकता है, जो बच्चे अपने बैगपैक को ठीक से नहीं उठाते हैं या सिर्फ एक कंधे पर बैग उठाते हैं, उनको कंधों और रीढ़ से जुड़ी समस्याओं का जोखिम अधिक होता है, जिससे रीढ़ की हड्डी मुड़ सकती है और यहां तक कि स्कोलियोसिस जैसी स्थिति और गंभीर हो सकती है। हालांकि, भारी बैग उठाने से सीधे तौर पर यह समस्या उत्पन्न नहीं होती, लेकिन यह निश्चित रूप से स्थिति को बढ़ा सकती है और रीढ़ की हड्डी बनावट में समस्या का कारक बन सकती है।

बच्चों में स्कोलियोसिस के प्रकार -

स्कोलियोसिस का मुख्य कारण अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है, कुछ कारक इस स्थिति का जोखिम बढ़ा सकते हैं। जिसमें छोटे बच्चों के कंधों पर भारी बोझ को भी शामिल किया जा सकता है। आगे जानते हैं इसके कुछ प्रकार के बारे में।
इडियोपैथिक स्कोलियोसिस- यह सबसे सामान्य प्रकार है और इसमें स्पष्ट कारण नहीं होता। इस प्रकार की स्कोलियोसिस आमतौर पर किशोरावस्था में दिखाई देती है।
आनुवंशिकता- यदि परिवार में किसी सदस्य को स्कोलियोसिस है, तो बच्चों में इसके होने की संभावना बढ़ जाती है।
जन्म से स्कोलियोसिस होना- यह जन्मजात स्थिति होती है जिसमें बच्चे की रीढ़ की हड्डी जन्म से ही विकृत होती है। गर्भावस्था के दौरान रीढ़ की हड्डी का विकास सही तरीके से नहीं हो पाता, जिसके कारण जन्म से ही स्कोलियोसिस हो सकता है।
तंत्रिका तंत्र से जुड़ा स्कोलियोसिस- यह उन बच्चों में होता है जिन्हें मांसपेशियों या नसों से संबंधित समस्याएं होती हैं, जैसे कि सेरेब्रल पाल्सी या मस्कुलर डिस्ट्रॉफी आदि।

बच्चों में स्कोलियोसिस का इलाज

नियमित जांच करना

स्कोलियोसिस के हल्के लक्षण में डॉक्टर केवल नियमित जांच करने की सलाह देते हैं, ताकि यह पता चल सके कि समस्या बढ़ तो नहीं रही है। आमतौर पर हर 6 से 12 महीने में चेक-अप की आवश्यकता होती है।

ब्रेस

स्कोलियोसिस मध्यम होने पर ब्रेस पहनने की सलाह दी जा सकती है। ब्रेस रीढ़ की हड्डी के झुकाव को बढ़ने से रोकता है। इसे बच्चों को उनकी उम्र और झुकाव की गंभीरता के अनुसार पहनने की सलाह दी जाती है, खासतौर से तब, जब बच्चे का शरीर ग्रोथ फेज चल रहा हो।

फिजिकल थेरेपी

फिजिकल थेरेपी बच्चों में रीढ़ की हड्डी की लचीलापन और मांसपेशियों की मजबूती बढ़ाने में सहायक होती है। यह रीढ़ की हड्डी पर दबाव को कम करने में मदद करती है और बच्चों को अपने शरीर का संतुलन बनाए रखने में सहायता करती है।

सर्जरी

स्कोलियोसिस के गंभीर मामलों में, जब बच्चे की पीठ का झुकाव बहुत अधिक हो जाता है और अन्य उपचार कारगर नहीं होते हैं, तब डॉक्टर सर्जरी की सलाह दे सकते हैं। सर्जरी में रीढ़ की हड्डी को सीधा करने के लिए स्पाइनल फ्यूजन किया जाता है, जिससे झुकाव को कम किया जा सके।

हर इंसान को कभी न कभी घबराहट महसूस होती है और अगर ये घबराहट बढ़ती जाए, तो मानसिक विकार में भी बदल सकती है। एंग्जाइटी की इस समस्या को लोग बीमारी के तौर पर नहीं देखते और आंकड़े भी इसका सबूत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (ड्ढ।ह्र) के अनुसार दुनियाभर में एंग्जाइटी को सबसे आम बीमारी माना जाता है। साल 2019 में करीब 31 करोड़ लोग इस बीमारी से प्रभावित हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में एंग्जाइटी की समस्या सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। आंकड़ों के अनुसार, इस बीमारी का सबसे ज्यादा प्रभावी इलाज मौजूद है। इसके बावजूद, लोग इसके इलाज से बचते हैं। यही वजह है कि एंग्जाइटी की बीमारी गंभीर रूप ले लेती है और फिर इसका प्रभाव न सिर्फ दिमाग पर बल्कि शरीर पर भी दिखने लगता है। इसका सबसे प्रमुख कारण लोगों का कई मिथकों को सच मान लेना है। उन्हें लगता है कि सोने में दिक्कत होना, टेंशन में रहना, पसीना आना या फिर हाथ या पैरों का कांपना ये सभी लक्षण तो आम हैं, और इनका इलाज कराने या इसको लेकर डॉक्टर से सलाह लेने की कोई जरूरत नहीं है। एंग्जाइटी से जुड़े मिथकों को जानने के लिए हमने आर्टेमिस अस्पताल के मेंटल हेल्थ और बिहेवियरल साइंस के चीफ डॉ. पुनीत द्विवेदी से बातचीत की। जानें एंग्जाइटी से जुड़े मिथक और उनकी सच्चाई। साथ ही डॉ. पुनीत ने इस समस्या को कम करने के तरीके भी बताए हैं।
एंग्जाइटी से जुड़े मिथक और उनकी सच्चाई
मिथ- एंग्जाइटी सिर्फ मानसिक समस्या है। इसका शरीर की फिटनेस पर कोई असर नहीं पड़ता।
सच्चाई- ये बिल्कुल मिथ है। एंग्जाइटी के कारण शरीर में भी कई बदलाव होते हैं, जिनमें सिरदर्द, मांसपेशियों में टेंशन, पाचन संबंधी दिक्कतें, तेज हार्टबीट और चक्कर आना शामिल हैं। क्रोनिक एंग्जाइटी में सेहत पर दीर्घकालिक प्रभाव भी देखने को मिलता है, जैसे कि हाई ब्लड प्रेशर, दिल से जुड़ी बीमारियां और इम्यून सिस्टम का कमजोर होना। मेंटल हेल्थ और फिजिकल हेल्थ, दोनों का बहुत गहरा संबंध है। अगर एंग्जाइटी का इलाज न किया जाए, तो ये दिमाग और शरीर दोनों को नुकसान पहुंचाती है। इससे सेहत पर असर पड़ता है।
मिथ- सिर्फ व्यस्कों को ही एंग्जाइटी होती है?
सच्चाई- एंग्जाइटी सिर्फ व्यस्कों तक सीमित नहीं है, बच्चे और टीनएजर्स भी इससे अछूते नहीं हैं। वैसे, बच्चों में एंग्जाइटी सबसे आम मेंटल हेल्थ से जुड़ी समस्या है। बच्चों और युवाओं में आमतौर पर स्कूल का प्रेशर, सोशल मीडिया, पारिवारिक समस्याएं और आसपास के माहौल की वजह से स्ट्रेस होता है। इसका समय पर इलाज होना बहुत जरूरी है। अगर बच्चों का इलाज न कराया जाए, तो उनका सोशल विकास, पढ़ाई पर असर और पूरे जीवन की क्वालिटी पर प्रभाव पड़ता है। युवाओं में लक्षणों को समझना और उन्हें स्पोर्ट देना उनके मानसिक विकास को सुनिश्चित करता है।
मिथ- एंग्जाइटी के लिए इलाज कराना जरूरी नहीं, ये समय के साथ खुद ही खत्म हो जाएगी।
सच्चाई- बिना इलाज कराए, एंग्जाइटी खत्म नहीं होती। हालांकि कुछ समय के लिए ये कम हो सकती है, लेकिन इलाज न कराने पर ये गंभीर हो सकती है। कई बार एंग्जाइटी को लेकर समय पर सलाह नहीं ली जाती, तो गंभीर मामलों में ये शरीर और दिमाग दोनों की जटिलताएं बढ़ा सकती है। थेरेपी, दवाइयों और लाइफस्टाइल में बदलाव करके एंग्जाइटी को लंबे समय के लिए कम किया जा सकता है। इसलिए किसी अनुभवी साइकोलोजिस्ट से मदद लेकर इसका इलाज कराना बहुत महत्वपूर्ण है।
मिथ- एंग्जाइटी की दवाइयां लेने से लत लग जाती है।
सच्चाई- कुछ दवाइयां जैसेकि बेंजोडायजेपाइन, एंग्जाइटी के इलाज में दी जाती है।अगर उनका गलत इस्तेमाल किया जाए, तो इसकी लत लग सकती है। लेकिन सभी एंग्जाइटी की दवाइयों से लत नहीं लगती। एंग्जाइटी के इलाज में आमतौर पर Selective serotonin reuptake inhibitors (SSRIs) और Serotonin-norepinephrine reuptake inhibitors (SNRIs) इस्तेमाल की जाती है और इनसे नशे की लत नहीं लगती। ये दवाइयां अक्सर लंबे समय तक एंग्जाइटी को मैनेज करने के लिए डॉक्टर अपनी देखरेख में देते हैं। बीमारी के इलाज के लिए डॉक्टर के साथ मिलकर सही तरीके से प्लान करें, फिर चाहे वे दवाइयां हो या थेरेपी या फिर दोनों।
डॉक्टर की सलाह
अक्सर डॉक्टर एंग्जाइटी को मैनेज करने के लिए कई तरह के तरीके अपनाते हैं। इसमें कोग्नेटिव-बिहेवियरल थेरेपी (ष्टक्चञ्ज) शामिल है। इस थेरेपी की मदद से रोगी उन विचारों को पहचानने और उन्हें बदलने की कोशिश करता है, जो एंग्जाइटी को बढ़ाते हैं। माइंडफुल तकनीके जैसे कि मेडिटेशन या प्राणायाम करने की भी सलाह दी जाती है, जिससे स्ट्रेस कम हो और फोकस बढ़े। कसरत, सही व संतुलित खानपान और पर्याप्त नींद सेहतमंद शरीर और मन दोनों के लिए सबसे जरूरी हैं। लक्षणों को मैनेज करने के लिए डॉक्टर दवाइयां दे सकते हैं, लेकिन एंग्जाइटी को कम करने के लिए डॉक्टर दोस्तों, परिवार और मेंटल हेल्थ प्रोफेशनल्स से परामर्श लेने पर जोर देते हैं।

मतपेटीयों में बंद हुआ प्रत्याशीयों का भाग्य, परिणाम 23 को

सीमलवाड़ा। बुजुर्ग मतदाता को व्हील चेयर पर बैठा मतदान कराने ले जाती स्काउट वालंटियर। पीठ में मतदान करने जाता दिव्यांग कारीलाल। ईवीएम खराबी होने से लगी लंबी कतारे। ईको फ्रेंडली बूथ पर झूला झूलते नौनिहाल। नौकायान द्वारा मतदान करने जाते मतदाता। मतदान करते हुए प्रत्याशी। बूथ का निरीक्षण करते हुए जिला कलक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षक। फोटो:- गुणवंत कलाल एवं चन्द्रमौली चौबीसा

- चौरासी विधानसभा उपचुनाव में उत्साह के साथ हुआ मतदान
- ईको फ्रेंडली मतदान केन्द्र बने आकर्षण का केन्द्र, मोबाईलो में सेल्फी का क्रेज
- चौरासी विधानसभा उप चुनाव 74.10 प्रतिशत हुआ मतदान,
- पिछले चुनावो में रहा था 81.76 मतदान प्रतिशत

सीमलवाड़ा(पुकार)। डूंगरपुर जिले की चौरासी विधानसभा सीट पर बुधवार को हुए उपचुनाव में मतदाताओं ने बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सुबह सात बजे मतदान शुरू होते ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से मतदान का कार्य संपन्न हुआ। सामान्य प्रेक्षक के. विवेकानंदन ने गेंजी, पाड़ली गुजरेश्वर, धम्बोला सहित अन्य मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन अंकित कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन, एएसपी अशोक मीणा ने मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर स्वतंत्र, निष्पक्ष और पूर्ण पारदर्शिता के साथ मतदान सुनिश्चित किया।

दिन चढने के साथ ही मतदाताओं में दिखा उत्साह:-

दिन चढ़ने के साथ मतदान का प्रतिशत बढ़ता रहा। सुबह 9 बजे तक 10.54 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। दोपहर 1 बजे तक 40.95 प्रतिशत मतदान हो चुका था। वहीं अपराह्न तीन बजे तक मतदान प्रतिशत 55.28 फीसदी दर्ज किया गया। शाम 5 बजे तक भारत निर्वाचन आयोग के वोटर टर्न आउट एप पर 68.55 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

भादर भंडारा बूथ पर आधा घंटा देरी से शुरू हुआ मतदान:-

भादर भंडारा बूथ पर ईवीएम मशीन की बैटरी खराब होने से आधा घंटा देरी से मतदान शुरू हुआ। जिससे मतदाताओं ने काफी आक्रोश भी जताया। तब तक मतदाताओं की लंबी कतार लग चुकी थी।

नौकायान कर पोलिंग बुथ पंहुच कर किया मतदान:-

कडाना बेक वाटर क्षेत्र में टापू पर बसे मतदाता नाव में बैठकर मतदान करने पहुंचे। राजकीय प्राथमिक विद्यालय हेरा फला सलाखड़ी में कुल पंजीकृत 524 मतदाताओं में से 366 मतदाताओं ने दोपहर 1 बजे तक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें फर्स्ट टाइम वोटर दिलीप जवरा, महिपाल, रामलाल, कल्पेश, बसंती, भरत लाल तेजसिंह, अरविंद, गट्टू लाल, जयंतीलाल, चंपालाल, हितेश, वीरेंद्र ने पहली बार मतदान किया। वहीं सुमित्रा, दिनेश चंद्र, अनीता, महेंद्र तथा आशा मोहन ने भी इस मतदान केंद्र पर अपना पहला वोट डाला।

ईको फेंडली बुथ पर सेल्फीयों का बढा क्रेज, झुले रहे आकर्षण का केन्द्र:-

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन की पहल पर चौरासी विधानसभा क्षेत्र में 10 इको फ्रेंडली मतदान केंद्र बनाए गए। मतदान के बाद मतदाता ईको सेल्फी बूथ पर सेल्फी लेकर अपनी खुशी का इजहार करते नजर आए। वही, बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले और ग्रीन डेकारेषन भी आकर्षण का केंद्र रहा। जिससे पर्यावरण संतुलन का संदेश दिया। धम्बोला, सीमलवाड़ा, पीठ, चिखली सहित 5 स्थानों पर कुल 10 ईको फ्रैंडली मतदान केन्द्र बनाए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित कुमार सिंह के निर्देशन में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न हुआ। पूरी मतदान प्रक्रिया के दौरान कहीं से भी कानून व्यवस्था को लेकर कोई मामला सामने नहीं आया।

दिव्यांगों सहित बुजुर्ग ओंर महिला मतदाताओं में उत्साह:-

महिलाओं और दिव्यांग मतदाताओं ने भी बड़ी संख्या में मतदान किया। मतदान केन्द्रों पर स्काउट-गाइड ने दिव्यांगजनों की मदद की। मतदान केन्द्रों पर प्रथम मतदाता का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। वहीं बुजुर्ग मतदाताओं में भी विशेष उत्साह नजर आया। मतदान केंद्रों पर स्काउट वालंटियर की सहायता से बुजुर्ग मतदाताओं को व्हीलचेयर से मतदान कराया। घुवेड़ में 82 साल की गोमती देवी, 83 साल के हीरा पुत्र सोमा एवं सीमलवाड़ा में 83 साल की देव कुंवर ने व्हील चेयर में बैठ मतदान किया।

वैवाहिक बंधन से पहले लोकतंत्र का कर्तव्य:-

लक्ष्मण लाल ताबियाड़ निवासी दाद की 17 नवम्बर को शादी है और 11 तारीख को हल्दी की रस्म हुई है। हल्दी लगाए लक्ष्मण ने बूथ संख्या 224 राप्रावि कलिहारी में मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। उन्होंने कहा कि मैंने अपना कर्तव्य निभाया है। लोकतंत्र में सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

वॉर रूम से मतदान केन्द्रो पर निगरानी:-

राज्य निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार चौरासी विधानसभा के संवेदनशील मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग के जरिये लाइव निगरानी रखी गई। इस दौरान सामान्य प्रेक्षक केण् विवेकानंदन, जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित कुमार सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश धाकड़, जिला परिषद सीईओ हनुमान सिंह राठौड़, एडिशनल डायरेक्टर डीओआईटी सुनील डामोर वॉर रूम में डटे रहे। एडिशनल डायरेक्टर डीओआईटी सुनील डामोर ने बताया कि वॉर रूम में 5 एलईडी स्क्रीन पर प्रत्येक एलईडी पर 9 फ्रेम में चिन्हित मतदान केंद्रों की मतदान प्रक्रिया का लाइव दृश्य देखकर पूर्ण पारदर्शिता के साथ मतदान सुनिश्चित किया गया।

बीएलओ के खिलाफ मतदाताओं का आक्रोश आया सामने:-

बांसिया बूथ संख्या 161 पर बीएलओ लक्ष्मण परमार द्वारा मतदाताओं की पर्ची नहीं बनाएं जाने पर मतदाताओं ने हंगामा खड़ा किया। वहीं बीएलओ लक्ष्मण परमार पर शराब के नशे में धुत होने का आरोप भी लगाया। शाम को बीएलओ को धंबोला पुलिस अपने साथ ले गई।

राजनीतिक प्रतिष्ठा का फैसला 23 कों, मतदाताओं का निर्णय ईवीएम में कैद:-

चौरासी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में कुल 10 प्रत्याशियों का भविष्य अब ईवीएम में कैद हो चुका है। जिनके भाग्य का फैसला 23 नवंबर को होगा। यह उपचुनाव राजनीति की धुरी बन चुका है, क्योंकि इसमें बीजेपी और बीएपी के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। इस चुनाव का महत्व न केवल पार्टी जीत तक सीमित है, बल्कि इसमें कई बड़े नेताओं की राजनीतिक साख भी दांव पर लगी हुई है। आदिवासी बहुल इस क्षेत्र में हर वोट का विशेष महत्व है और इस कारण से दोनों पार्टियों ने पूरे दमखम के साथ मतदाताओं को साधने की कोशिश की है।

उत्सव जैसा माहौल, सुरज की रोंशन के साथ ही मतदान केन्द्र भी वोटरों के साथ हुये रोशन:-

सुबह 7 बजे मतदान शुरू होते ही शुरुआती कुछ घंटों में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ। लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ा मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला। शाम 5 बजे तक चुनाव आयोग के वोटर टर्न आउट एप पर 68.55 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। चुनाव के दौरान बुजुर्ग, दिव्यांग, युवा और महिलाएं विशेष रूप से सक्रिय नजर आए।

बीजेपी और बीएपी में जोरदार मुकाबला, कड़ी रणनीति का खेल:-

इस उपचुनाव में बीजेपी और बीएपी के बीच सीधे टकराव की स्थिति बन गई है। भाजपा का प्रदेश नेतृत्व पिछले डेढ़ महीने से चौरासी में सक्रिय प्रचार अभियान चला रहा था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी चौरासी में दो प्रमुख जनसभाएं की, जिसमें विकास और सरकार की नीतियों को प्रस्तुत किया गया। दूसरी ओर मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने एक महीने से अधिक समय से चौरासी में मोर्चा संभाले रखा और क्षेत्र के विकास कार्यों के साथ आदिवासी अधिकारों के मुद्दों को लेकर मतदाताओं को आकर्षित करने का प्रयास किया। बीएपी ने राजकुमार रोत को अपने चुनावी अभियान का चेहरा बनाया। राजकुमार की पिछली बड़ी जीत और उनकी जनता में मजबूत पकड़ ने बीएपी को एक मजबूती दी है और इसी के बल पर बीएपी ने चुनाव में आत्मविश्वास के साथ कदम रखा।

राज्य की सबसे बडी हॉट सीट, चुनाव परिणाम के व्यापक प्रभाव:-

इस उपचुनाव के परिणामों का प्रभाव न केवल चौरासी क्षेत्र बल्कि पूरे राज्य की राजनीति पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह चुनाव राज्य में आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए एक नज़ीर बन सकता है। बीजेपी ने अपने टिकट में बदलाव, मुख्यमंत्री की सभाओं और कार्यकर्ताओं की एकजुटता जैसे कदम उठाए हैं। जिससे बीएपी को कड़ी चुनौती दी जा रही है। अब देखना यह है कि 23 नवंबर को जनता का फैसला किसके पक्ष में आता है।

संक्षिप्त समाचार

जिले के 1740 विद्यालयों में बाल दिवस पर होंगे समारोह

राजसमंद (पुकार)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार समुदाय द्वारा विद्यालयों में सकारात्मक एवं सक्रिय भागीदारी के लिए अभिभावकों को उनके बच्चों द्वारा विद्यालय में की जाने वाली गतिविधियों को देखने और गतिविधियों में भाग लेने को लेकर विद्यालय में आमंत्रित किया जाएगा। बच्चों के साथ गतिविधि में भाग लेना अभिभावकों के लिए अत्यंत सुखद अनुभव होता है। इसी बात को ध्यान रखते हुए राज्य के सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक विद्यालयों में बाल समारोह की गतिविधियां आयोजित होंगी। इन गतिविधियों में सांस्कृतिक, खेलकूद व साहित्यिक गतिविधियों में बालक भाग लेंगे। 14 नवंबर को बाल दिवस पर जिले के 1740 विद्यालयों में बाल समारोह आयोजित किए जाएंगे। इन में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र से संबंधित प्रतियोगिताएं, वाद- विवाद, आशु भाषण, निबंध, प्रश्नोत्तरी, अंग्रेजी और हिंदी शब्दों की अंताक्षरी, खो -खो, कबड्डी, चम्मच रेस, 100 मीटर दौड़, रुमाल झपट्टा और गायन, नृत्य आदि प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इन प्रतियोगिताओं के लिए समग्र शिक्षा अभियान द्वारा प्रत्येक विद्यालय को 250 रुपए की राशि बालकों के प्रथम द्वितीय और तृतीय आने पर पुरस्कार रूप में दिए जाने के लिए जारी की गई है। जिला समग्र शिक्षा अभियान द्वारा जिले के कुल 1740 विद्यालय में 435000 की राशि जारी की जा चुकी है। समारोह का आयोजन कर सभी शिक्षा अधिकारियों को इन समारोह का अवलोकन कर बालकों का उत्साह वर्धन के लिए भी निर्देशित किया गया है।

राजसमंद और देलवाड़ा में विशेष योग्यजन सहायता शिविर आज

राजसमंद (पुकार)। निदेशालय विशेष योग्यजन राजस्थान सरकार जयपुर के निर्देशानुसार 14 नवंबर को राजसमंद पंचायत समिति एवं पंचायत समिति मुख्यालय देलवाड़ा में विशेष योग्यजन सहायता शिविर का आयोजन प्रातः 10 बजे होगा। जिसमें विभिन्न सरकारी योजनाओं से वंचित पात्र विशेष योग्यजन दिव्यांग के आवेदन पत्र यथा पेंशन, विकलांग प्रमाण पत्र, योग्यतानुसार श्रवण यंत्र, बैसाखी, ट्राई साइकिल, स्कूटी के आवेदन, बैंक ऋण, स्वरोजगार के आवेदन, शिक्षा छात्रवृत्ति इत्यादि के आवेदन तैयार करवाए जाएंगे। जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा ने अधिक से अधिक पात्र विशेष योग्यजन दिव्यांग को शिविरों में आवश्यक कार्यवाही करने के लिए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया।

देव दिवाली पर रथयात्रा 15 नवम्बर को

सागवाड़ा(पुकार)। देव दिवाली पर शुक्रवार 15 नवमबर को दशा नेमा समाज के तत्वावधान में सनातन धर्मावलंबियों की रथयात्रा निकाली जाएगी। समाज के सचिव गोकुल दोसी ने बताया कि अध्यक्ष रामकृष्ण वाड़ेल, समाज के वरिष्ठजन, युवा तथा पंचों के मार्गदर्शन में शाम को 5 बजे नेमा समाज के भगवान रुपचतुर्भुज मंदिर से पारंपरिक रथयात्रा निकलेंगी। दो मंजिला काष्ठ से बने रजत छत्र व रजत छड़ी के साथ रोशनी से लकदक रंगीन प्राचीन रथ में दूसरी मंजिल पर रजत पालके में भगवान की प्रतिमा रख चंवर ढूलाते, गाजे बाजे, भजन कीर्तन, जयकारे व आतिशबाजी के साथ रथयात्रा निकलेंगी। रथयात्रा मांडवी चौक, नया बाजार, गोल चौराहा होकर बांसवाड़ा मार्ग पर स्थित गमरेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी जहां मंदिर में तथा रथ की आरती उतारी जाएगी। रथयात्रा पुन उसी मार्ग से होकर मांडवी चौक स्थित नेमा समाज के चारभुजाधारी मंदिर पहुंचेगी जहां देर तक भजन कीर्तन के बाद आरती होगी।

गुरु नानक देव जयंती 15 नवंबर को, धूमधाम से मनाई जाएगी

डूंगरपुर(पुकार)। सिंधी समाज द्वारा गुरू नानक देव जयंती बड़े धूमधाम से मनाई जाएगी।

मिड़िया प्रभारी सुनील भठीजा ने बताया सिंधी कॉलोनी स्थित झुलेलाल मन्दिर में सुबह 10 से 12 बजे तक समाज एवं देश की खुशहाली हेतु जप जी साहब के 108 पाठ किए जाएंगे दोपहर 12 बजे बाद भोग साहब, अरदास, आरती, एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा दोपहर 1 बजे महाप्रसादी, लंगर का आयोजन रखा गया है जिसमें सर्व प्रथम तपस मन्द-बुद्धि स्कूल के बच्चों को भोजन कराया जाएगा इसके पश्चात समाज जन भोजन ग्रहण करेंगा ओर गुरु नानक देव जयंती के पावन अवसर पर डूंगरपुर सिंधी समाज के सभी प्रतिष्ठानों पर अवकाश रहेगा।

अम्बे मॉ मंदिर समिति की बैठक संपन्न

डूंगरपुर(पुकार)। शहर के प्रतापनगर स्थित अम्बे मॉ मंदिर समिति की बैठक मंदिर परिसर में करणसिंह राव की अध्यक्ष्यता में सम्पन्न हुई।

बैठक में मंदिर समिति के द्वि-वार्षिक चुनाव कार्यकारणी के गठन पर चर्चा की जिसमें समिति सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अशोक शर्मा को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष कन्हैयालाल कलाल, महामंत्री कपील भट्ट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भोपालसिंह, कोषाध्यक्ष हरिहर जोशी एवं विनोद कलाल तथा मीड़िया प्रभारी प्रबोध प्रजापति मिड़िया प्रभारी नियुक्त किया। समिति के निर्वतमान अध्यक्षों को सर्वसम्मति से सरक्षक मण्ड़ल में सम्मिलित किया गया। इस बैठक में देवेन्द्र सिंह, रोहित भट्ट,सिद्धार्थ जैन सहित प्रतापनगर के गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। यह जानकारी नवीन कार्यकारणी के मिड़िया प्रभारी प्रबोध प्रजापति ने दी।

आचार्य श्री सुधींद्र सागर जी का अवतरण दिवस 15 नवंबर को

डूंगरपुर(पुकार)। पाड़ली गांव में आचार्य श्री सुधींद्र सागर महाराज के सानिध्य में अष्टाहनिका पर्व चलते अभिषेक शांतिधारा हुई नरेश जैन भूपेंद्र जैन ने बताया आचार्य श्री का 15 नवंबर को 60 वां अवतरण दिवस पाडली में हर्ष के साथ मनाया जाएगा आचार्य श्री 59 वर्ष पूर्ण कर 60 वे वर्ष में प्रवेश करेंगे आचार्य श्री ने कहा मेरा जन्म दिन नहीं मनाना क्यों की मेंरा जन्म मरण का चक्रव्यू बाकी हे जन्म दिन साधु का नहीं मनाना साधु का तप दिवस अर्थात दीक्षा दिवस मनाओ और जन्म दिन मनाओगे जन्म मरण का क्रम जारी रहेगा दीक्षा दिवस मनाओ जिससे दीक्षा लेने के भाव प्रकट होंगे जिससे मुक्ति को प्राप्त होंगे जन्म दिन उनका मनाओ जिन्होंने जन्म व मृत्यु पर विजय प्राप्त अर्थात जन्मोत्सव ऋषभ देव महावीर चौबीस तीर्थंकर ओर सिद्ध भगवान का मनाओ जिससे आप का चिंतवन बनेगा हम भी जन्म मरण के चक्रव्यू से मुक्त हो जाए। श्रेष्ठिजन सामाजिक स्तंभ एवं समाजसेवी अनिल कुमार जैन जीने बताया आचार्यश्री का अष्टाहनिका पर्व का आज पांचवा उपवास है 16 नवंबर को उपवास पूर्ण होंगे 17 नवंबर को प्रातः 9 बजे पारणा होगा।

पुलिस कर्मी को बंधक बनाकर मारपीट करने के मामले में तीन आरोपियों को तीन वर्ष का कारावास तथा लगाया जुर्माना

डूंगरपुर(पुकार)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने एक पुलिसकर्मी के साथ मारपीट के मामले का निस्तारण करते हुए तीन आरोपियों को 3 वर्ष का कारावास और 10 हजार के अर्थदंड से दंडित किया है। प्रकरण के अनुसार पुलिस लाइन क्वार्टर में निवासरत कांस्टेबल नाथूलाल मीणा ने 27 मार्च 2017 को कोतवाली थाने में प्रकरण दर्ज कराया की दोपहर में साढ़े 3 बजे पुलिस लाइन अपने क्वार्टर की ओर जा रहा था कि पुलिस लाइन के परकोटे के पास तीन व्यक्ति बैठे हुए थे जिस पर उसने अकारण बैठने पर फटकार लगाई।

सामाजिक कार्यों में अग्रणी धताणा के महेंद्र डांगी किया बहुमान

डूंगरपुर। सामाजिक कार्यों में अग्रणी धताणा महेंद्र डांगी बहुमान करते समाज जन। -फोटो: चन्द्रमौली चौबीसा

डूंगरपुर(पुकार)। सामाजिक कार्यों में अग्रणी महेंद्र डांगी धताणा का श्री राष्ट्रीय सरदार पटेल सेना व सर्व समाज के कार्यकर्ताओं ने बहुमान किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यकर्ताओं द्वारा डांगी को 11 किलों की माला पहनाकर,समाज की पगड़ी से सामाजिक कार्यों में उनके योगदान के लिए आभार जताया। हीरालाल पाटीदार इंदौड़ा ने कहां कि सेना के द्वारा समाज हित में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को निरंतर आगे बढ़ाने का प्रयास होगा। ताजेंग पाटीदार मसाणा ने पगड़ी पहनाकर कहां कि पगड़ी समाज के मान सम्मान का प्रतीक है। समाज के प्रति अपने दायित्वों को हमेशा पूर्ण करने की प्रेरणा देती है। हीरालाल पटेल औरवाड़िया ने बताया कि समाज को साथ में लेकर चलने वाले बहुत कम लोग होते हैं। समाज के लिए कार्य करने वालों को समाज हमेशा भरपूर सहयोग दिया है। इस दौरान हितेश पटेल गड़ा भाभा, रमेश पटेल टाटीया, हीरालाल पटेल खीरावाड़ा, युवा नेता विक्रम पटेल खेराडए पार्षद डायालाल पाटीदार नवाडेराए शंकर मीणा, कवि धीरज सुथार,शुभम् सुथार, ललित पटेल खेराड़, रामजी पाटीदार इंदौड़ा, लालजी पाटीदार इंदौड़ा, मुकेश नेजपुर, अनील भचड़िया, वल्लभराम वाड़ा हथाई, संतोष पाटीदार रणौली, गजेंद्र पाटीदार बोड़ीगामा छोटा, जगदीश धताणा व नवीन यादव हथाई मौजूद रहें।

गिरधारीलाल बने अध्यक्ष, सुनील उपाध्यक्ष मनोनित

बेणेश्वर धाम पर साद समाज वागड़ चौखले की बैठक आहुत, चुनाव संपन्न

आसपुर। अध्यक्ष गिरधारीलाल साद। उपाध्यक्ष सुनील साद।

आसपुर(पुकार)। साद समाज वागड़ चौखले की बैठक बुधवार को वागड़ प्रयाग बेणेश्वर धाम पर समाज भवन में आहुत हुई। दीप प्रज्वलन के बाद बैठक की शुरुआत हुई। निवर्तमान अध्यक्ष देवीलाल साद ने उनके कार्यकाल में आय व व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। बैठक में समाज को नई दिशा दिखाने को लेकर सभी ने अपने अपने प्रस्ताव रखे।

चुनाव अधिकारी हरिदास साबला के निर्देशन में सर्वसम्मति के बाद चुनाव हुए जिसमें तीन उम्मीदवारों ने दावेदारी की। जिसमें गिरधारी लाल साद साबला अध्यक्ष मनोनीत हुए। मोगजी साद गड़ा कुम्हारीया दुसरे व नारायण साद टोंकवासा तीसरे नंबर पर रहे। उसके पश्चात सर्व सम्मति से सुनील साद आसपुर को निर्विरोध उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया। कमेटी में सचिव प्रकाश साद साबला, कोषाध्यक्ष देवीलाल साद खेड़ा आसपुर मिडिया प्रभारी धवल साद पूंजपुर एवं रामदास साद पूंजपुर, राजेंद्र साद जोगीवाडा, प्रवीण साद रामगढ़, नारायण साद टोंकवासा को सदस्य मनोनीत किया गया। इस अवसर पर साद समाज वागड़ चौखले के समाजजन मौजूद रहे।

बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अध्यक्ष यादव एस ठाकुर आज बाँसवाड़ा में

यादव एस ठाकुर अध्यक्ष

डूंगरपुर(पुकार)। बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के चेयरमेन यादव एस ठाकुर 14 नवम्बर को बांसवाड़ा आएंगे।

क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य प्रबंधक परमेश्वर गुप्ता ने बताया कि बैंक अध्यक्ष गुरुवार को बांसवाड़ा में क्षेत्र की सभी 68 शाखाओं के प्रबंधकों की व्यवसाय समीक्षा बैठक तथा क्षेत्र स्तरीय सम्मान समारोह को संबोधित करेंगे। बैंक के महाप्रबंधक आर एल जीनगर मुख्य अतिथि होंगे। क्षेत्रीय प्रबंधक कमल कुमार सोनी भी शाखा प्रबंधकों को संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि इस बैठक में बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में बैंक शाखाओं के योगदान और कार्य प्रगति पर विशेष चर्चा की जाएगीए साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शाखा प्रबन्धको का सम्मान भी किया जाएगा।

विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने दिवंगत निर्माण श्रमिकों के परिवारों को सौंपे सहायता राशि के लाभार्थी पत्र

दिवंगत निर्माण श्रमिकों के परिवारों को दो लाख रुपए की सहायता राशि के लाभार्थी पत्र प्रदान करते विधायक दीप्ति माहेश्वरी।

राजसमंद (पुकार)। राजस्थान की श्रमिक कल्याण योजनाओं के अंतर्गत विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने दिवंगत निर्माण श्रमिकों के पांच परिवारों को दो लाख रुपए की सहायता राशि के लाभार्थी पत्र प्रदान किए। इस सहयोग से श्रमिक परिवारों को आर्थिक संबल प्राप्त हुआ है। जिससे वे अपने दैनिक जीवन में राहत अनुभव कर सकेंगे। इस दौरान विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि भारत सरकार और राजस्थान सरकार द्वारा श्रमिक परिवारों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। जो परिवारों को कठिन समय में सहारा प्रदान कर रही हैं। उन्होंने श्रमिकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सरकार हर संभव प्रयास कर रही है कि इन परिवारों को जरूरी सहायता समय पर प्राप्त हो। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने इस सहयोग के महत्व को रेखांकित करते हुए श्रमिकों और उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और उन्हें आश्वस्त किया कि उनके कल्याण के लिए सरकार निरंतर काम कर रही है। इस दौरान उन्होंने श्रमिक परिवारों को राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। विधायक ने बताया कि सरकार श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 25 हजार रुपये प्रतिवर्ष तक की छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त श्रमिक के पुत्र अथवा पुत्री के जन्म पर परिवार को 21 हजार रुपये तक की सहायता राशि दी जाती है। निर्माण श्रमिक सुलभ आवास योजना के तहत श्रमिकों को आवास बनाने के लिए 1.50 लाख रुपये तक का अनुदान भी मिलता है।

अणुव्रत समिति राजसमन्द ने राष्ट्रीय स्तर पर किया द्वितीय स्थान प्राप्त

सुरत में अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी का 75वां अणुव्रत अधिवेशन में शहर श्रेणी में राजसमन्द परिषद् को द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित करते अतिथि।

राजसमंद (पुकार)। आचार्य महाश्रमण के सानिध्य में सुरत में अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी का 75वां अणुव्रत अधिवेशन सम्पन्न हुआ। जिसमें प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर शहर श्रेणी में राजसमन्द परिषद् को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय स्तर पर मेवाड़ से एक मात्र शहर रहा जिसे तीन मोमेन्टो प्राप्त हुए, दो मोमेन्टों अणुव्रत वाटिका बनाने पर प्राप्त हुए। यह पूरे मेवाड़ ही नही राजस्थान के लिए गौरव की बात है। जिसे राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री, मुख्य ट्रस्टी आदि ने प्रदान किया। जिसे जिलाध्यक्ष एडवोकेट अचल धर्मावत, डॉ महेन्द्र कर्णावट, डॉ विमल कावड़िया, अणुविभा के न्याती, अशोक डुंगरवाल, डॉ सीमा कावड़िया, राजकुमार दक, कल्पना कर्णावट, भरत दक, अंकित धर्मावत आदि ने प्राप्त किया। इस दौरान संचय जैन, तेजकरण सुराणा, अभिषेक कोठारी, पंचशील जैन, रतन दूंगड़, मर्यादा कोठारी आदि उपस्थित थे।

गेपसागर झील में छलांग मार कर युवती ने कि आत्महत्या

डूंगरपुर। गेपसागर झील में शव को तलाशतें गोताखोर, पाल पर जमा लोंगों की भीड़। फोटो: चन्द्रमौली चौबीसा

डूंगरपुर (पुकार)। शहर की गेंपसागर की पाल पर बुधवार शाम को एक युवती के चप्पलें, चाकू और खून से लथपथ कागज के साथ 30 रुपए मिलने के बाद सनसनी फैल गई। पानी में किसी लड़की के डूबने के संदेह पर लोग जमा हो गए। डीएसपी समेत पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे ओर सिविल डिफेंस की टीम को मौके पर बुलाकर सर्च शुरू कर दिया है। हालांकि लड़की कौन है और कहा कि रहने वाली है। इसका कोई पता नहीं चल सका है। घटना की सुचना पाल पर घूम रहे लोगों ने आसपास के लोगों को सूचना दी। लोगो ने झील में किसी लड़की के डूबने का संदेह जताया। जिसके बाद पाल पर लोगो की भीड़ जमा हो गई। वही सुचना पर कोतवाली थानाधिकारी भगवानलाल भी मौके पर जाप्तें के साथ मौके पर पहुंचे ओर स्थानीय युवक शंकर भोई, बल्ले हरिजन, रवि परमार, कृष्णा भोई, कमलेश ओर सिविल डिफेंस की टीम द्वारा तकरीबन डेढ घंटे की मशक्कत के बाद युवती का शव झील में से निकाला गया। युवती की उम्र तकरीबन 18 से 20 वर्ष के बीच बताई जा रही है। साथ ही सफेद रंग की सलवार के साथ ही केलु रंग का कुर्ता जिस पर सफेद व काले रंग की चुंनडी की डीजाईन बनी हुई है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग, वृत उदयपुर

फोन एवं फैक्स नं. 0294.2940419 E-Mail :- secircle.uda.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक : एसई/उदय / अंके - जिला / 2024-25 / 5002-16 दिनांक : 08.11.2024

निविदा सूचना संख्या 52 से 54 / 2024-25

वृत कार्यालय में स्टेशनरी आपूर्ति, फोटो प्रति एवं कम्प्यूटर संधारण के कार्य की निविदा संख्या 52 से 54 दिनांक 08.11.2024 आमन्त्रित की गई जो दिनांक 19.11.24 को 3.00 बजे प्राप्त की जावेगी । निविदाओ का विस्तृत विवरण राज्य सरकार के उपापन पोर्टल http://sppp.raj.nic.in पर देखे जा सकते है।

NIB Code PHE2425A2832
UBN No. PHE2425SSRC06078
PHE2425SOBC06078
PHE2425SSOB06080

अधीक्षण अभियन्ता
जन स्वा.अभि. विभाग वृत उदयपुर

DIPR/C/11230/2024

संक्षिप्त समाचार

भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के भू विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने किया भूवैज्ञानिक सर्वे

उदयपुर (पुकार)। भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के विज्ञान अधिष्ठाता डॉ रेणु राठौड़ ने बताया कि भू विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने पाँच दिवसीय भूवैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत राजस्थान की सबसे पुरानी चटानों से लेकर नवीनतम चटानों का अध्ययन किया। जिसके अंतर्गत 20 विद्यार्थियों ने उदयपुर के पास जमुनिया की नाल में 250 करोड़ वर्ष पूर्व की चट्टानों, नाकोड़ा भैरव के पास 80 करोड़ वर्ष पूर्व की ज्वालामुखी चट्टानों, जैसलमेर के सानु में स्थित आरएसएसएम की स्टील मेकिंग ग्रेड लाइमस्टोन की माईन्स का दौरा किया। भूविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ हेमंत ने बताया कि विद्यार्थियों ने सिरोही में उपस्थित चट्टानों का, बाड़मेर की गिरल लिग्नाइट माईन्स, जैसलमेर और जोधपुर सैंडस्टोन की माईन्स का भी अध्ययन किया और भूवैज्ञानिक ज्ञान प्राप्त किया। सहायक आचार्य करण सिंह चुण्डावत ने विधार्थियों को भूविज्ञान विषय की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। सहायक आचार्य करण सिंह चुण्डावत ने साथ रहकर विद्यार्थियों को भूविज्ञान विषय की महत्वपूर्ण जानकारीयाँ प्रदान की।

विशाल नेत्र जांच शिविर का आयोजन

उदयपुर (पुकार)। एसबीआई फाउंडेशन और तारा संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में विशाल नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन चयन शिविर का आयोजन सिरोही जिले के वीरवाड़ा ग्राम पंचायत में किया गया। बड़ी संख्या में ग्राम वासियों ने आंखों की जांच कराई। इसमें 29 लोगों को मोतियाबिंद पाया गया। जिनकी आंखों का ऑपरेशन तारा नेत्रालय उदयपुर में निःशुल्क किया जाएगा शिविर को सफल बनाने में सरपंच योगेश रावत, पंच जीतू सोनी एवं सचिव बलवंत सिंह का सराहनीय योगदान रहा। तारा संस्थान द्वारा सिरोही जिले में लगातार निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया जा रहा है, इससे ग्रामीणों में आंखों में होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूकता आ रही है। जो ऑपरेषन का खर्च नहीं उठा सकते उनको निःशुल्क ऑपरेशन की सुविधा भी मिल रही है।

नम्रता को पीएचडी उपाधि

उदयपुर (पुकार)। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय वाणिज्य संकाय में लेखांकन एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग के शोधार्थी नम्रता जैन को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। नम्रता जैन ने विभागाध्यक्ष प्रो. शूरवीर एस. भाणावत के निर्देशन में 'भारतीय वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में एकीकृत प्रतिवेदन एवं वित्तीय निष्पादन' विषय पर शोध कार्य किया। नम्रता जैन ने अध्ययन में बैंकिंग, एनबीएफसी, निवेश और ब्रोकिंग तथा बीमा कंपनियों से 20 भारतीय वित्तीय सेवा क्षेत्र की कंपनियाँ चयन की, जिन्होंने स्वेच्छा से एकीकृत रिपोर्टिंग को अपनाया है।

मेवाड़ जनशक्ति दल राजस्थान के वर्ष 2024-25 कार्यकारिणी का गठन

उदयपुर (पुकार)। मेवाड़ जनशक्ति दल कार्यकारिणी की बैठक बुधवार को दूर्गानसरी रोड स्थित कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संस्थापक नरेश कुमार शर्मा ने मेवाड़ जनशक्ति दल के मार्गदर्शक मंडल, संरक्षक मंडल के कार्यकारिणी 2024-25 का विस्तार किया। पूर्व में दायित्व पर रहे और वर्तमान में नई नियुक्तियों के साथ में मार्गदर्शक मंडल में (ओम बन्नासा पुत्र पाली धाम) महान पराक्रमी सिंह राठौड़, गिरीश जोशी, ज्ञान ज्योति सेवा संस्थान के राहुल मेघवाल, डॉक्टर बाल गोपाल शर्मा, चंद्रशेखर जोशी सलूंबर साथ ही सरक्षक मंडल में अतुल शर्मा, धीरेन्द्र सिंह सचान, एडवोकेट निर्मल कुमार पंडित, संजय बजाज, जयेश चंपावत, भूपेंद्र धाभाई, एडवोकेट भरत कुमार जोशी, डॉ परमवीर सिंह राव, मुकेश माधवानी, छगनलाल मेनारिया को नवीन कार्यकारिणी में मनोनीत किया।

नशा मुक्ति पर कार्यशाला आयोजित

उदयपुर (पुकार)। ऐश्वर्या कॉलेज, उदयपुर में प्रशिक्षण और प्लेसमेंट कार्यक्रम के अन्तर्गत आरोग्य सेवा संस्थान द्वारा नशा मुक्ति पर एक सत्र आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। ऐश्वर्या पीजी महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.ऋतु पालीवाल द्वारा नशे के खतरों और इसके समाज और परिवार पर पड़ने वाले प्रभावों पर चर्चा से हुई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता आरोग्य सेवा संस्थान की ओर से श्री सुनील पंचोली और उनकी टीम मौजूद रहीं। आरोग्य सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने कहा कि वे युवाओं को नशामुक्त बनाने के लिए कई जागरूकता कार्यक्रम चलाते हैं। उनका उद्देश्य युवाओं में सकारात्मक सोच का विकास करना और समाज को नशामुक्त बनाना है। कार्यक्रम के अंत में सुनील पंचोली और उनकी टीम को महाविद्यालय की तरफ से स्मृति चिह्न भेट किया गया।

आकाशवाणी उदयपुर के पूर्व केंद्र निदेशक डॉ. इंद्रप्रकाश श्रीमाली का निधन

उदयपुर (पुकार)। आकाशवाणी के उदयपुर केंद्र के पूर्व निदेशक और प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. इंद्रप्रकाश श्रीमाली का निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। डॉ. श्रीमाली ने आकाशवाणी में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दीं और साहित्य, कला से भी गहरे जुड़े हुए थे। उन्होंने कई पुस्तकें भी लिखीं, जिससे साहित्यिक जगत में उनकी एक विशिष्ट पहचान थी। उनके निधन से साहित्य प्रेमियों में शोक की गहरी लहर दौड़ गई है। डॉ श्रीमाली जी खेती और घर कार्यक्रम के माध्यम से गांव गांव तक विशिष्ट पहचान बनी लंबे समय तक वे इस कार्यक्रम से जुड़े रहे एवं कई फिल्मों में भी अभिनय किया और मंच संचालन का उनका अलग ही अंदाज़ था।

उदयपुर। सलूम्बर विधानसभा उप चुनाव के तहत बुधवर को मतदान केंद्रों पर लगी लोगों की कतारें।

उपचुनाव : सलूम्बर विधानसभा क्षेत्र के 302 बूथों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई मतदान प्रक्रिया

गुलाबी ठण्ड के साथ शुरू हुआ मतदान, मतदाताओं में रहा उत्साह

सलूम्बर में 67.7 फीसदी हुआ मतदान

चुनाव प्रेक्षक और जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया दौरा

उदयपुर (पुकार)। विधानसभा उपचुनाव 2024 के तहत बुधवार को सलूम्बर विधानसभा क्षेत्र में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। गुलाबी ठण्ड के साथ शुरू हुआ मतदान देर शाम तक जारी रहा। लोकतंत्र के इस मिनी उत्सव के प्रति मतदाताओं ने अपार उत्साह दिखाया। सामान्य प्रेक्षक जे विजयारानी तथा जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द पोसवाल ने क्षेत्र के मतदान बूथों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सलूम्बर विधानसभा क्षेत्र में 67.7 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया।

गत विधानसभा चुनाव 2023 में सलूम्बर से विधायक चुने गए अमृतलाल मीणा के निधन से रिक्त हुए पद के लिए बुधवार को उपचुनाव के तहत मतदान हुआ। सलूम्बर क्षेत्र में 296 मुख्य तथा 6 सहायक बूथों पर सुबह 7 बजे से मतदान प्रारंभ हुआ। इससे पूर्व सुबह 5.30 बजे मॉक पोल (वोटिंग का पूर्वाभ्यास) हुआ, ताकि किसी भी प्रकार के तकनीकी व्यवधान को मुख्य मतदान शुरू होने से पहले दूर किया जा सके। क्षेत्र के किसी भी बूथ से किसी प्रकार की समस्या की शिकायत सामने नहीं आई। इस दौरान संबंधित प्रत्याशियों के पोलिंग एजेंट भी उपस्थित रहे। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त चुनाव प्रेक्षक जे विजयारानी ने अलसुबह सलूंबर शहर तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित मतदान बूथों पर पहुंच कर मॉक पोल का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि सलूंबर सीट के लिए कुल 6 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। मतदाताओं ने अपना निर्णय ईवीएम में लॉक कर दिया है। मतों की गिनती 23 नवम्बर को होगी।

पौ फटते ही कतारें:

निर्वाचन प्रक्रिया में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन आयोग ने मतदान समय में बढ़ोतरी करते हुए सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक का समय निर्धारित किया था। अलसुबह गुलाबी ठंड के बावजूद मतदान बूथों पर पौ फटने के साथ ही मतदाताओं के पहुंचने का क्रम शुरू हो गया। अधिकांश बूथों पर सुबह 7 बजे तक पहुंचने वाले मतदाताओं की संख्या दहाई के अंक में देखी गई। दिन खिलने के साथ ही बूथों पर कतारें भी लम्बी होती रही। सुबह 9 बजे तक 10.66 प्रतिशत मतदान हुआ, वहीं 11 बजे तक 25.26 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। दोपहर 1 बजे तक 40.03 प्रतिशत व अपराह्न 3 बजे तक 48.30 प्रतिशत मतदान हुआ। शाम पांच बजे तक मतदान का आंकड़ा बढ़कर 64.19 प्रतिशत तक पहुंचा।

महिलाओं में दिखा खासा उत्साह:

लोकतंत्र के उत्सव में महिलाओं ने भी बढ चढ़कर कर भागीदारी निभाई। हालांकि सुबह बूथों पर महिलाओं की संख्या अपेक्षाकृत कम रही, लेकिन दिन चढ़ने के साथ बूथों पर महिलाओं के रैले उमड़े। 10-11 बजे बाद बूथों पर महिलाओं की संख्या अधिक नजर आई। महिलाएं चूल्हा चौका निपटाकर लोकतंत्र के प्रति अपनी आस्था का परिचय देने के लिए बूथों पर पहुंची।

सलूम्बर विधानसभा के राउमावि इंटालीखेड़ा के मतदान बूथ 249 पर गांव की 70 वर्षीय मोगी पटेल और 68 वर्षीय नन्दू बाई खुद चलकर पहुंची और पूरे उत्साह के साथ मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी भागीदारी निभाई। ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से खासा उत्साह देखा गया। लोकतंत्र के प्रति हर वर्ग जागरूक दिया। नेहरू युवा केन्द्र के पूर्व राज्य निदेशक पवन कुमार अमरावत ने भी अपने गांव इंटालीखेड़ा पहुंचकर मतदान किया और अपना फर्ज निभाया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया मैराथन दौरा

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर उदयपुर अरविन्द पोसवाल ने सलूम्बर विधानसभा क्षेत्र का मैराथन दौरा कर मतदान प्रक्रिया का जायजा लिया। पोसवाल सुबह उदयपुर से रवाना होकर जावर-परसाद क्षेत्र के विभिन्न बूथों का अवलोकन करते हुए दोपहर पश्चात जयसमंद क्षेत्र पहुंचे। वहां भी विभिन्न दूरस्थ गांवों में मतदान प्रक्रिया का निरीक्षण कर अपरान्ह बाद सलूम्बर मुख्यालय पहुंचे। सलूम्बर शहर में स्थित विभिन्न बूथों का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। साथ ही संबंधित कार्मिकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उम्र और शारीरिक अक्षमता नहीं बनी बाधा:

लोकतंत्र के उत्सव के प्रति बुजुर्गों और दिव्यांगजन का भी खासा उत्साह रहा। उम्र और शारीरिक अक्षमता किसी प्रकार की बाधा नहीं बनी। जिले के तकरीबन हर मतदान केंद्र पर वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजन का मतदान को लेकर उत्साह देखते ही बन रहा था। बुजुर्ग अपने परिवारजनों के साथ बूथों पर पहुंचे और मतदान किया। इस दौरान स्काउट-गाइड स्वयंसेवकों ने भी उनका सहयोग किया।

सराहनीय रही स्काउट-गाइड एवं आंगनवाड़ी कार्मिकों की सेवाएं

विधानसभा उपचुनाव की मतदान प्रक्रिया में हर व्यक्ति ने अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन किया। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के सहयोग के लिए नियुक्त स्काउट-गाइड स्वयंसेवकों की सेवाएं सराहनीय रही। स्वयंसेवकों ने बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं को सुगम मतदान करवाने में सहयोग प्रदान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं को व्हीलचेयर पर केंद्र तक पहुंचाया। वहीं मतदान केंद्रों पर भीड़ नियंत्रण में भी सुरक्षाकर्मियां का पूर्ण सहयोग किया। इनके अलावा बीएलओ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा सहयोगिनी आदि ने भी बूथों पर व्यवस्थाएं बनाए रखने में सराहनीय योगदान दिया।

मतदाताओं ने किया पौधरोपण

निर्वाचन प्रक्रिया के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से निर्वाचन विभाग ने नवाचार किया। इसमें हर बूथ पर प्रथम पांच मतदाताओं से केंद्र पर मतदान कराया गया। आयोग के निर्देशानुसार सभी बूथों पर सबसे पहले मतदान के लिए पहुंचे पांच-पांच मतदाताओं ने उत्साह के साथ मतदान केंद्र परिसर में पौधरोपण किया।

सेल्फी का क्रेज

मतदाताओं के उत्साहवर्धन के लिए विशिष्ट बूथों पर सेल्फी पॉईंट भी बनाए गए। हर आयु वर्ग के मतदाताओं ने मतदान के बाद अंगुली पर लगी अमिट स्याही का निशान दिखाते हुए सेल्फी ली। पहली बार मतदान कर रहे युवाओं में खासा उत्साह नजर आया। लोकतंत्र में सक्रिय सहभागिता के पहले अवसर का युवाओं ने भरपूर उपयोग किया। बूथों पर युवाओं की खासी भीड़ नजर आई।

सलूम्बर में 67.7 फीसदी मतदान

पुरूषों की तुलना में महिलाएं रहीं आगे

उदयपुर। विधानसभा उपचुनाव 2024 के तहत बुधवार को हुए मतदान में सलूम्बर विधानसभा क्षेत्र में 67.7 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द पोसवाल ने बताया कि सलूम्बर क्षेत्र के 296 मुख्य व 6 सहायक बूथों पर हुए मतदान में कुल 297977 मतदाताओं में से 201739 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इसमें 151547 पुरूष मतदाताओं में 101199 (66.77 प्रतिशत) तथा 146430 महिलाओं में से 100540 (68.66 प्रतिशत) ने वोटिंग की।

देर रात तक लौटे मतदान दल

मतदान समाप्ति के बाद मतदान दलों के उदयपुर जिला मुख्यालय लौटने का क्रम शुरू हुआ। मतदान दलों ने फतह स्कूल में स्थापित संग्रहण केंद्र पर निर्धारित काउंटर्स पर निर्वाचन सामग्री तथा ईवीएम सेट जमा कराए। देर रात तक मतदान दलों के लौटने का क्रम बना रहा। जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द पोसवाल के निर्देशन में उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीपेंद्रसिंह राठौड़ सहित सभी अधिकारी देर रात तक संग्रहण स्थल पर तैनात रहे। कार्मिकों की सुविधा के लिए पृथक-पृथक काउंटर बनाए गए थे। सामग्री जमा कराने के बाद कार्मिकों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वाहन व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई।

भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयन्ती पर होंगे विविध आयोजन

राज्य स्तरीय कार्यक्रम 15 को बांसवाड़ा में

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व केन्द्रीय राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल करेंगे शिरकत

उदयपुर (पुकार)। भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती, जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर केन्द्र एवं राज्य सरकार के स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम बांसवाड़ा जिला मुख्यालय पर शुक्रवार 15 नवंबर को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं कानून एवं न्याय तथा संसदीय मामलात राज्य मंत्री श्री अर्जुनलाल मेघवाल के आतिथ्य में समारोह पूर्वक आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा वनाधिकार अधिनियम अंतर्गत वन क्षेत्रों के विकास हेतु नवीन योजना ''गोविन्द गुरु जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना'' को प्रारम्भ किया जायेगा।

जनजाति क्षेत्रीय विकास आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी ने बताया कि इस वर्ष कार्यक्रम का विषय ''नवादि युगधारा प्रणेता समागम'' होगा जिसमें जनजाति समाज में विशिष्ट उपलब्धि वाले व्यक्तियों-उन्नत किसान, महिला उद्यमी, शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में विशेष पहचान रखने वाले एवं नवाचार कर जनजाति विकास में योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रणेता के रूप में पहचान दिलायी जाएगी। इस कार्यक्रम में राजभवन में एक प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें वनधन विकास केन्द्रो, ट्राईफेड, मेजिक बस, यूनिसेफ, यूएनआईसीईएफ, एआईआईएमएस जोधपुर एवं आईआईएचएमआर द्वारा स्टॉल लगाई जाएगी।

राष्ट्रीय कार्यक्रम जमुई बिहार में : राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन माननीय प्रधानमंत्री की उपस्थिति में जिला जमुई, बिहार में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम का प्रसारण राज्य स्तरीय कार्यक्रम एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत चयनित 34 जिले, (जहां आदर्श आचार संहिता लागू नहीं है) उन जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अन्तर्गत राज्य के ऐसे 12 जिले जहां इस योजना में 100 से अधिक ग्राम चयनित है (जहां आदर्ष आचार संहिता लागू नहीं है), वहां राज्य के प्रभारी मंत्री की उपस्थिति में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। 15 नवम्बर से 26 नवम्बर की अवधि में जनजातीय गौरव दिवस पखवाड़ा मनाया जायेगा। इस पखवाड़े में राज्य में निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

संचार सेतु, प्रदर्शनी सहित होंगी सांस्कृतिक प्रतियोगिता

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष यूएनएफपीए के सहयोग से 14 नवंबर को विभाग के आवासीय विद्यालयों व छात्रावासो में अकादमिक सूचना तंत्र के संचार हेतु स्थापित ''सचार सेतु'' का शुभारम्भ किया जायेगा। 15 से 17 नवंबर को ''जनजाति चित्रकला एवं हस्तकला प्रदर्षनी'' का आयोजन बागोर की हवेली, उदयपुर में किया जाएगा, जिसमें राज्य के लगभग 40 जनजाति कलाकारों के हस्तशिल्प की प्रदर्शनी लगायी जाएगी। इस अवधि में जनजाति छात्रावासों में कला एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन उपायुक्त, टीएडी कार्यालयों के माध्यम से किया जाएगा। 19 से 21 नवंबर तक ''राष्ट्रीय युवा महोत्सव''का आयोजन उदयपुर में किया जाएगा। 29 नवंबर से 8 दिसंबर तक ट्राईफेड जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में ''आदि महोत्सव'' का आयोजन, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसी अवधि में जनजाति कला के सरंक्षण एवं संवर्धन के क्रम में जनजाति डिजाइन स्टूडियो ÷बनफूल÷ का औपचारिक शुभारम्भ माणिक्य लाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (टीआरआई) उदयपुर में किया जाएगा।

स्काउट-गाइड का राज्य पुरस्कार गाइड एवं रेंजर शिविर सम्पन्न

उदयपुर (पुकार)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड मंडल मुख्यालय एवं जिला मुख्यालय के तत्वावधान में राज्य पुरस्कार गाइड एवं रेंजर शिविर उदय निवास उदयपुर में आयोजित किया गया। इस शिविर में जिलेभर की 166 गाइड्स और मंडल स्तरीय 41 रेंजर्स ने सहभागिता की।

सहायक राज्य संगठन आयुक्त मनमोहन स्वर्णकार ने शिविर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया और उपयोगी जानकारी एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राज्य स्तर से मुख्य परीक्षक श्रीमती दक्षा उपाध्याय एवं रेंजर लीडर मुख्य परीक्षक विजयलक्ष्मी वर्मा द्वारा जांच शिविर संपन्न हुआ। वर्मा ने बताया कि गाइड्स एवं रेंजर्स को विभिन्न प्रकार के जांच एवं परीक्षाओं से गुजर कर लिखित परीक्षा पास करना आवश्यक होगा परीक्षा के परिणाम के पश्चात जो गाइड्स एवं रेंजर्स परीक्षा में उत्तीर्ण होगी उनको माननीय राज्यपाल के हस्तक्षरित प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। परीक्षक किरण पोखरणा, मलकीत कौर, कल्पना धर्मावत, उषा शर्मा, शालिनी आजाद, शिप्रा चतुर्वेदी, पार्वती असावा, यश माला उपाध्याय, दीपशिखा, अपर्णा अग्रवाल, नाजिया खान, दिव्या राणा, शारदा नाथ, मीनाक्षी जैन, वनिता जैन, सुशीला, सरिता राणावत, पूनम गहलोत, यशोदा वैष्णव, जनक आदि प्रशिक्षकों ने परीक्षा कार्य संपन्न कराया। परीक्षा के अंत में सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं राष्ट्रगान के साथ शिविर का समापन हुआ।

जिला जन अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति की बैठक 21 को

उदयपुर (पुकार)। आमजन के अभाव अभियोग प्राप्त कर उन पर नियमानुसार त्वरित कार्यवाही को लेकर गठित जिला जन अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति की बैठक गुरुवार 21 नवंबर को सुबह 10.30 बजे जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित राजस्थान संपर्क आईटी केंद्र में आयोजित होगी। प्रभारी अधिकारी सतर्कता एवं एडीएम सिटी ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक सूचनाओं के साथ बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

एनआईसीसी उदयपुर द्वारा 15 को लॉन्च होगा लिक्विड सैंचुअरी उदयपुर

यह राजस्थान का पहला फ्लोटेशन टैंक थेरेपी सेंटर होगा

उदयपुर (पुकार)। एनआईसीसी की डॉ. दृष्टि छाबड़ा और जसजीव भसीन ने उदयपुर में लिक्विड सैंचुअरी की शुरुआत की है, जिससे फ्लोटेशन टैंक थेरेपी का क्रांतिकारी कांसेप्ट अब झीलों की नगरी में उपलब्ध है। यह राजस्थान का पहला फ्लोटेशन टेंक थैरेपी सेन्टर बना गया। 15 नवम्बर को इसका उद्घाटन इन्दिरा आईवीएफ सेन्टर के डॉ. अजय मुर्डिया द्वारा शाम को 5 बजे किया जायेगा।

इस अवसर पर डॉ. दृष्टि छाबड़ा ने बताया कि लिक्विड सैंचुअरी उदयपुर एक अनूठा सेंसरी डेप्राइवेशन अनुभव प्रदान करता है, जो तनाव को कम करने, आराम को बढ़ाने और मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आज के तेज़-तर्रार जीवन में, फ्लोटेशन थेरेपी उन लोगों के लिए एक बेहतरीन उपाय बनकर उभर रही है जो शांति और संपूर्ण स्वास्थ्य की खोज में हैं। इस थेरेपी में एप्सम सॉल्ट मिश्रित पानी से भरे विशेष टैंक में फ्लोट करने का अनुभव होता है, जिससे शून्य गुरुत्वाकर्षण जैसा वातावरण बनता है। बाहरी उत्तेजनाओं की अनुपस्थिति शरीर और मन को गहन शांति प्रदान करती है।

लिक्विड सैंचुअरी उदयपुर की संस्थापक डॉ. दृष्टि छाबड़ा ने उदयपुर में इस आधुनिक वेलनेस समाधान की शुरुआत के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हमारा मिशन हमेशा से उदयपुर के लोगों के लिए नवाचार और प्रभावी वेलनेस थेरेपीज़ लाना रहा है। फ्लोटेशन टैंक थेरेपी एक प्राकृतिक तरीका है खुद को तनावमुक्त, स्वस्थ और आत्म-संवाद करने का। हमें गर्व है कि हम इसे इस शहर में पहली बार पेश कर रहे हैं और हमें विश्वास है कि यह लोगों के सेल्फ-केयर और वेलनेस के दृष्टिकोण को पूरी तरह बदल देगा।

इस अवसर पर फ्लोटेशन टैंक थेरेपी का लाइव डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत किया गया, जहां उपस्थित लोगों ने इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष अनुभव किया। इसके बाद तनाव कम करने, मांसपेशियों की रिकवरी, बेहतर नींद और रचनात्मकता बढ़ाने जैसे स्वास्थ्य लाभों पर एक जानकारी पूर्ण प्रस्तुति दी गई।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक लोकेश कुमार आचार्य द्वारा पुकार प्रिंटिंग प्रेस 311-ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, पत्रकार विहार, नांदी फाउण्डेशन के सामने, उदयपुर (राज.) में मुद्रित एवं पुकार प्रकाशन संस्थान कार्यालय 311-ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, पत्रकार विहार, नांदी फाउण्डेशन के सामने, उदयपुर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक : लोकेश कुमार आचार्य। केन्द्रीय कार्यालय : प्रेम कुंज 92 नेहरू बाजार उदयपुर। फोन/फैक्स : (0294) 5103299. मोबाइल : 98290 05007, 94140 58114. प्रबंध सम्पादक : लीला राय आचार्य, उप सम्पादक : अजय कुमार आचार्य।। जयपुर कार्यालय : कुंभामार्ग प्रतापनगर, सांगानेर, जयपुर, फोन : (0141) 3271115, E-mail: dainikpukar@yahoo.com.